हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
दुमका, औरंगाबाद, आरा एवं पटना से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
● दुमका ● वर्ष -04 ● अंक - 315 ● मंगलवार 30 दिसंबर 2025 ● रजि नं. - JHAHIN/2022/82776 ● पृष्ठ -12 ● मूल्य : 2 रुपये

विश्वगुरु बनना हमारी महत्वाकांक्षा नहीं, दुनिया की जरूरत: संघ चीफ

● आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने पूर्व घटनाओं का किया उल्लेख

हैदराबाद (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने हिंदुओं से अपील की है कि वे हिंदू समाज और विश्व के कल्याण के लिए भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में कार्य करें। हैदराबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदू संगठनों के सम्मेलन विश्व संघ शिविर के समापन समारोह में उन्होंने कहा कि हिंदुओं और स्वयंसेवकों को उदाहरण प्रस्तुत करके दिखाना होगा कि मानव बुद्धि को वैश्विक कल्याण की दिशा में कैसे लगाया जा सकता है। मोहन भागवत ने लगभग 100 वर्ष पूर्व की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि योगी अरविंद ने घोषणा की थी कि सनातन धर्म का पुनरुत्थान ईश्वर की इच्छा है और इसके लिए हिंदू राष्ट्र का उदय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वह समय अब आ गया है। भागवत ने आगे कहा कि भारत, हिंदू राष्ट्र, सनातन धर्म और हिंदुत्व, ये सभी पर्यायवाची हैं। उन्होंने संकेत दिया कि यह प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और अब हमें इसे आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि भारत में संघ के प्रयास और विभिन्न देशों में हिंदू स्वयंसेवक संघों के प्रयास एक ही हैं। हिंदू समुदाय को संगठित करना और पूरे विश्व में धार्मिक जीवन जीने वाले समाज का उदाहरण प्रस्तुत करना। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि विश्वगुरु बनने के लिए संघ सहित विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर कड़ी मेहनत की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें फिर से विश्वगुरु बनने का कार्य करना होगा। यह हमारी महत्वाकांक्षा नहीं है,बल्कि विश्व की आवश्यकता है।

अपने ही आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

● नई समिति का होगा गठन,21 जनवरी को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरावली पर्वत श्रृंखला की परिभाषा तय करने वाले आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 21 जनवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 20 नवंबर को सुनाया गया फैसला अगली सुनवाई तक लागू नहीं होगा। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी। सीजेआई ने कहा कि अरावली पहाड़ियों के अध्ययन और सर्वे के लिए एक नई समिति बनाई जाएगी। सीजेआई ने कहा कि इस पर पुनः विचार किया जाना है कि क्या 100 मीटर से ऊंची पहाड़ियों को ही अरावली का हिस्सा मानने से अवैध खनन तो नहीं शुरू हो जाएगा। कोर्ट ने कहा कि उस इलाके की पहचान करने के लिए परिभाषा तय करनी है जो कि अरावली का हिस्सा नहीं हैं। बता दें कि 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक जैसी परिभाषा को स्वीकार करते हुए मुहर लगा दी थी। कोर्ट ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात तक फैली इस पर्वत श्रृंखला में विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने

तक खनन पट्टों पर रोक लगा दी थी। अरावली को लेकर सबसे बड़ा विवाद इसकी भौगोलिक सीमा और परिभाषा को लेकर है। पहाड़ियों की स्पष्ट परिभाषा न होने के कारण कई बार निर्माण कार्यों और खनन को लेकर नियमों का उल्लंघन होता है। इससे पहले, न्यायालय ने अरावली में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के खिलाफ निर्णय लिया था। न्यायालय का मानना था कि इस तरह का निषेध अवैध खनन गतिविधियों को जन्म दे सकता है। अदालत ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया था। समिति के अनुसार, ''अरावली पहाड़ी'' को उन चिह्नित अरावली जिलों में मौजूद किसी भी भू-आकृति के रूप में परिभाषित किया जाएगा, जिसकी ऊंचाई स्थानीय निचले बिंदु से 100 मीटर या उससे अधिक हो। वहीं, ''अरावली पर्वतमाला'' एक-दूसरे से 500 मीटर के भीतर दो या अधिक ऐसी पहाड़ियों का समूह होगा।

उन्नाव रेप केस

कुलदीप सेंगर को लगा 'सुप्रीम' झटका

● हाईकोर्ट के आदेश पर लगा दिया ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों वाली बेंच ने उन्नाव रेप केस में दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कुलदीप सेंगर को नोटिस भी जारी किया है। उन्नाव रेप केस में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की फैसले को कानून के खिलाफ, गलत और समाज के लिए गंभीर खतरा बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका फाइल की। सीबीआई ने अपनी याचिका में कहा था कि दिल्ली हाई कोर्ट ने सेंगर की सजा को सस्पेंड करके पॉक्सो ऐक्ट के लक्ष्य को ही नजरअंदाज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में मामले की

आजीवन कारावास की सजा को दिल्ली हाई कोर्ट ने निलंबित कर दिया था और उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दे दिया था। सीजेआई ने कहा कि हाई कोर्ट के जिस जज ने फैसला सुनाया है वह बहुत अच्छे जज हैं। हालांकि गलती किसी से भी हो सकती है। पॉक्सो के तहत अगर कॉन्स्टेबल लोक सेवक हो सकता है तो विधायक को अलग क्यों रखा गया, यह चिंता का विषय है। बता दें कि सीबीआई ने हाई कोर्ट के सुनवाई से पहले पीड़िती का तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। हालांकि सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में पीड़िता भी मौजूद थी। एजेंसी का कहना है कि हाई कोर्ट यह समझ ही नहीं पाया कि सेंगर विधायक थे और वह जनता के विश्वास के पद पर थे। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी आम नागरिक से कहीं ज्यादा बनती है। ऐसे में उनका दोषी पाया जाना भी बहुत बड़ी बात है। सीबीआई की ओर से तुषार मेहता पेश हुए।

घुसपैठियों के खिलाफ

देश भर में लागू होगा असम मॉडल

● अमित शाह बोले- असम जैसे अब पूरे देश से घुसपैठिए भगाएंगे ● स्वतंत्रता सेनानी गोपीनाथ ने किया था बड़ा काम

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के नौगांव में सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बटाद्रवा पुनर्विकास परियोजना का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में शाह ने कहा- हिमंत बिस्वा सरमा ने बांग्लादेशी घुसपैठियों से एक लाख जमीन बीघा जमीन मुक्त करवा दी है। इसी तरह पूरे देश से हम घुसपैठियों को भगाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि आज मैं गोपीनाथ बोरदोलोई जी को याद करना चाहता हूं। अगर वे नहीं होते, तो आज असम और पूरा नॉर्थ ईस्ट भारत का हिस्सा नहीं होता। शाह ने कहा कि गोपीनाथ ने ही जवाहरलाल नेहरू को असम को भारत में बनाए रखने के लिए मजबूर किया था। केंद्र सरकार ने उग्रवादी संगठनों के साथ शांति समझौते किए हैं, जिनमें से 92 फीसदी शर्तें पूरी की जा चुकी हैं। असम में शांति और विकास की स्थिति मजबूत हुई है। बटाद्रवा थान को नव-वैष्णव धर्म का केंद्र है।

यह जगह असम की सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। परियोजना से पर्यटन और संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। असम में केंद्र सरकार के प्रयासों से शांति, विकास और सांस्कृतिक संरक्षण हो रहा है। गुवाहाटी में नई सुरक्षा व्यवस्था से शहर सुरक्षित बनेगा। एक बार

असम को भारत में बनाए रखने के लिए नेहरू को किया था मजबूर

फिर असम की जनता भाजपा को अपना समर्थन दे। हम पूरे असम को घुसपैठियों से मुक्त करेंगे। जो लोग घुसपैठियों को वोट बैंक मानते हैं, वे ऐसा कभी नहीं कर सकते। असम ने डॉ. मनमोहन सिंह जी को राज्यसभा भेजा, लेकिन वे केवल 7 बार ही असम आए, जिनमें से 2 बार तो केवल राज्यसभा का नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए आए थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बटाद्रवा थान में 227 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकसित श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र का उद्घाटन किया। यह स्थान असम के महान वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि है। अमित शाह का पारंपरिक सत्रिया नृत्य और संगीत के साथ स्वागत किया गया। उन्होंने गुरु आसन (पूजनीय गद्दी) वाले मुख्य भवन में जाकर दर्शन भी किए। श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र को 2021-22 के राज्य बजट में पुनर्विकास के लिए स्वीकृति दी गई थी। परियोजना का उद्देश्य शंकरदेव से जुड़े आदर्शों, जीवन-दर्शन और कलात्मक योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा- यह परियोजना श्रीमंत शंकरदेव की विरासत के सम्मान व असम के नामघर, सत्र और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

सिंधु जल समझौते पर भारत ने दिया एक और झटका

● फैसले से बौखलाया पाकिस्तान, लगाई न्याय की गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार के पर्यावरण विभाग की एक समिति ने चिनाब नदी पर दुलहस्ती हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के दूसरे चरण पर काम करने की मंजूरी दी है।

इस प्रोजेक्ट को लेकर 27 तारीख को ही मंजूरी मिली है और उधर पाकिस्तान को इससे मिर्ची लग गई है। पाकिस्तान की सांसद और पूर्व मंत्री शेरी रहमान ने इस पर सवाल उठाए हैं और बौखलाहट में भारत पानी को हथियार बनाने का आरोप लगाया है। रहमान ने कहा कि पानी को हथियार बनाना गलत है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। एक्स पर शेरी रहमान ने लिखा, ऐसा करना सिंधु जल समझौते का उल्लंघन है। भारत सरकार ने दुलहस्ती हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट स्टेज-2 को मंजूरी दी है। ऐसा करना गलत है। सिंधु जल समझौते के तहत कोई भी फैसला एकतरफा तौर पर नहीं लिया जा सकता। सिंधु जल समझौते के तहत पाकिस्तान का चिनाब, झेलम और सिंधु नदी के जल पर अधिकार है। वहीं भारत का अधिकार रावी, ब्यास और सतलुज पर है। इसके आगे वह लिखती हैं कि भारत ने अवैध तौर पर सिंधु जल समझौते को स्थगित किया है।

जमीन हड़पने वाले दबंगों

माफियाओं को न छोड़ें

● यूपी के अफसरों को सीएम योगी का सख्त आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अधिकारियों को आदेश दिया कि वे जमीन हड़पने वाले बलवानों और माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करें। गोरखपुर में जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान सोमवार को उन्होंने करीब डेढ़ सौ लोगों की शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को उनके समाधान का निर्देश दिया। इस दौरान कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। जहां पैमाइश की जरूरत हो, वहां पैमाइश कराकर विवाद का निस्तारण कराया जाए। पारिवारिक विवाद

के मामलों में उन्होंने उभयपक्षों के साथ संवाद कर समाधान की राह निकालने के लिए निर्देशित किया। प्रचंड ठंड के बावजूद जनता दर्शन में भीड़ रही।

रुद्राभिषेक कर लोक मंगल की कामना की

मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह रुद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से लोकमंगल की प्रार्थना की। हवन के साथ रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कर उन्होंने सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की कामना की। वर्ष 2025 के अंतिम सोमवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर के अपने आवास के प्रथम तल स्थित शक्तिपीठ में सीएम योगी ने भगवान भोलेनाथ को विल्वपत्र, दुर्वा, मदार पत्र, कमल पुष्प समेत अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने के बाद जल और दूध से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत आचार्यगण एवं पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक किया।

राज्यों से मांगा गया स्वतंत्रता के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों का रिकार्ड

● पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो ने देश के सभी राज्यों को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वार्थ के लिए किए जाने वाले जन आंदोलनों को रोकने के लिए राज्यों से स्वतंत्रता के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों का विस्तृत रिकॉर्ड साझा करने को कहा गया। इसके लिए एक व्यापक

मानक परिचालन प्रक्रिया तैयार करने हेतु, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो ने पहली बार सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस प्रमुखों से भारत भर में स्वतंत्रता के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों का रिकॉर्ड शेयर करने को कहा है। इसके तहत विशेष रूप से 1974 के बाद हुए प्रदर्शनों का विस्तृत रिकॉर्ड साझा करने का अनुरोध किया गया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रत्येक आंदोलन के बारे में जो प्रमुख विवरण प्रस्तुत करने को कहा गया है, उनमें इसका कारण, विकास, आयोजक, संरचना, विचारधारा, किसी भी हिंसक घटना की के बारे में जानकारी शामिल है। **स्वतंत्रता के बाद हुए सभी विरोध प्रदर्शनों का अध्ययन-** राष्ट्रीय पुलिस मिशन (एनपीएम) के बीपीआर एंड डी विभाग द्वारा जारी ये निर्देश केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा ब्यूरो को एसओपी तैयार करने का निर्देश देने के चार महीने बाद आए हैं। यह निर्देश स्वतंत्रता के बाद हुए सभी विरोध प्रदर्शनों, विशेष रूप से 1974 के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों के अध्ययन के बाद जारी किए गए थे, जिसमें उनके कारणों, वित्तीय पहलुओं, अंतिम परिणामों और पर्दे के पीछे के किरदारों का विश्लेषण किया गया था। पिछले महीने सभी पुलिस महानिदेशकों को भेजे गए एक पत्र में,कहा,सभी राज्य से अनुरोध है कि सभी विरोध प्रदर्शनों का विवरण प्रदान करें।

● **अमित शाह ने दिया था एसओपी तैयार करने का निर्देश**- इससे पहले इंडियन एक्सप्रेस ने खबर दी थी कि गृहमंत्री अमित शाह ने बीपीआर एंड डी को एक एसओपी तैयार करने और उन विरोध प्रदर्शनों के कारणों, पैटर्न और परिणामों का विश्लेषण करने के लिए कहा है जिसमें पर्दे के पीछे के खिलाड़ी भी शामिल हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा नीति आयोग (एनपीएम) को राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन 2025 की सिफारिशों के अनुरूप एक दस्तावेज तैयार करने का निर्देश दिया गया है। इन सिफारिशों में कहा गया है कि बीपीआर एंड डी को अनुभवी और युवा टीमें गठित करनी चाहिए।

नए साल पर उत्तराखंड में बजरंग सेतु की सौगात

● 100 साल पुराने ऋषिकेश लक्ष्मण झूला पुल की लेगा जगह

ऋषिकेश (एजेंसी)। उत्तराखंड में नए साल की शुरुआत के साथ ही ऋषिकेश के लोगों और देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों व पर्यटकों को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। यह सेतु 1929 में बना ऐतिहासिक लक्ष्मण झूला की जगह लेगा। गंगा नदी पर निर्माणाधीन अत्याधुनिक बजरंग सेतु को जल्द ही आम जनता के लिए

खोलने की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। लोक निर्माण विभाग के अनुसार, पुल का निर्माण कार्य 26 जनवरी तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि किसी तकनीकी कारण से यदि मामूली देरी होती है, तो भी जनवरी के अंत या फरवरी के पहले सप्ताह तक बजरंग सेतु को जनता के लिए खोल दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि गंगा पर बन रहा यह आधुनिक सस्पेंशन ब्रिज अब अपने अंतिम चरण में है। विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि तय समयसीमा के भीतर कार्य पूरा किया जाए।

अब भारत ने 'प्राणदान' देकर अफगानिस्तान से निभाई दोस्ती

● पाकिस्तानी ब्लैकमेल अब खत्म,तालिबानी कर रहे तारीफ

काबुल (एजेंसी)। पाकिस्तान के हवाई हमले और दवाओं को लेकर ब्लैकमेल किए जाने के बीच भारत और अफगानिस्तान में दोस्ती अब और मजबूत होती जा रही है। भारत ने तालिबान सरकार से किया गया अपना वादा पूरा किया है और अफगानिस्तान को अत्याधुनिक एंबुलेंस की एक खेप सौंप दी है। इससे पहले तालिबानी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की दिल्ली यात्रा के दौरान भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह वादा किया था। जयशंकर ने उस समय कहा था कि भारत की ओर से 20 एंबुलेंस की खेप सद्भावना गिफ्ट है। उन्होंने यह भी कहा था कि भारत अफगानिस्तान के हॉस्पिटल्स के लिए एमआरआई और सीटी स्कैन मशीन मुहैया कराएगा। साथ ही बच्चों की वैक्सीन और कैंसर की दवाएं भी देगा। रिपोर्ट के मुताबिक एंबुलेंस देना भारत और अफगानिस्तान के बीच हेल्थकेयर कोऑपरेशन का हिस्सा है। भारत काबुल में बच्चों के अस्पताल को गरम रखने का सिस्टम बदलेगा।

संक्षिप्त समाचार

आनंद मार्ग का विश्व स्तरीय धर्म महासम्मेलन 30 से पुंदाग में

बोकारो, एजेंसी। आनंद मार्ग प्रचारक संघ की ओर से आनंद नगर में 30 व 31 दिसंबर को बाबा नाम केवलम कीर्तन महामंत्र के गायन से विश्व स्तरीय धर्म महासम्मेलन में पुंदाग में होगा। यह जानकारी रविवार को आनंद मार्ग के आचार्य रमेन्द्रानन्द अवधूत व आचार्य अवनिन्द्रानन्द अवधूत ने प्रभात कॉलोनी आनंद मार्ग जागृति चास में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में कही। बताया कि आनंदनगर श्री श्री आनंदमूर्ति जी (आनंद मार्ग के संस्थापक) का भावी विश्व समाज की परिकल्पना का केंद्र बिंदु है। यहां प्रतिवर्ष शीतकाल में वर्ष के अंत और नए वर्ष की शुरुआती तिथि को देश विदेश में फैले आनंद मार्ग के अनुयायी धर्म महासम्मेलन में नियमित आते रहे हैं। कहा कि 72 घंटे का बाबा नाम केवलम अखंड कीर्तन 29 दिसंबर को प्रारंभ होगा। इस अखंड कीर्तन में अष्टाक्षरी सिद्ध महामंत्र 'बाबा नाम केवलम्' का गायन किया जायेगा। इस अवसर पर आनंद मार्ग प्रचारक संघ के पुरोधा प्रमुख व अध्यक्ष आचार्य विश्वदेवानन्द अवधूत दो दिन दोपहर व रात्रि में हजारों साधक साधिकाओं को आध्यात्मिक प्रवचन देंगे। कहा कि आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल की ओर से चिकित्सीय सेवायें दी जायेगी। तांडव एवं कौशिकी नृत्य के प्रतियोगिता का आयोजन हरि परिमंडल गोष्ठी के महिलाओं और पुरुषों के द्वारा किया जायेगा।

बिहार के सीवान का शशि गलाता था जेवरात

बोकारो, एजेंसी। बोकारो शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटना से बोकारो पुलिस लगातार परेशान थी। हॉफ पैंट चोर गिरोह लगातार चोरी की घटना को अंजाम देकर बोकारो पुलिस को चैलेंज कर रहा था। एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश पर चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह के देखरेख में तत्कालीन थानेदार चंदन कुमार दूबे ने चोरों के खिलाफ जाल बिछाना शुरू कर दिया था। बिहार के कई ठिकानों पर दबीश दी गयी थी। इसी बीच चंदन का तबादला पिंड्राजोरा हो गया। इसके बाद प्रभारी पुष्पराज ने कमान संभाल ली। एसपी का छापेमारी दल लगातार काम में जुटा रहा। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि शनिवार की देर रात पुष्पराज को सूचना मिली कि केके सिंह कॉलोनी में संदिग्ध गतिविधि हो रही है। सूचना पाकर एसपी की विशेष छापेमारी दस्ता केके सिंह कॉलोनी पहुंची। चोरी का प्रयास कर रहे पांच चोरों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। जांच-पडताल में अंतर जिला हॉफ पैंट चोर गिरोह के सदस्य होने की जानकारी पुलिस को मिली। पूछताछ के बाद टीम ने लगातार छापेमारी की। गैंग से जुडे सात बालिग व दो नाबालिग को गिरफ्तार किया गया। गैंग के पकडे जाने के बाद 44 चोरी की घटनाओं का उद्भेदन हुआ है। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से 10 लाख 62 हजार रुपया का 90 ग्राम सोना, नौ लाख 10 हजार रूपया का पांच किलो तीन सौ ग्राम चांदी, 52 हजार 850 रूपया नकद, दो बाइक (जेएच09बीएल - 1617 व जेएच09बीजे - 0927), एक बडा एलइडी टीवी, दो इन्वर्टर, एक लेपटॉप, छह मोबाइल, पीतल व कांसा का बर्तन, दो चाकू, एक गैता, टूटा हुआ ताला, एक ग्राइंडर, एक छोटा गैस सिलेंडर, एक गणेशजी की मूर्ति व पूजा का बर्तन बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों पर सात थाना में 44 अपराधिक मामला दर्ज है। इसमें चीरा चास थाना में 20, बालीडीह ओपी थाना में पांच, बालीडीह थाना में चार, चास मुफस्सिल थाना में दो, बीएस सिटी थाना में तीन, सेक्टर चार थाना में चार, सेक्टर 12 थाना में छह मामला दर्ज है। रोहित मेहरा पर बीएस सिटी, सेक्टर चार, सेक्टर 12 थाना व बड़का बांसफोड उर्फ बड़का डोम पर बीएस सिटी थाना में एक मामला दर्ज है।

राष्ट्रीय कांग्रेस में बसती है भारत की आत्मा : जवाहर लाल महथा

बोकारो, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर बोकारो जिला कांग्रेस अध्यक्ष जवाहर लाल महथा के नेतृत्व में रविवार को कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम की शुरुआत श्री महथा के आवासीय कार्यालय में दर्जनों कार्यकर्ता की उपस्थिति में कांग्रेस का झंडा फहरा व मिठाई बांट कर की गयी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में भारत की आत्मा बसती है। कांग्रेस हीं एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो सबका मान-सम्मान का ख्याल रखती है। देवाशीष मंडल, कौशल किशोर, अशोक मिश्रा, डब्बू रॉय, नेहा यादव, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष नितेश भारद्वाज, पूनम, आशा देवी, ममता, ओमप्रकाश मंडल सहित कई नेता मौजूद थे। श्री महथा ने चास नगर कांग्रेस के तत्वाधान में कांग्रेसी सुशील झा पर आवास में झंडा फहराया गया। गरीबों के बीच कंबल वितरण किया। केक काट कर खुशी का इजहार किया। सुशील झा, गौरव राय, महावीर सिंह चौधरी, शोएब सलमान उपस्थित थे। इसके बाद श्री महथा व अनुपमा सिंह के नेतृत्व में बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्र बसंतपुर, तेलमतिया आदि गांव में दौरा कर घर-घर कांग्रेस का झंडा फहराया गया। अजीत सिंह चौधरी, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष देवाशीष मंडल, चास प्रखंड ग्रामीण अध्यक्ष तुलसी महतो, युवा कांग्रेस अध्यक्ष नितेश भारद्वाज, सौरभ शर्मा सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन तुलसी महतो ने किया। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओबीसी विभाग) के मीडिया प्रभारी मोहम्मद कैशफ रजा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के 140 वां स्थापना दिवस पर रविवार को गौसनगर भर्रा चास में कांग्रेस पार्टी का झंडातोलन किया। इस दौरान दर्जनों वरिष्ठ कांग्रेस जनों ने लोगों को मिठाई खिलाकर बधाई और शुभकामनाएं दी। कैशफ ने कहा कि कांग्रेस केवल, एक राजनीतिक दल नहीं। बल्कि आजाद भारत, संविधान और लोकतंत्र की आत्मा है। कांग्रेसियों ने आम लोगों के साथ लोकतंत्र व संविधान को मजबूत करने का संकल्प लिया। मौके पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव निजाम अंसारी, वरिष्ठ कांग्रेसी रवि प्रसाद प्रजापति, नीरज बरनवाल, महेश सिंह, हरेंद्र तिवारी, प्रेम राय, रणधीर, गुलाम हसन, अजीम अंसारी, मुश्ताक आलम, जगदीश यादव, सैयद आफताब आलम, इम्तियाज खान, हाजी नसीमुद्दीन सहित कई मौजूद थे। जैनामोड़। जरीडीह कांग्रेस कमेटी के द्वारा रविवार को तेतरियाडीह स्थित कार्यालय में 140वां स्थापना दिवस मनाया गया।

नई शराब नीति से हजारीबाग में हड़कंप

बंद होने की कगार पर 40 प्रतिशत दुकानें

हजारीबाग, एजेंसी। झारखंड सरकार की नई शराब नीति हजारीबाग जिले में गंभीर संकट का रूप लेती जा रही है। नीति लागू होते ही शराब कारोबारियों पर आर्थिक दबाव इस कदर बढ़ गया है कि अब कई दुकानदारों ने दुकानों को सरेंडर करने की तैयारी शुरू कर दी है। जिले की स्थिति इतनी चिंताजनक हो चुकी है कि करीब 40 प्रतिशत शराब दुकानें लगातार नुकसान में चल रही हैं और बंदी के कगार पर पहुंच चुकी हैं। इसका सीधा असर न केवल कारोबारियों की आजीविका पर पड़ रहा है, बल्कि राज्य सरकार के राजस्व को लेकर भी खतरे की घंटी बजने लगी है।

हजारीबाग जिले में फिलहाल 67 शराब दुकानें संचालित हैं, जिन्हें नई नीति के तहत सरकारी नियंत्रण से हटाकर निजी हाथों में सौंपा गया है। निजीकरण के साथ ही सरकार ने लाइसेंस शुल्क, टैक्स और निर्धारित राजस्व लक्ष्य में लगभग 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी है। दुकानदारों का कहना है कि बाजार में बिक्री की स्थिति पहले जैसी नहीं रही, जबकि टैक्स और देनदारियों का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में मुनाफा कमाना तो दूर, दुकान का खर्च निकाल पाना भी मुश्किल होता जा रहा है।

स्थिति यह है कि झंडा चौक और बस स्टैंड जैसे शहर के सबसे व्यस्त व्यावसायिक इलाकों में संचालित शराब दुकानें भी घाटे में जाने लगी हैं। दुकानदारों के अनुसार कम बिक्री, ऊंचा लाइसेंस शुल्क, जीएसटी, अतिरिक्त टैक्स और तय राजस्व लक्ष्य ने शराब कारोबार को पूरी तरह घाटे का सौदा बना दिया है।

कई दुकानदारों ने बताया कि हर माह तय लक्ष्य पूरा न होने पर जुर्माने और दबाव का सामना करना पड़ता है, जिससे हालात और बिगड़ रहे हैं।

दुकानदारों ने नई शराब नीति की खामियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि सरकार ने खराब और कम ग्राहक वाली लोकेशन की दुकानों को भी निजी हाथों में दे दिया है, जहां स्वाभाविक रूप से बिक्री सीमित रहती है। इसके बावजूद सभी दुकानों पर एक समान टैक्स और राजस्व लक्ष्य लागू कर दिया गया है, जो व्यावहारिक नहीं है। कारोबारियों का मानना है कि यदि नीति में स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार बदलाव नहीं किया गया, तो नुकसान और बढ़ेगा। दुकानदारों और उनके संगठनों ने सरकार से नई शराब नीति की तत्काल समीक्षा, टैक्स दरों में राहत और राजस्व लक्ष्य में यथार्थपरक संशोधन की मांग की है। उनका कहना है कि यदि मौजूदा हालात बने रहे, तो आने वाले दिनों में और भी दुकानों के सरेंडर किए जाने की नौबत आ सकती है।

इससे एक ओर जहां सैकड़ों लोगों की रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा, वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार को मिलने वाला राजस्व भी बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। अब देखना यह है कि सरकार इस बढ़ते संकट को गंभीरता से लेते हुए क्या ठोस कदम उठाती है।

कोडरमा में नाबालिग छात्रा ने की आत्महत्या, मां के साथ रह 12वीं की कर रही थी पढ़ाई

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में एक नाबालिग छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह दर्दनाक घटना गांधी स्कूल रोड स्थित एक मकान में बीती रात हुई। मृतका की पहचान 17 वर्षीय नेहा कुमारी, पिता सकलदेव यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। नेहा कक्षा 12वीं की छात्रा थी। अपनी मां के साथ रहती थी। उसके पिता परिवार से अलग रहते हैं।

घर लौटने पर कमरे में झूलती मिली बॉडी : मृतका के मामा लक्ष्मण यादव ने बताया कि रविवार दोपहर वह और उनकी बहन गुड़िया देवी किसी काम से बाहर गए हुए थे। रात करीब 9 बजे जब दोनों घर लौटे, तो अंदर वाले कमरे में नेहा कुर्सी के सहारे साड़ी से फंदा बनाकर छत के हुक से लटकी हुई मिली। आनन-फानन में उसे नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना तत्काल तिलैया पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

मोबाइल चैट से सामने आई ब्लैकमेलिंग की बात : घटना के बाद नेहा के मामा ने उसका मोबाइल फोन चेक किया, जिसमें जयनगर थाना क्षेत्र के अंकित यादव, पिता अरुण यादव, के साथ हुई व्हाट्सएप चैट सामने आई। परिजनों का आरोप है कि इन चैट्स में अंकित द्वारा नेहा को किसी वीडियो को सार्वजनिक करने और उसे फंसाने की धमकी दी जा रही थी।

लक्ष्मण यादव ने बताया कि नेहा का पैतृक गांव जयनगर प्रखंड के चंद्रपुर में है। उसने कक्षा 10वीं तक की पढ़ाई सतडीहा गांव के एक स्कूल से की थी। आशंका जताई जा रही है कि इसी दौरान उसकी जान-पहचान अंकित से हुई होगी।

पुलिस ने मोबाइल जब्त किया, जांच में जुटी : सूचना मिलने पर तिलैया थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया है। पुलिस ने नेहा का मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है और उसमें मौजूद चैट व अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। तिलैया थाना प्रभारी ने बताया कि आत्महत्या के कारणों की गहराई से जांच की जा रही है। परिजनों से लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि यदि ब्लैकमेलिंग या आत्महत्या के लिए उकसाने के प्रमाण मिलते हैं, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चतरा में नक्सलियों के दो गुट भिड़े, 2 की मौत :आधी रात गोलियों की तड़तड़ाहट से दहला गांव

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के कुंदा थाना क्षेत्र स्थित गेंदरा गांव में रविवार आधी रात नक्सलियों के दो गुटों के बीच खूनी लड़ाई हो गई। वर्चस्व को लेकर हुई इस हिंसक झड़प में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एनआईए का आरोपी समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रविवार रात करीब 12 से 1 बजे के बीच की बताई जा रही है। अचानक हुई फायरिंग से गांव में दहशत फैल गई और लोग घरों में दुबक गए।

घर पर हमला करने पहुंचे थे हमलावर : पुलिस के अनुसार, लावालौंग निवासी धीरेन्द्र गंझू और चूरामन गंझू अपने समर्थकों के साथ गिरोह बनाकर कुंदा थाना क्षेत्र के गेंदरा गांव में श्याम गंझू के घर पर हमला करने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच पहले से आपसी रंजिश और वर्चस्व को लेकर विवाद चल रहा था। जैसे ही हमलावरों ने हमला किया, दूसरे पक्ष ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से अंधाधुंध फायरिंग हुई, जिसमें हमलावर धीरेन्द्र गंझू और चूरामन गंझू को गोली लग गई और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

एनआईए आरोपी श्याम भोक्ता समेत तीन घायल : इस मुठभेड़ में दूसरे पक्ष से श्याम गंझू उर्फ श्याम भोक्ता, उनकी पत्नी और उनके साले गोपाल गंझू (लावालौंग निवासी) गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घायल श्याम भोक्ता एनआईए का आरोपी रह चुका है और उसका नाम कई संगीन मामलों में सामने आ चुका है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है।चतरा एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि यह घटना पूर्व नक्सलियों के बीच आपसी विवाद का परिणाम है। मारे गए धीरेन्द्र गंझू का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है।

रांची के मैक्लुस्कीगंज में 0.9 डिग्री पर पहुंचा पारा

अभी मौसम में नहीं होगा बड़ा बदलाव, कोहरे से हवाई सेवाएं प्रभावित, 13 फ्लाइट

रांची, एजेंसी। रांची समेत पूरे झारखंड में शीतलहर का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल ठंड से राहत के संकेत नहीं हैं। उत्तर-पश्चिम से आ रही ठंडी हवाओं के कारण न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। अगले तीन से चार दिनों तक पारे में खास बदलाव की संभावना नहीं है। 29 दिसंबर को भी न्यूनतम तापमान लगभग स्थिर रहेगा, जबकि 30 दिसंबर के बाद धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इसके बावजूद सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छाया रह सकता है, जिससे जनजीवन प्रभावित रहेगा।

ग्रामीण इलाकों में ठंड का ज्यादा असर : राज्य के लगभग सभी जिलों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। राजधानी रांची में रविवार को न्यूनतम तापमान 9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जबकि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में ठंड का असर और तेज रहा। कांके क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कोल्हान क्षेत्र में भी पारा 2.5 डिग्री के आसपास पहुंच गया है। ठंडी हवाओं के कारण सुबह और शाम के समय लोगों को ज्यादा परेशानी हो रही है। खुले और ग्रामीण इलाकों में हालात शहरी क्षेत्रों की तुलना में ज्यादा गंभीर बने हुए हैं।

मैक्लुस्कीगंज का पारा 0.9 डिग्री पहुंचा पारा : रांची और आसपास के इलाकों में ठंड ने पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। मैक्लुस्कीगंज के जोभिया स्थित राणा कंट्री कॉटेज में लगे डिजिटल मीटर में न्यूनतम तापमान 0.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह पिछले दो दशकों में पहली बार है जब तापमान 1 डिग्री से नीचे पहुंचा है। रांची में भी रविवार इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। 24 घंटे में न्यूनतम तापमान 1.7 डिग्री गिरकर 6.2 डिग्री पर आ गया, जो सामान्य से 2.3 डिग्री कम है। हालांकि अधिकतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी से दिन में हल्की राहत मिली।

कोहरे से हवाई सेवाएं प्रभावित, 13 फ्लाइट रद्द : घने कोहरे का असर रांची एयरपोर्ट पर भी देखने को मिला। बीते 24 घंटे में बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से संचालित 13 फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ीं, जबकि कई उड़ानें देरी से रवाना हुईं। सुबह की उड़ानें सबसे ज्यादा प्रभावित रहीं।

रांची से कोलकाता, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, पटना, मुंबई और अहमदाबाद जाने वाली फ्लाइट्स अपने निर्धारित समय से देर से उड़ीं। फ्लाइट रद्द होने और देरी के कारण यात्रियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। एयरपोर्ट प्रशासन ने मौसम साफ होने पर परिचालन सामान्य होने की बात कही है, लेकिन कोहरे की स्थिति बनी रहने पर आगे भी दिक्कतें हो सकती हैं।

खूंटी के कर्रा में कांग्रेस नेता सुमित तिग्गा की हत्या मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, रनिया हत्याकांड का भी खुलासा

खूंटी, एजेंसी। जमीन खरीद-बिक्री में हिस्सेदारी के 85 हजार रुपये को लेकर उपजे विवाद ने दोस्ती की डोर को खून से रंग दिया गया. कर्रा थाना क्षेत्र के गुयू गांव में कांग्रेस नेता सुमित तिग्गा की हत्या के मामले का खुलासा खूंटी पुलिस ने कर लिया है. पुलिस ने हत्या में शामिल मृतक के दो दोस्तों संजय बालमुचू और दशरथ मुंडा को गिरफ्तार कर लिया है. दोनों आरोपी गुयू गांव के ही निवासी हैं.

एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि 22 दिसंबर की शाम सुमित तिग्गा की गांव के पास जंगल में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. टीम लगातार सुराग की तलाश में थी. इसी बीच शनिवार को गुप्त सूचना मिली कि दोनों आरोपी अपने घरों में छिपे हुए हैं. तोरपा एएसपी खिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों को धर दबोचा.

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए कहा कि जमीन बिक्री से मिले पैसे में सुमित ने उन्हें 85 हजार रुपये नहीं दिए थे. इसी रंजिश में उन्होंने सुमित की हत्या की योजना बनाई. पुलिस ने उनके पास से एक देसी कट्टा, एक जिंदा गोली और एक मोबाइल फोन बरामद किया है. आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है. छापेमारी दल में एएसपी के साथ कर्रा थाना के पुलिस अवर निरीक्षक दीपक कांत कुमार, जीतेंद्र राम, जुगेश सिंह, सुनील कुमार दास सहित रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे.

रनिया में हत्या की गुत्थी सुलझी : इधर, खूंटी पुलिस ने एक अन्य हत्या के मामले का भी खुलासा किया है. रनिया थाना क्षेत्र के कोयल नदी डोंगा घाट से 23 दिसंबर को बरामद अज्ञात शव की पहचान सिमडेगा जिले के रोमजोल गांव निवासी बीबीएल मड़की के रूप में की गई है. एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि जांच में सामने आया कि बीबीएल की हत्या उसी के परिचित नितिर मड़की उर्फ नितिन ने की थी.

दोनों नदी पार कर रहे थे, तभी किसी बात पर गाली-गलौज शुरू हो गई. इसी दौरान गुस्से में आकर नितिर ने बीबीएल को नदी के बीच जोर से धक्का दे दिया. धक्का लगने से बीबीएल पास की चट्टान से टकरा गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी. आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है.

चतरा में पेट्रोल पंप पर फिल्मी अंदाज में लूट, दो बाइक में पहुंचे नकाबपोश

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक बार फिर बेखौफ होकर बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। चतरा-इटखोरी मुख्य पथ पर पांडेयमहुआ स्थित इंदु फ्यूल पेट्रोल पंप पर रविवार देर रात करीब 12:40 बजे नकाबपोश अपराधियों ने धावा बोलकर 3 लाख की लूट कर ली। इस दौरान अपराधियों ने पंप पर तैनात कर्मियों को बंधक बनाकर बेरहमी से पिटाई की। वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

अपाचे बाइक से पहुंचे 5-6 अपराधी, रिवॉल्वर के बल पर लूट : जानकारी के अनुसार, दो सफेद अपाचे बाइक पर सवार 5 से 6 नकाबपोश अपराधी पेट्रोल पंप पहुंचे। आते ही वे सीधे पंप के ऑफिस चेंबर में घुस गए। रिवॉल्वर के बल पर वहां मौजूद दो कर्मियों लातेहार निवासी दयानंद सिंह और गिद्धौर के सौरभ पांडे को बंधक बना लिया गया। अपराधियों ने दोनों से कैश के बारे में पूछताछ की और विरोध करने पर उन्हें लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा। दहशत के माहौल में कर्मी कुछ भी करने में असमर्थ रहे।

लूटपाट के बाद अपराधियों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए ऑफिस में लगे सीसीटीवी कैमरे, कंप्यूटर और वाई-फाई का पूरा सेटअप उखाड़ लिया। यही नहीं, जाते समय दोनों कर्मियों के मोबाइल फोन भी अपने साथ ले गए, जिन्हें कुछ दूरी पर फेंक दिया गया। पंप संचालक कविंद्र कुमार ने बताया कि अपराधियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस पर उठे सवाल, रात से छापेमारी जारी : घटना की सूचना मिलते ही गिद्धौर थाना प्रभारी शिवा यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि पेट्रोल पंप पर लूट और मारपीट की घटना हुई है।

पुलिस टीम रात से ही छापेमारी कर रही है और अपराधियों की पहचान के लिए तकनीकी साक्ष्यों का सहारा लिया जा रहा है। जल्द ही गिरोह का भंडाफोड़ किया जाएगा। हालांकि, जिस तरह से नकाबपोश अपराधी बेखौफ होकर लूट की बड़ी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए, उसने पुलिसिया तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

धनबाद के एसएनएमबीएच अस्पताल से चोरी हुआ बच्चा बरामद, 1.5 लाख रुपये में बेचने की थी तैयारी

धनबाद, एजेंसी। कहते हैं कि एक मां के लिए उसके बच्चे से दूर रहने का हर पल एक युग के समान होता है। कुछ ऐसे ही घटना शनिवार - रविवार की रात एसएनएमबीएच में घटी, लेकिन से चोरी हुए नवजात के मामले में धनबाद पुलिस ने मां की तड़प को सिर्फ 36 घंटे के भीतर ही खत्म कर दिया। सरायढेला थाना पुलिस ने फुर्ती दिखाते हुए न केवल बच्चे को सकुशल बरामद किया बल्कि उसे उसकी मां की सूनी गोद में वापस लौटा दिया। धनबाद जिले की सरायढेला थाना पुलिस ने बच्चे को भूली के रेगुनी से बरामद किया है।

सोमवार को जब पुलिस की उपस्थिति में एसएनएमएमसीएच के डॉक्टरों ने मां सरिता मरांडी को जब उनका बच्चा सौंपा गया तो अस्पताल परिसर का माहौल भावुक हो उठा। जब 36 घंटे के लंबे इंतजार के बाद पुलिस ने बच्चे को मां के हाथों में दिया तो मां और पिता की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। बताया जा रहा है कि बच्चा चोरी की इस वारदात के बाद से ही पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही थीं। सीसीटीवी फुटेज खंगालने और तकनीकी सुरागों का पीछा करते हुए पुलिस रविवार देर रात भूली के रेगुनी इलाके में जा पहुंची।

वहां छापेमारी कर पुलिस ने नवजात को बरामद किया। इस मामले में पुलिस ने कड़ा एक्शन लेते हुए अस्पताल के ही एक आउटसोर्सिंग कर्मचारी मोहम्मद हासिम समेत कुल चार लोगों को हिरासत में लिया है। जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि अस्पताल की सुरक्षा में सेंध लगाने वाला और कोई नहीं बल्कि वहीं का एक कर्मचारी था। पुलिस के अनुसार, बच्चा चोरी के बदले आरोपियों के बीच पैसे का लेनदेन भी हो चुका था। फिलहाल पुलिस दो अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

पीड़ित महिला सरिता मरांडी टुंडी के मनियाडीह की रहने वाली है। 25 दिसंबर को उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जामताड़ा में थाना प्रभारी समेत 5 पुलिसकर्मी निलंबित, मिहिजाम चोरी कांड में रात्रि गश्ती दल पर गाज

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा जिले में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं और अपराध नियंत्रण में शिथिलता को पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता ने गंभीरता से लिया है। इसी के तहत बड़ी विभागीय कार्रवाई करते हुए जामताड़ा थाना प्रभारी सहित कुल छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। एसपी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराध नियंत्रण पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपराध रोकने में विफल रहे थाना प्रभारी निलंबित : जामताड़ा थाना क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण नहीं रखने और कर्तव्य पालन में लापरवाही बरतने के आरोप में जामताड़ा थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। एसपी राजकुमार मेहता ने कहा कि थाना क्षेत्र में हो रही लगातार वारदातें पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रही थीं। ऐसे में जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई जरूरी थी, ताकि पुलिस तंत्र में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

मिहिजाम चोरी कांड में रात्रि गश्ती दल पर गाज : इसी क्रम में 25/26 दिसंबर 2025 की रात मिहिजाम थाना क्षेत्र स्थित शिर्डी ज्वेलरी दुकान में हुई बड़ी चोरी की घटना पर भी सख्त रुख अपनाया गया है। रात्रि गश्ती में गंभीर त्रुटि और क्षेत्र में असामाजिक तत्वों पर निगरानी नहीं रखने के आरोप में मिहिजाम थाना के एएसआई अजय कुमार, आरक्षी परमेश्वर मंडल (आ0/567), आरक्षी मनबोध कुमार सिंह (आ0/206) तथा टाइगर मोबाइल टीम के आरक्षी निशांत चक्रवर्ती और आरक्षी प्रदीप दास को निलंबित करते हुए लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने साफ किया कि गश्ती में लापरवाही सीधे जनता की सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

बालाजी ज्वेलर्स लूट के बाद बढ़ा दबाव : यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब 24 दिसंबर बुधवार की शाम जामताड़ा के प्रतिष्ठित बालाजी ज्वेलर्स में चार नकाबपोश अपराधियों ने बंदूक की नोक पर लाखों की डकैती की थी। अपराधियों ने दुकान मालिक अमन बर्मन को दो गोली मारकर फरार होने की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद पुलिस ने 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया, लेकिन अब तक न तो आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकी है और न ही मामले का खुलासा।

घायल अमन बर्मन दुर्गापुर के मिशन अस्पताल में इलाजरत हैं, जहां 28 दिसंबर को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी भी उनसे मिलने पहुंचे थे। बालाजी ज्वेलर्स लूट के महज 36 घंटे के भीतर मिहिजाम में चोरी की घटना ने पुलिस प्रशासन पर दबाव और बढ़ा दिया, जिसके बाद एसपी ने यह बड़ी कार्रवाई कर जिले के पुलिस महकमे में स्पष्ट संदेश दे दिया है।

हिन्दी दैनिक
सोन वर्षा वाणी
दुमका, मंगलवार 30 दिसंबर 2025
बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com
ई-पेपर
sonvarshavani.com/epaper

राजमहलः बाभनगामा आंगनबाड़ी केंद्र में 'तालाशाही'! सहायिका ने ही खोली सेविका की पोल—कहा, 'अपनी मर्जी से आती हैं मैडम, हम बच्चों के साथ बाहर खड़े रहते हैं'

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल। जिले के राजमहल प्रखंड अंतर्गत तेतुलिया पंचायत के बाभनगामा आंगनबाड़ी केंद्र (कोडः 20352050517) से सरकारी व्यवस्था को शर्मसार करने वाली तस्वीर सामने आई है। सोमवार की सुबह जब कड़ाके की ठंड में छोटे मासूम बच्चों को केंद्र के भीतर गर्म पोषाहार मिलना चाहिए था, तब केंद्र के मुख्य दरवाजे पर बड़ा सा ताला लटका पाया गया। इस दौरान केंद्र की सहायिका ने ही कैमरे के सामने सेविका की कार्यशैली और मनमर्जी की पोल खोलकर विभाग में हड़कंप मचा दिया है। सोमवार सुबह करीब 10:23 बजे जब स्थानीय लोग और मीडिया कर्मी बाभनगामा केंद्र पहुँचे, तो वहां की स्थिति बदहाल थी। कड़ाके की ठंड और शीतलहर के बीच करीब 20 से 25 छोटे बच्चे अपने अभिभावकों के साथ केंद्र खुलने का इंतज़ार कर रहे थे। सरकारी नियमों के अनुसार केंद्र सुबह से ही खुला होना चाहिए, लेकिन काफी देर तक ताला नहीं खुला। केंद्र के सूचना बोर्ड के अनुसार, यहाँ की सेविका मुनीता देवी और सहायिका इंदु कुमारी देवी हैं। इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब खुद केंद्र की सहायिका इंदु कुमारी देवी ने सेविका मुनीता देवी पर गंभीर आरोप लगाए। सहायिका ने बताया कि केंद्र की चाबी सेविका अपने पास रखती हैं और अपनी मर्जी से केंद्र आती-जाती हैं। सहायिका ने दुखी मन से कहा, "मैं तो समय पर बच्चों को लेकर आ जाती हूँ, लेकिन चाबी मैडम (सेविका) के पास रहती है। वह जब चाहती हैं तभी केंद्र खुलता है। हम लोग बाहर किसी भिखारी की तरह चाबी का इंतज़ार करते रहते हैं और जब वह नहीं आतीं, तो बच्चों को लेकर वापस घर चले जाते हैं।" उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले भी केंद्र लगातार 8 से 10 दिनों तक बंद रहा था, जिसकी शिकायत के बाद कुछ सुधार हुआ था, पर अब फिर से वही ढर्रा शुरू हो गया है। ग्रामीणों और सहायिका के अनुसार, बच्चों को मिलने वाले पोषाहार में भी भारी अनियमितता बरती जा रही है। बच्चों को केवल खिचड़ी दी जाती है। सहायिका ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से कभी-कभी अंडा दिया जाता है, लेकिन केंद्र के अक्सर बंद रहने के कारण बच्चों को नियमित रूप से सरकारी आहार का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस अव्यवस्था को लेकर तेतुलिया पंचायत के ग्रामीणों में भारी रोष है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण के लिए लाखों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन यहाँ कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय 'मनमर्जी' चला रहे हैं। स्थानीय लोगों ने राजमहल बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (CDPO) और उपायुक्त से मांग की है कि बाभनगामा केंद्र की सेविका और सहायिका की भूमिका की जांच की जाए और गैर-जिम्मेदार कर्मियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। यह घटना दर्शाती है कि राजमहल के सुदूर ग्रामीण इलाकों में आंगनबाड़ी केंद्रों की मॉनिटरिंग कितनी लचर है। अगर सुबह 10:30 बजे तक केंद्र नहीं खुलता और खुद सहायिका अपनी सेविका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रही है, तो विभाग की पारदर्शिता पर सवाल उठना लाजिमी है। अब देखना यह है कि क्या बाल विकास विभाग इस "तालाशाही" को खत्म करने के लिए कोई ठोस कदम उठाता है या मासूम बच्चे इसी तरह ठिठुरते हुए बंद दरवाजों से वापस लौटते रहेंगे।

सहायिका इंदु कुमारी देवी

उधवाः जहांगीर शेख बने पसमांदा मुस्लिम समाज उत्थान समिति संघ के प्रखंड अध्यक्ष, समाज के सशक्तिकरण का लिया संकल्प

संवाददाता

साहिबगंज। पसमांदा मुस्लिम समाज के अधिकारों और उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए कार्यरत प्रमुख संगठन 'पसमांदा मुस्लिम समाज उत्थान समिति संघ (रजि.)' ने संगठन का विस्तार करते हुए जहांगीर शेख को उधवा प्रखंड का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र के पसमांदा समाज में हर्ष का माहौल है और कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन की मजबूती के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। जहांगीर शेख को यह जिम्मेदारी समाज के प्रति उनके समर्पण और सक्रियता को देखते हुए सौंपी गई है। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है कि जहांगीर शेख के नेतृत्व में उधवा प्रखंड में पसमांदा मुस्लिम समाज एकजुट होगा और अपनी समस्याओं को पुरजोर तरीके से शासन-प्रशासन के समक्ष रखने में सक्षम होगा। अपनी नियुक्ति के बाद जहांगीर शेख ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा, "मुझ पर जो भरोसा जताया गया है, मैं उस पर पूरी ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास करूँगा। मेरा मुख्य उद्देश्य समाज के पिछड़े और वंचित वर्ग के लोगों को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना मेरी प्राथमिकता होगी।" पसमांदा मुस्लिम समाज उत्थान समिति संघ का मुख्य उद्देश्य मुस्लिम समुदाय के भीतर पिछड़े (पसमांदा) वर्गों के सामाजिक भेदभाव को खत्म करना और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करना है। जहांगीर शेख ने कहा कि वे जल्द ही प्रखंड स्तर पर अपनी कमेटी का विस्तार करेंगे और गांव-गांव जाकर लोगों को संगठन की विचारधारा से जोड़ेंगे। जहांगीर शेख की नियुक्ति पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं ने उन्हें बधाई दी है। समर्थकों का कहना है कि एक युवा और कर्मठ चेहरा मिलने से प्रखंड में सामाजिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

साहिबगंज की नंदनी का कमालः जूनियर राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम में चयन, बेंगलुरु में दिखाएगी दमखम

संवाददाता

साहिबगंज।जिले की खेल प्रतिभाओं ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अगर मन में जुनून और इरादे फौलादी हों, तो संसाधनों की कमी कभी आड़े नहीं आती। जिले के ग्रामीण क्षेत्र की होनहार खिलाड़ी नंदनी कुमारी का चयन 44वीं जूनियर राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता (2025-26) के लिए झारखंड राज्य की टीम में हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 31 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 तक बेंगलुरु (कर्नाटक) में आयोजित की जाएगी। इस बड़ी उपलब्धि पर जिला खो-खो संघ के अध्यक्ष डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने नंदनी को सफलता का मंत्र देते हुए कहा,"खिलाड़ी की प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। लक्ष्य के प्रति जुनून, निरंतर अभ्यास और कड़ी मेहनत ही सफलता का असली मंत्र है। नंदनी ने अपनी मेहनत से यह सिद्ध कर दिया है कि ग्रामीण परिवेश की बेटियां भी आसमान छू सकती हैं।" नंदनी कुमारी साहिबगंज के बड़ी कोदरजन्ना की निवासी हैं। उनके पिता कामेश्वर सिंह एक साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से होने के बावजूद नंदनी ने कभी अपनी परिस्थितियों को आड़े नहीं आने दिया। उन्होंने धूल भरे मैदानों में पसीना बहाया और अपनी कड़ी मेहनत के दम पर आज राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन किया है। नंदनी के चयन की खबर मिलते ही साहिबगंज के खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। जिला शिक्षा अधीक्षक सह जिला खेल पदाधिकारी श्री हर्ष कुमार ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा, "यह उपलब्धि न केवल साहिबगंज बल्कि पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात है। सरकार 'खेलो इंडिया' के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की ऐसी ही प्रतिभाओं को निखारने का कार्य कर रही है।" जिला खो-खो संघ के संरक्षक बजरंगी यादव, सचिव जय प्रकाश सिन्हा, जिला खेल प्रशिक्षक आदित्य कुमार एवं बीरेन्द्र कुमार ने भी नंदनी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नंदनी के प्रशिक्षक मुकेश कुमार, शिवनन्दन कुमार और सुमित कुमार ने बताया कि नंदनी का खेल के प्रति समर्पण अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि नंदनी का यह सफर साहिबगंज के अन्य ग्रामीण खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा बनेगा। 31 दिसंबर से शुरू होने वाली इस प्रतियोगिता में नंदनी झारखंड की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। पूरा जिला उनकी सफलता की कामना कर रहा है और उम्मीद जता रहा है कि वह बेंगलुरु से पदक जीतकर लौटेंगी।

कर्माटांड़ः 'मोनिका कुमारी क्रिकेट टूर्नामेंट' का भव्य आगाज, उद्घाटन मुकाबले में अंजलि कलेक्शन की शानदार जीत

संवाददाता

जामताड़ा/कर्माटांड़। जिले के कर्माटांड़ प्रखंड अंतर्गत मकाती कोठी ग्राउंड में 'मोनिका कुमारी क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन–1' (वर्ष 2025–26) का सोमवार को भव्य शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता को लेकर स्थानीय युवाओं और खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना और युवाओं को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करना है। टूर्नामेंट का विधिवत उद्घाटन भावी जिला परिषद (भाग संख्या 5) की उम्मीदवार श्रीमती मोनिका कुमारी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला परिषद (भाग संख्या 4) के उपाध्यक्ष प्रतिनिधि महेंद्र मंडल, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र मंडल और सारठ विधानसभा के पूर्व विधायक रणधीर सिंह के सुपुत्र समाजसेवी गुलशन कुमार सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों ने मैदान पर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच अंजलि कलेक्शन और एसआरबी क्लब के बीच खेला गया। टॉस जीतकर अंजलि कलेक्शन ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी एसआरबी क्लब की टीम अंजलि कलेक्शन के गेंदबाजों की सधी हुई लाइन-लेंथ के सामने संघर्ष करती नजर आई और निर्धारित 10 ओवरों में महज 60 रन ही बना सकी। 61 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी अंजलि कलेक्शन की टीम ने संभलकर बल्लेबाजी की और 9 ओवर 1 गेंद में ही जीत हासिल कर ली। अंजलि कलेक्शन की जीत में राहुल कुमार मंडल ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने गेंदबाजी में घातक प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट चटकाए और बाद में बल्लेबाजी में भी 21 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' के खिताब से नवाजा गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में न्यू राइजिंग विद्यासागर क्लब की टीम का विशेष योगदान रहा। मौके पर क्लब के अध्यक्ष अर्जुन मंडल, उपाध्यक्ष कुंदन मंडल, सचिव महेंद्र मंडल, सह सचिव राहुल मंडल, कोषाध्यक्ष निवास मंडल, संरक्षक संजय यादव, पप्पू मंडल और बलराम मंडल सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे। उद्घाटन के दौरान मोनिका कुमारी ने कहा कि इस टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखकर उन्हें खेल के प्रति जागरूक करना है। समाजसेवी गुलशन कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्र के छिपे हुए प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी पहचान बनाने का मौका मिलता है। बता दें कि इस सीजन में कुल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं और आने वाले दिनों में मकाती कोठी ग्राउंड पर कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

उधवा में मेडिकल कॉलेज का सपना होगा साकारः 50 एकड़ भूमि मिलते ही रखी जाएगी नींव — विधायक एमटी राजा

संवाददाता

साहिबगंज। राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने सोमवार को उधवा वासियों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक बड़ी सौगात देने का संकेत दिया है। विधायक ने स्पष्ट किया कि उधवा में एक नया मेडिकल कॉलेज खोलने की योजना पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है और जैसे ही इसके लिए 50 एकड़ भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित हो जाएगी, जल्द ही निर्माण कार्य की नींव रख दी जाएगी। विधायक एमटी राजा सोमवार को उधवा पहुँचे, जहाँ उन्होंने उधवा में नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) के भव्य भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन की गुणवत्ता और वहां उपलब्ध होने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना उनकी प्राथमिकता है और यह नया भवन मील का पत्थर साबित होगा। निरीक्षण के दौरान मुख्य मार्ग (Main Road) से अस्पताल तक पहुँचने के लिए एक सुलभ और सीधे रास्ते की आवश्यकता पर चर्चा की गई। विधायक ने अंचलाधिकारी (CO) जयंत कुमार तिवारी और अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू के साथ बैठक की। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित कर मुख्य सड़क से अस्पताल तक सीधा रास्ता बनाने के लिए वार्ता की गई, ताकि मरीजों को लाने-ले जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा उधवा में मेडिकल कॉलेज निर्माण की घोषणा रहा। विधायक ने अंचलाधिकारी, पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि उधवा क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज के लिए 50 एकड़ भूमि चिन्हित करने की प्रक्रिया तेज की जाए। उन्होंने कहा, "यदि 50 एकड़ उपयुक्त भूमि उपलब्ध हो जाती है, तो उधवा में जल्द ही एक अत्याधुनिक मेडिकल कॉलेज के निर्माण की नींव रखी जाएगी। इससे न केवल स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाएं विश्वस्तरीय होंगी, बल्कि क्षेत्र के युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे।" इस अवसर पर मुख्य रूप से झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अयुब अली, सचिव विश्वजीत मंडल, काजू मल्लिक, हारुन रशिद और राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज सहित कई पार्टी कार्यकर्ता और भारी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे। विधायक की इस पहल से उधवा और आसपास के क्षेत्रों में खुशी की लहर है। ग्रामीणों का मानना है कि मेडिकल कॉलेज बनने से साहिबगंज जिले का यह क्षेत्र स्वास्थ्य सेवाओं के एक बड़े हब के रूप में उभरेगा।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने सामूहिक रूप से सुना पीएम मोदी का 'मन की बात', राष्ट्र निर्माण का लिया संकल्प

साहिबगंज/तीनपहाड़। जिले के तीनपहाड़ क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के प्रसारण को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों में भारी उत्साह देखा गया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर प्रधानमंत्री के संदेशों को सुना और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने देशवासियों को समाज हित, राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रीय एकता और स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से सकारात्मक सोच के साथ देश की प्रगति में भागीदार बनने की अपील की। पीएम के इन विचारों को तीनपहाड़ में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने पूरी तन्मयता के साथ सुना। अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष हाशिम अंसारी ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने और उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के विचार हमें समाज में भाईचारा और सेवा भाव विकसित करने की प्रेरणा देते हैं। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री अब्दुल्ला अंसारी ने कहा कि 'मन की बात' के माध्यम से मिलने वाली प्रेरणा को कार्यकर्ता घर-घर तक पहुँचाएंगे। कार्यक्रम के समापन के बाद उपस्थित नेताओं ने संगठन की मजबूती और सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर भी चर्चा की। इस सामूहिक श्रवण कार्यक्रम में मुख्य रूप से हाशिम अंसारी, जिला महामंत्री अब्दुल्ला अंसारी, टीपू अंसारी, नसीम अंसारी, विकास प्रसाद राम सहित भाजपा के कई अन्य सक्रिय कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

वॉक-इन-इंटरव्यू
वर्कशॉप रेलवे हॉस्पिटल, जमालपुर में कॉनट्रैक्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर की नियुक्ति

अधिसूचना सं.: 3/2025 **दिनांक: 26.12.2025**

नीचे उल्लेखित पात्रता के मानदंडों को पूरा करने वाले उम्मीदवारों से अनुबंध के आधार पर कार्य करने हेतु वर्कशॉप रेलवे हॉस्पिटल, पूर्व रेलवे, जमालपुर में पूर्णकालिक जनरल ड्युटी मेडिकल प्रैक्टिशनरों के रिक्त पदों को भरने के लिए नीचे उल्लेखित तारीख एवं स्थान पर एक वॉक-इन-इंटरव्यू का आयोजन किया जाएगा। यह नियुक्ति एक वर्ष की अवधि अथवा यूपीएससी के माध्यम से चयन द्वारा चिकित्सकों के उपलब्ध होने तक, जो पहले हो, हेतु सम्पूर्ण रूप से अनुबंध पर आधारित होगी। एक वर्ष की अनुबंध अवधि के संतोषजनक रूप से सम्पन्न होने पर अनुबंध अगले एक वर्ष की अवधि के लिए विस्तारित किया जा सकता है। अनुबंध की अधिकतम अवधि की संख्या साल दर साल के आधार पर बीस (20) कार्य अवधि अथवा 65 वर्ष की उम्र पूरी होने तक हो सकती है, जो पहले हो। नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों के प्रवेश स्तर की उम्र की सीमा 60 वर्ष होगी। सेवानिवृत्त सरकारी चिकित्सकों को प्रत्येक एक वर्ष की अधिकतम सात अनुबंध अवधि के लिए नियुक्त किया जा सकता है, परंतु वे 67 वर्ष की उम्र तक ही सेवा प्रदान कर सकते हैं। प्रशासन की अवश्यकता के अनुसार कॉनट्रैक्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर के पदस्थापना की जगह विज्ञापित रिक्त पद से भिन्न हो सकती है। सेवानिवृत्त रेलवे सरकारी चिकित्सकों को भी नीचे उल्लेखित तारीख, समय तथा स्थान पर साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जाता हैः- **इंटरव्यू का स्थानः** सीएमएस चेम्बर, वर्कशॉप रेलवे हॉस्पिटल, पूर्व रेलवे, जमालपुर। **तारीखः** 27.01.2026। **समयः** सुबह 10.00 बजे। **1. जमालपुर वर्कशॉप रेलवे हॉस्पिटल में रिक्त पदों का विवरण**ः कुल = 05, **क.** 03 (तीन) जीडीएमओ, **ख.** 02 (दो) स्पेशलिस्ट-01 (एक) गाइनी एवं 01 (एक) ऑर्थोपेडिक्स। **2.** उम्मीदवारों को अपने आवेदन निर्धारित प्रारूप में दोहरी प्रतिलिपि में वॉक-इन-इंटरव्यू के दिन यहां ऊपर उल्लेखित स्थान पर सुबह 10.00 बजे तक प्रस्तुत करने होंगे। **3. पारिश्रमिकः** जनरल ड्युटी चिकित्सकों के लिएः रु. 95,000/- प्रति माह, स्पेशलिस्ट के लिए रु. 1,23,500 (प्रथम वर्ष) तथा रु. 1,30,000/- (द्वितीय वर्ष से आगे)। सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के लिएः रु. 95,000/- प्रति माह, बशर्ते कि उनके द्वारा आहरित पारिश्रमिक+पेंशन की रकम उनके अंतिम आरहित वेतन से अधिक नहीं होनी चाहिए। **4. पात्रताः** एमबीबीएस (जीडीएमओ के लिए) तथा स्पेशलिस्ट पीजी डिप्लोमा/डिग्री साथ में एमसीआई/स्टेट मेडिकिल काउंसिल के वैध एवं वर्तमान पंजीकरण प्रमाणपत्र होना चाहिए। **टिप्पणी** - उम्मीदवारों को सभी मूल प्रासंगिक दस्तावेज के साथ केंद्रीय/राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारी अथवा उनके पिछले मेडिकल कॉलेज अथवा मेडिकल इंस्टीट्यूशन, जहां वे अध्ययन कर चुके हैं, से उनके चरित्र तथा पिछले जीवन से संबंधित प्रमाणपत्र लाने होंगे। उम्मीदवारों को वॉक-इन-इंटरव्यू के समय भारतीय रेल के किसी भी रेलवे हॉस्पिटल में कॉनट्रैक्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर के रूप में नियुक्ति के पिछले इतिहास तथा उसकी कार्य अवधि के संबंध में स्वयं-घोषणा प्रस्तुत करना होगा। **उपयुक्त स्पेशलिस्ट कॉनट्रैक्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर (गाईनीकोलॉजिस्ट/ऑर्थोपेडिक सर्जन) के उपलब्ध नहीं रहने पर, दो स्पेशलिस्ट पदों को सीएमपी/जीडीएमओ की नियुक्ति द्वारा भरे जाएंगे।** विस्तृत नियम एवं शर्तें तथा आवेदन का प्रारूप वेबसाइट **"www.er.indianrailways.gov.in → Eastern Railway → about us → Workshop → Jamalpur → Department → Medical"** पर देखें जा सकते हैं।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डब्ल्यूआरएच, जमालपुर

पूर्व रेलवे

राजमहलः विधायक एमटी राजा ने नगर पंचायत कार्यालय का किया औचक दौरा; सौंदर्यीकरण और जनसुविधाओं पर दिया जोर

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल। राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा सोमवार को राजमहल नगर पंचायत कार्यालय पहुँचे, जहाँ उन्होंने शहर के विकास कार्यों, प्रशासनिक व्यवस्था और जनहितकारी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान विधायक ने नगर पंचायत के अधिकारियों को शहर के सौंदर्यीकरण और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव और निर्देश दिए। बैठक के दौरान विधायक एमटी राजा ने नगर क्षेत्र के सौंदर्यीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि राजमहल एक ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व का शहर है, इसलिए यहाँ की सड़कों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों का स्वरूप आकर्षक और व्यवस्थित होना चाहिए। विधायक ने प्रशासनिक कार्यों की गति की जानकारी लेते हुए पूछा कि राजमहल नगर पंचायत में नगर प्रबंधक (Nagar Manager) का पद अभी तक रिक्त क्यों है? इस पर नगर पंचायत प्रशासन द्वारा उन्हें वर्तमान स्थिति और पदस्थापन से संबंधित तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराई गई। विधायक ने आश्वासन दिया कि वे इस विषय को उच्च स्तर पर उठाएंगे ताकि प्रशासनिक कार्यों में सुगमता आए। बुनियादी ढांचे पर चर्चा करते हुए विधायक ने एक गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने बताया कि नेशनल हाईवे (NH) निर्माण के बाद सड़क किनारे पूर्व में लगाए गए पेवर ब्लॉक कई स्थानों पर नीचे धंस गए हैं और उनमें मिट्टी भर गई है। उन्होंने निर्देश दिया कि इन ब्लॉक्स को उखाड़कर सड़क के स्तर के अनुरूप समतलीकरण (Leveling) किया जाए ताकि पैदल चलने वालों को असुविधा न हो और शहर व्यवस्थित दिखे। विधायक ने श्मशान घाट, गंगा घाट के जीर्णोद्धार और आगामी माघी मेला के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि गंगा किनारे स्थित इन स्थलों पर श्रद्धालुओं और आम नागरिकों के लिए पर्याप्त सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए। बैठक में नगर पंचायत को विभिन्न योजनाओं व अन्य मदों से प्राप्त राशि और अब तक हुए व्यय (Expenditure) की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक ने पारदर्शिता बनाए रखने का निर्देश दिया। इसके साथ ही, भीषण शीतलहर को देखते हुए कार्यालय परिसर में कंबल वितरण कार्यक्रम संपन्न किया गया। विधायक ने सुझाव दिया कि शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव जलाने की व्यवस्था को पूर्व की भाँति जारी रखा जाए ताकि गरीबों और राहगीरों को ठंड से राहत मिल सके। नगर पंचायत प्रशासन ने विधायक द्वारा दिए गए सभी सुझावों का स्वागत किया और आश्वस्त किया कि प्राप्त दिशा-निर्देशों के आलोक में अविलंब आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पूर्व रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना संख्या: 07–जीएसयू–एमएलडीटी–25–26 दिनांक 26.12.2025, मुख्य परियोजना प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा टाउन, मालदा टाउन ऑफिस बिल्डिंग, पीओ: झलझलिया, जिला: मालदा, पिन: 732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या 7–जीएसयू–एमएलडीटी–25–26, कार्य का नाम**: पूर्व रेलवे के मालदा मंडल में जमालपुर (फेज–II) में वैगनों के निरीक्षण /स्टेबलिंग के लिए फ्रेट इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधा हेतु तटबंध में मिट्टी कार्य, ब्लैंकेटिंग, छोटे पुल के विस्तार, नए प्रशासनिक भवन, सिक लाइन शेड और पी.वे कार्यों के लिए खुली ई–निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 25,27,51,007.37, **निविदा की अंतिम तिथि:** दिनांक 22.01.2026 **वेबसाइट और सूचना पट:** www.ireps.gov.in

MLD-276/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइटः www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

पाकुड़ ज़िलें मे अवैध सट्टा जुआ अवैध लॉटरी के विरुद्ध दी अपनी प्रतिक्रिया

» शीर्षक पाकुड़ ज़िला अवैध लॉटरी और फ़र्ज़ी माइनिंग चालान का बनता जा रहा है गढ़ पर पूर्व मुख्यमंत्री की लगी मुहर

संवाददाता

पाकुड़। जिला मे तेजी से सट्टा, जुआ और अवैध लॉटरी जैसी गैरकानूनी गतिविधियों का गढ़ बनता जा रहा है। जिले में खुलेआम जुए का संचालन हो रहा है, जहां लालच में फंसकर गरीब और कमजोर वर्ग के लोग अपनी मेहनत की जमा पूंजी गंवाने को मजबूर हो रहे हैं। यह स्थिति सामाजिक और आर्थिक दोनों ही दृष्टि से बेहद चिंताजनक है। अवैध लॉटरी, जुआ-सट्टा की गतिविधियों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की संलिप्तता भी है, जिन्हें सत्ताधारी नेताओं का संरक्षण प्राप्त है पाकुड़ एसपी मामले का संज्ञान लें और जिले में चल रहे जुए को तत्काल बंद कराएं। साथ ही, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें उक्त बाते पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने अपने एक्स पर पोस्ट कर साझा किया है जबकि इस मुद्दे पर कल के अंक मे अवैध लॉटरी और फ़र्ज़ी माइनिंग का बनता गढ़ शीर्षक पर विस्तार पूर्वक प्रकशित किया गया था आज पूर्व मुख्यमंत्री ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया भी दी है इस मामले पर प्रतिक्रिया देने हेतु दिशोंम झारखंड का पूरा परिवार आभारी है

उपायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बीडीओ एवं अंचलाधिकारियों के साथ की समीक्षात्मक बैठक

संवाददाता

» नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ योजनाओं की सतत मॉनिटरिंग व जनहित कार्यों में तेजी के निर्देश

पाकुड़ ।उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न संचालित योजनाओं, विकास कार्यों एवं प्रशासनिक गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गईबैठक के दौरानउपायुक्त मनीष कुमार ने सभी पदाधिकारियों को आगामी नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने निर्देश दिया कि जिले के सभी पर्यटन स्थलों का निरीक्षण सुनिश्चित करें तथा नियमित रूप से उनकी मॉनिटरिंग करते रहें। साथ ही उन्होंने धान अधिप्राप्ति कार्यों का निरंतर निरीक्षण एवं प्रभावी मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिले के सभी प्रखंडों एवं अंचलों में कंबल उपलब्ध करा दिए गए हैं, अतः सभी जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही प्रमुख चौक-चौराहों पर नियमित रूप से अलाव की व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया गया उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को अपने- अपने क्षेत्रों में अस्पतालों एवं विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने का निर्देश देते हुए कहा कि इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में पाकुड़ जिले का प्रदर्शन और बेहतर होना चाहिए, इसके लिए आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करें। उन्होंने वन पट्टा से संबंधित मामलों में निर्देश दिया कि हर पात्र जरूरतमंद को लाभ मिले, इस दिशा में त्वरित कार्रवाई करें। सभी अंचलाधिकारियों को लैंड रिक्वायरमेंट रजिस्टर तैयार करने का निर्देश भी दिया गया। उपायुक्त ने बताया कि 3 जनवरी को "अबुआ दिवस" का आयोजन किया जाएगा। साथ ही पोषण ट्रैकर की निरंतर मॉनिटरिंग एवं समीक्षा करने, सभी प्रखंडों में बाल विवाह रोकथाम को लेकर कार्यशाला आयोजित करने, तथा जहां आधार पंजीकरण हो रहा है वहां सतत निरीक्षण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने आवास योजना एवं मनरेगा से संबंधित कार्यों में तेजी लाने हेतु फील्ड विजिट कर योजनाओं की प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि 1 जनवरी से सड़क सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया जाएगा, जिसके तहत सभी विद्यालयों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जाए। उपायुक्त ने अंत में सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जनहित से जुड़े सभी कार्यों को प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ ज़िलें के कई खास चेकनाका पर कई मजिस्ट्रेट की बार बार पोस्टिंग आखिर राज या कमीशन का खेल

पाकुड़ । ज़िलें मे अवैध खनन और अवैध परिवहन के बाद यह चर्चा है की जिले मे कई खास रोजगार सेवक और राजस्व कर्मचारी और अनुसेवक को चेकनाका मे प्रतिनियुक्ति की जाती है अगर साल भर का रिकॉर्ड देखा जाय तो प्राय एक चेक नाका पर उनकी तैनाती देखी जा सकती है आखिर कई खास को बार बार चेकनाका मे पदस्थापना और सेटिंग कमीशन का खेल होता रहेगा तो जिले मे और तैनात कर्मी और पदाधिकारी क्या करेंगे इनका भी ध्यान ज़िला प्रशासन को रखने की सख्त जरुरत है ताकि एक चेकनाका पर एक कर्मी या पदाधिकारी की बार बार तैनाती मे बिराम लगे और सेटिंग का खेल समाप्त हो सके

उपायुक्त ने पेयजल विभाग के कार्यों की समीक्षा

» ग्रामीण व शहरी जलापूर्ति योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

पाकुड़ । उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में पेयजल विभाग के कार्यों को लेकर एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी जलापूर्ति योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई बैठक के दौरान उपायुक्त मनीष कुमार ने पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत ग्रामीण वाटर सप्लाई योजना के तहत आवश्यक भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामलों में अंचलाधिकारी, पाकुड़ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो, ताकि योजना को समय पर धरातल पर उतारा जा सके। साथ ही उपायुक्त ने पाकुड़ शहरी जलापूर्ति योजना के कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण करते हुए शहरवासियों को स्वच्छ एवं निर्बाध पेयजल आपूर्ति का लाभ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पेयजल आमजन की मूलभूत आवश्यकता है। उपायुक्त मनीष कुमार ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग, आपसी समन्वय एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं।

बढ़ती ठंड के मद्देनजर उपायुक्त के निर्देश पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही है अलाव की व्यवस्था

रामगढ़।बढ़ती ठंड के मद्देनजर उपायुक्त रामगढ़ श्री फैज अक अहमद मुमताज के द्वारा अधिकारियों को जिले के विभिन्न क्षेत्रों, प्रमुख चौक चौराहों व सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में सोमवार को रामगढ़ शहर अंतर्गत विभिन्न स्थलों सहित अन्य स्थलों, विभिन्न प्रखंडों के प्रमुख चौक चौराहों आदि पर अलाव की व्यवस्था की गई।

भू-अर्जन कार्यों में तेजी लाने के लिए उपायुक्त ने दिए निर्देश

संवाददाता

» एक सप्ताह में मुआवजा भुगतान सुनिश्चित करने को लेकर शिविर आयोजन का आदेश

पाकुड़ । पाकुड़ जिला में भू-अर्जन से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में भू-अर्जन कार्यालय की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विकास परियोजनाओं से संबंधित भूमि अधिग्रहण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए बैठक के दौरान उपायुक्त मनीष कुमार ने शहरकोल से प्यादापुर मौजा तक जिन रैयतों का भू-अर्जन कार्य पूर्ण एवं क्लियर है, उनके लिए शिविर आयोजित कर एक सप्ताह के भीतर मुआवजा भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही सिमपुर से राधानगर मौजा क्षेत्र में भी शिविर लगाकर रैयतों के बीच मुआवजा राशि का शीघ्र भुगतान करने को कहा गया।उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन मौजों में राशि की उपलब्धता नहीं है, उनके लिए संबंधित विभाग से तत्काल राशि की मांग की जाए, ताकि भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो। इसके अतिरिक्त उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग (N.H.) के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां-जहां सड़कें क्षतिग्रस्त हैं, उन्हें शीघ्र दुरुस्त किया जाए, जिससे आमजन को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।उपायुक्त श्री मनीष कुमार ने कहा कि भूमि अधिग्रहण कार्यों में पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं त्वरित निष्पादन अत्यंत आवश्यक है, ताकि रैयतों को समय पर उनका अधिकार मिले और विकास परियोजनाओं की प्रगति निर्बाध रूप से आगे बढ़ सके। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए तय समय - सीमा में कार्य पूर्ण करें बैठक में जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री सौरभ चंद्रा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक, कार्यालय प्रधान सहायक इमानुएल मरांडी, जगजीत कुमार भद्र, अमीन मंजूर हुसैन सहित अन्य उपस्थित थे

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई जी की जन्म जयंती के अवसर पर आज पाकुड़ में अटल स्मृति सम्मेलन का हुआ आयोजन

संवाददाता

पाकुड़ ।पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई जी की जन्म जयंती के अवसर पर आज पाकुड़ में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन जिलाध्यक्ष अमृत पांडेय की अध्यक्षता में किया गया| इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक अशोक भगत शामिल हुए इस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अशोक भगत ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने देश को सिर्फ सरकार नहीं दी, बल्कि मजबूत सोच और दूरदृष्टि दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अटल जी की दूरदर्शिता का जीवंत उदाहरण है, जिसने गांवों को शहरों से जोड़कर ग्रामीण भारत की तस्वीर बदल दी। सड़क पहुंची तो विकास अपने आप पहुंचा। अल्पसंख्यक मोर्चा की राष्ट्रीय मंत्री सुश्री मिसफीका हसन ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी राजनीति में मर्यादा, संवाद और सहमति की मिसाल थे। उन्होंने विरोधियों को भी सम्मान देना सिखाया। आज की राजनीति को अटल जी के संस्कारों की सबसे ज्यादा जरूरत है। अटल जी ने सत्ता को सेवा का माध्यम बनाया। उन्होंने कभी सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और जनहित को हमेशा राजनीति से ऊपर रखा। अटल जी का जीवन हर जनप्रतिनिधि के लिए प्रेरणा हैइस मौके पर जिला अध्यक्ष अमृत पांडेय ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई का जीवन राष्ट्रसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों और देश के प्रति समर्पण का प्रेरणास्त्रोत रहा है। अटल जी के नेतृत्व में देश ने वैश्विक मंच पर नई पहचान बनाई और आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके सपनों को आगे बढ़ाते हुए गांव, गरीब और किसान के सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक कार्य कर रहे हैं। अटल जी की राजनीति संवाद और सहमति पर आधारित थी। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कमल भगत ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई जी विपक्ष का भी सम्मान करते थे, जो उनकी महानता को दर्शाता है। अटल जी उनके लिए केवल नेता नहीं, बल्कि प्रेरणा स्रोत थे। उन्होंने सिखाया कि सत्ता नहीं, बल्कि सेवा ही राजनीति का मूल उद्देश्य है।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

संवाददाता

» ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच, हानिकारक रंग पाए जाने पर मिठाइयां नष्ट

पाकुड़ ।उपायुक्त, पाकुड़ के निर्देशानुसार पाकुड़ प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों चापाडांगा, इशाकपुर, इलामी, रहसपुर एवं गंधाईपुर में संचालित खाद्य प्रतिष्ठानों का खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, पाकुड़ द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान किराना दुकान, मिठाई दुकान एवं ड्राई फ्रूट विक्रेताओं सहित कुल 10 खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। निरीक्षण के क्रम में सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं को FSSAI फूड लाइसेंस अनिवार्य रूप से प्राप्त करने का निर्देश दिया गया। साथ ही पैकेज्ड खाद्य सामग्री पर फूड लाइसेंस नंबर, निर्माण तिथि, समाप्ति तिथि एवं निर्माण स्थल की जानकारी स्पष्ट रूप से लेबल पर अंकित करने का निर्देश दिया गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने दुकानों के परिसर में स्वच्छता बनाए रखने, मिठाई निर्माण में शुद्धता एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने तथा खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान इशाकपुर एवं गंधाईपुर स्थित मिठाई दुकानों में तैयार की गई लौंग मिठाई की जांच में हानिकारक रंग पाया गया। इसके पश्चात संबंधित दुकानों को चेतावनी एवं नोटिस जारी करते हुए लगभग 05 किलोग्राम लौंग मिठाई को मौके पर ही नष्ट कराया गया। जांच में जिन प्रतिष्ठानों से हानिकारक रंग पाया गया, उनमें भाई-भाई मिठाई भंडार, गंधाईपुर, बशीर शेख, इशाकपुर एवं मशरूल शेख की मिठाई दुकान शामिल हैं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि पुनः जांच के दौरान यदि किसी प्रकार की कमी पाई जाती है, तो संबंधित खाद्य कारोबारकर्ता के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी, जिसमें दंड एवं जुर्माने का प्रावधान है

ठंड से कांप उठा मेहरमा, अलाव के सहारे जिंदगी

संवाददाता

मेहरमा (गोड्डा)। बीते करीब 10 दिन से जारी शीत लहरी और कड़ाके की ठंड से पूरा प्रखंड कांप उठा है। जहां भी देखिए लोग अलाव के सहारे दिन काटने को विवस हैं। अंचल प्रशासन की ओर से क्षेत्र के विभिन्न चौक चौराहों और सार्वजनिक जगहों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। परंतु ठंड इतनी है कि गांव घर में भी लोगों को अलाव के सहारे ही जिंदगी जीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। हर गांव, घर, गली और मुहल्ले में लोगों को स्वयं की व्यवस्था से अलाव तपते सहज ही देखा जा सकता है।ठंड में सबसे अधिक परेशानी झुग्गी झोपड़ी में रहने वालों,वृद्ध, बच्चों और दैनिक मजदूरी करने वालों को हो रही है। सोमवार को पूरे दिन भगवान भास्कर के दर्शन नहीं हुए। सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। बाजार भी सुना रहा। ठंड के कारण श्रमिक भी काम नहीं कर पा रहे हैं। जिससे उनके समक्ष भूख मारने की नौबत आ गई है। इधर बाजार में गर्म कपड़े, हीटर तीलकुट आदि की दुकानें सज धज कर तैयार है। परंतु ठंड के कारण लोग बाजार भी नहीं आ पा रहे हैं। इक्का-दुक्का जरूरतमंद लोगों को ही बाजार में खरीदारी करते देखा जा रहा है।

उपायुक्त ने जारी किया आदेश

संवाददाता

» शीतलहरी को देखते हुए पाकुड़ जिले के सभी विद्यालयों में पठन–पाठन स्थगित

पाकुड़। भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारत मौसम विज्ञान केन्द्र, झारखण्ड (राँची) द्वारा जारी विशेष बुलेटिन के अनुसार राज्य में भारी ठंड एवं शीतलहरी की चेतावनी दी गई है। उक्त चेतावनी को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के दृष्टिगत जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त, पाकुड़ मनीष कुमार द्वारा आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार पाकुड़ जिला अंतर्गत संचालित सभी सरकारी, गैर-सरकारी एवं निजी विद्यालयों में कक्षा KG से कक्षा 12वीं तक पठन–पाठन का कार्य दिनांक 30 दिसंबर 2025 से 04 जनवरी 2026 तक स्थगित रहेगा। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा–163 के अंतर्गत लागू किया गया है विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया गया है कि वे उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। हालांकि, यदि इस अवधि के दौरान किसी विद्यालय में पूर्व निर्धारित परीक्षा आयोजित है, तो संबंधित विद्यालय प्रबंधन अपने विवेकानुसार परीक्षा का संचालन कर सकते हैं, बशर्ते विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य से संबंधित सभी आवश्यक सावधानियों का पालन सुनिश्चित किया जाए जिला प्रशासन द्वारा अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंधन से अपील की गई है कि वे बच्चों को ठंड से बचाव हेतु आवश्यक सावधानियां बरतें तथा प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का अनुपालन करें।

सुगासर गाँव में "एक पहल – स्वास्थ्य की ओर" निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

» गिरिडीह जिले के सुगासर गाँव में "एक पहल – स्वास्थ्य की ओर" निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

संवाददाता

गिरिडीह । गिरिडीह जिले के सुगासर गाँव में महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर ईएमपी बौंदी इंटरनेशनल एसोसिएशन द्वारा गैल गैस लिमिटेड के वित्तीय सहयोग से स्थानीय संस्था सामाजिक परिवर्तन संस्थान द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नाम है "एक पहल – स्वास्थ्य की ओर", जिसकी टैगलाइन है – "हमर स्वास्थ्य, हमर हक, हमर जिम्मेदारी।" कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बिन्दी के मोनालिसाजी द्वारा बताया गया कि इस स्वास्थ्य शिविर का मुख्य उद्देश्य किशोरियों एवं युवा माताओं में एनीमिया (खून की कमी), पोषण, मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं सामान्य बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है। शिविर में दी जाने वाली सेवाएँ: एनीमिया (खून की कमी) की जाँच,रक्तचाप (BP) एवं मधुमेह (शुगर) की जाँच,वजन एवं सामान्य स्वास्थ्य जाँच, अनुभवी डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क परामर्श,आवश्यक दवाओं का निःशुल्क वितरणमासिक धर्म एवं महिला स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी स्वास्थ्य के साथ जागरूकता और मनोरंजन, इस शिविर को केवल जाँच तक सीमित न रखते हुए, महिलाओं और किशोरियों के लिए खेलों, क्विज़ और संवादात्मक गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा इन गतिविधियों के माध्यम से एनीमिया, पोषण एवं मासिक धर्म से जुड़ीगलतफहमियों को दूर किया जाएगा और सरल भाषा में सही जानकारी दी जाएगी। सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम में स्थानीय सहिया, एएनएम, पंचायत प्रतिनिधि एवं सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। यह शिविर समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम की विशेष पहल शिविर में एक विशेष फोटो/ सेल्फी बूथ भी लगाया गया है, जहाँ महिलाएँ और किशोरियाँ "मैं एनीमिया-मुक्त भविष्य की ओर एक पहल हूँ" संदेश के साथ अपनी तस्वीरें खिंचवा सकेंगी। इसका उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास और स्वास्थ्य के प्रति गर्व की भावना को बढ़ाना है आयोजकों का संदेश ईएमपी बौंदी इंटरनेशनल एसोसिएशन की ओर से बताया गया कि यह पहल केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य में दीर्घकालिक सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक सतत प्रयास है। संस्था आने वाले समय में भी इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम में गेल गैस के जीएम अनिल कुमार, सागर एवं कंचन ने भाग लिया। कार्यक्रम को सहयोग करने में निओति टुडू, मनोहर कुमार तूलिका, मिश्रा आदि का सहयोग सराहनीय रहा। इस कार्यक्रम में मर्सी हॉस्पीटल के डॉ॰ परम हंस मिश्रा एवं उनकी टीम का सहयोग रहा साथ ही हेल्थ विभाग से डॉ॰ सचिन कुमार के टीम का भरपूर सहयोग मिला।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
ई-पेपर
www.sonvarshavani.com
sonvarshavani.com/epaper

जमशेदपुर पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू:ओल चिकी लिपि के डेवलपमेंट की सराहना की, NIT के दीक्षांत समारोह में हुईं शामिल

संवाददाता

रांची/जमशेदपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने झारखंड दौरे के पहले दिन सोमवार को जमशेदपुर पहुंची। यहां करनडीह स्थित दिशोम जाहेरथान में उन्होंने परंपरागत पूजा-अर्चना की। इसके बाद ओल चिकी लिपि के 100 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित समापन समारोह में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने ओल चिकी लिपि के डेवलपमेंट के यात्रा की सराहना की। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जमशेदपुर के एक दिवसीय दौरे के दूसरे हिस्से में एनआईटी के 15वें दीक्षांत में शामिल हुईं। इस दौरान मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया और फिर रांची के लिए रवाना हो गईं।

NIT के 15वें दीक्षांत समारोह में पहुंचीं राष्ट्रपति : NIT में राष्ट्रपति द्वारा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज को समाज व संस्कृति में योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी-लिट) और आरएसबी समूह के संस्थापक रबींद्र कुमार बेहरा को उद्योग वराष्ट्र निर्माण के लिए डॉक्टर ऑफ फिलॉस्फी (पीएचडी) की मानद उपाधि प्रदान की गई। इस वर्ष कुल 612 स्टूडेंट्स ने अपनी सफलता का प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

'विकसित भारत का सपना केवल ऊंची इमारतों या शक्तिशाली अर्थव्यवस्था से पूरा नहीं होगा': राष्ट्रपति ने इस अवसर पर छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा-एनआईटी जैसे अग्रणी संस्थानों को रिसर्च और इनोवेशन पर और अधिक ध्यान देना चाहिए। आपके इस योगदान से भारत नॉलेज सुपर पावर के रूप में स्थापित हो सकेगा। विकसित भारत का सपना केवल ऊंची इमारतों या शक्तिशाली अर्थव्यवस्था से पूरा नहीं होगा। बल्कि एक ऐसे समाज के निर्माण से यह सपना पूरा होगा, जिसमें अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी अवसर की समानता और गरिमापूर्ण जीवन जीने की सुविधा हो। उन्होंने कहा- आपकी शिक्षा और ज्ञान को तभी सफल माना जाएगा, जब उसका लाभ जन सामान्य तक पहुंचे। जब आप संवेदनशीलता के साथ तकनीकी कौशल का प्रयोग करेंगे तब आप इस लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे।

'सफलता को आप केवल बड़े पैकेज और ऊंचे पद से नहीं मापे' : राष्ट्रपति ने कहा- भविष्य में आपके सामने कई चुनौतियां आएगी, उस वक्त आपका चरित्रबल और नैतिक मूल्य ही आपके सबसे प्रभावी मार्ग दर्शक होंगे। मेरी आपको सलाह है कि सफलता को आप केवल बड़े पैकेज और ऊंचे पद से नहीं मापे। बल्कि इस आधार पर उसका आकलन करें कि आपके ज्ञान या कार्य से कितने लोगों के जीवन में साकारात्मक बदलाव आ रहा है।

पैदल चलकर सड़क किनारे खड़े लोगों का अभिवादन स्वीकार किया : वहीं, NIT में कार्यक्रम समाप्ति के बाद वापसी के क्रम में आकाशवाणी चौक के पास राष्ट्रपति ने अचानक अपनी गाड़ी रुकवाई और करीब आधा किलोमीटर तक पैदल चलकर सड़क किनारे खड़े लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने मोर्चा संभालते हुए आवश्यक सुरक्षा घेरा बनाए रखा। इस दौरान जनता ने भारत माता और बंदे भारत का नारा लगाया। राष्ट्रपति को अपने बीच पाकर लोग उत्साहित नजर आए। खासकर युवाओं में इस पल को लेकर खासा उत्साह देखा गया। इससे पूर्व दिशोम जाहेरथान में अपने संबोधन के क्रम में उन्होंने संथाली भाषा में प्रार्थना के गीत भी गाए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का पूरा संबोधन संथाली भाषा में रहा। कार्यक्रम में उन्होंने उन 12 लोगों को सम्मानित भी किया, जिन्होंने संथाली भाषा और ओल चिकी लिपि के उत्थान की दिशा में अतुलनीय काम किए हैं।

जेहार माता से की प्रार्थना, उजाले की ओर से जाने का किया अनुरोध : कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संथाली भाषा में प्रार्थना के गीत गाए। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने बताया कि अपनी प्रार्थना में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जेहार माता से अनुरोध किया है। उन्होंने अनुरोध किया कि हमें हमेशा उजाले वाले रास्ते पर ले चलना। शामिल लोगों ने ही बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उस प्रयास की सराहना की है, जिनकी बदौलत आज संथालियों की भाषा को पहचान मिल सकी है। उन्होंने कहा कि न केवल ओल चिकी लिपि बल्कि पंक्ति में पीछे रह रही दूसरी भाषाओं का भी समान विकास हो।

राज्यपाल और सीएम ने भी किया संबोधित : ओल चिकी लिपि के 100 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित समापन समारोह में मौजूद राज्यपाल संतोष गंगवार और सीएम हेमंत सोरेन ने भी संबोधित किया। राज्यपाल ने कहा लोक भवन के दरवाजे हर आम आदमी के लिए हमेशा खुला है। जहां बाद आदिवासियों के डेवलपमेंट की होगी, वहां लोक भवन हमेशा साथ देगा। वहीं सीएम हेमंत सोरेन ने भी लोगों को संबोधित किया।

कल गुमला में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगी राष्ट्रपति : झारखंड के प्रख्यात आदिवासी नेता बाबा कार्तिक उरांव के बहाने भाजपा आदिवासियों को साधने में जुट गई है। पंखराज साहेब कार्तिक उरांव आदिवासी शक्ति स्वायत्तशासी विश्वविद्यालय निर्माण समिति (झारखंड-छत्तीसगढ़-ओडिशा) ने गुमला के रायडीह में 30 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय जन सांस्कृतिक समागम समारोह कार्तिक जतरा का आयोजन किया है।

ऊंचा पद नहीं, लोगों की जिंदगी में बदलाव ही असली सफलता : राष्ट्रपति

एनआईटी जमशेदपुर के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने दी छात्रों को सीख

संवाददाता

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिले में स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर के 15वें दीक्षांत समारोह में सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छात्रों को सफलता और सामाजिक जिम्मेदारी का सन्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऊंचे पद पर पहुंचना सफलता की गारंटी नहीं है, बल्कि जब आपके ज्ञान और कार्य से आम लोगों की जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आए, तभी सफलता का वास्तविक मूल्य समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एनआईटी से डिग्री प्राप्त करने के बाद कई चुनौतियां छात्रों का इंतजार कर रही हैं, लेकिन धैर्य और सतत प्रयास से इनका सामना करना ही सच्ची सफलता है। राष्ट्रपति ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 65 वर्षों से एनआईटी जमशेदपुर विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में सफलता के झंडे गाड़ रहा है। इस संस्थान ने देश को ऐसे इंजीनियर दिए हैं जिन्होंने विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी 1,114 छात्रों को बधाई दी। इनमें से 612 छात्र समारोह में व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करना वर्ष भर के संघर्ष और परिश्रम का परिणाम है और यह सिर्फ उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि देश के प्रति नए संकल्प लेने का भी समय है। राष्ट्रपति मुर्मु ने छात्रों को राष्ट्र निर्माता की संज्ञा देते हुए कहा कि शिक्षण संस्थान केवल डिग्री देने की जगह नहीं हैं, बल्कि यह भविष्य की सोच को आकार देने वाली बौद्धिक प्रयोगशालाएं हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग देशहित में करें और तकनीकी विकास को मानव कल्याण का माध्यम बनाएं। उन्होंने कहा कि एनआईटी में शिक्षा और नवाचार को समाज की जरूरतों से जोड़ने के लिए प्रभावशाली सिस्टम विकसित किया गया है, जिसमें सेंटर फॉर इनोवेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम भी शामिल हैं। उन्होंने तकनीक के दुरुपयोग जैसे साइबर ठगी की ओर भी ध्यान दिलाया और उम्मीद जताई कि एनआईटी इसके समाधान पेश करेगा। समारोह के दौरान एक क्षण तब आया जब राष्ट्रपति ने छात्रों की तालियों की कमी पर चुटकी ली। उन्होंने मुस्कराते हुए कहा कि छात्रों को उत्साह दिखाते हुए तालियां बजानी चाहिए। छात्रों ने बाद में जोर-शोर से तालियां बजाकर माहौल को जीवंत किया। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता और शिक्षकों के प्रति कृतज्ञ रहने की सीख दी। उन्होंने विशेष रूप से मानद उपाधि प्राप्त करने वाले स्वामी गोविंद देव गिरी (डॉक्टर ऑफ लिटरेचर) और उद्योगपति रवींद्र कुमार बेहरा (डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी) को बधाई दी। राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की रैंकिंग केवल छात्रों की सफलता या प्लेसमेंट से नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह देखा जाना चाहिए कि उसके छात्र देश के विकास में कितना योगदान दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना केवल ऊंची इमारतों और मजबूत अर्थव्यवस्था से पूरा नहीं होगा, बल्कि तब साकार होगा जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर मिले। जमशेदजी टाटा ने आम जनता की गरिमा को दिया समान महत्व : राज्यापालकार्यक्रम में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने डिग्री और पदक प्राप्त छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन नई जिम्मेदारियों की शुरुआत का दिन है। उन्होंने जमशेदजी नुसरवानजी टाटा और रतन टाटा की भी स्मृति दिलाई और कहा कि उन्होंने औद्योगिक विकास के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और आम जनता की गरिमा को समान महत्व दिया। राष्ट्रपति ने सड़क पर रोका काफिला, उतरकर किया लोगों का अभिवादनएनआईटी जमशेदपुर जाने के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने सादगीपूर्ण और सहज व्यवहार से सभी का दिल जीता। कार्यक्रम स्थल की ओर जाते समय राष्ट्रपति ने अचानक सड़क पर अपना काफिला रुकवाया और कार से बाहर निकलकर सड़क किनारे खड़े लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन किया, जिससे वहां मौजूद लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। राष्ट्रपति ने मुस्कुराते हुए सभी का अभिवादन स्वीकार किया और कुछ देर तक लोगों से आत्मीयता के साथ मिलीं। दीक्षांत समारोह में कुल 1,114 छात्रों को मिली डिग्रियांदीक्षांत समारोह में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए एमएससी (भौतिकी) के कृष्णाशिष मंडल (9.64 सीजीपीए) और बीटेक (इलेक्ट्रिकल) के प्रियांशु राज (9.52 सीजीपीए) को राष्ट्रपति के हाथों गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। समारोह में कुल 1,114 छात्रों को डिग्रियां दी गईं, जिनमें 417 स्नातक, 149 स्नातकोत्तर और 46 पीएचडी शोध छात्र शामिल थे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने संथाली भाषा में गाया गीत, ओल चिकी लिपि शताब्दी समारोह बना यादगार

संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को जमशेदपुर के करनडीह स्थित दिशोम जाहेरथान प्रांगण में आयोजित 22वें संताली 'परसी माहा' एवं ओल चिकी लिपि शताब्दी समारोह में संथाली भाषा में गीत गाकर माहौल को सुरमयी बना दिया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत संथाली नेहोर गीत "जोहार जोहार आयो..." से की, जिसे उन्होंने लगभग तीन मिनट तक गाया। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद लोग मंत्रमुग्ध होकर राष्ट्रपति को सुनते रहे। ऑल इंडिया संताली राइटर्स एसोसिएशन और दिशोम जाहेरथान कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने कहा कि करनडीह आने से पहले उन्होंने जाहेर आयो को नमन किया और गुरु गोमके पंडित रघुनाथ मुर्मू को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अपने जीवन संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज के लोगों का प्रेम और इष्टदेवों का आशीर्वाद ही उन्हें इस मुकाम तक लेकर आया है। राष्ट्रपति ने ओल चिकी लिपि को संथाली समाज की पहचान, आत्मसम्मान और एकता का मजबूत आधार बताया। राष्ट्रपति मुर्मु ने ऑल इंडिया संताली राइटर्स एसोसिएशन के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन वर्षों से आदिवासी स्वाभिमान और अस्तित्व की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। राष्ट्रपति ने संविधान के संथाली (ओल चिकी) अनुवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि जब कानून और अधिकारों की जानकारी मातृभाषा में होती है, तब समाज सशक्त बनता है और अज्ञानवश निर्दोष लोगों को सजा से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संथाली भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल है, इसलिए देश को चलाने वाले नियम और कानून की जानकारी भी संथाली समाज को अपनी भाषा में मिलनी चाहिए। उन्होंने चिंता जताई कि कानून की जानकारी के अभाव में कई निर्दोष लोग जेल तक पहुंचे हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई हिस्सों में संथाल समाज के लोग रहते हैं और शिक्षित युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में अपने अधिकारों, भाषा और संस्कृति को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी समाज के युवाओं की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे ओल चिकी लिपि और संथाली समाज के संरक्षण व विकास के लिए लगातार प्रयास करती रहेंगी। समारोह में शामिल प्रदेश राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि जनजातीय संस्कृति की जीवंतता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने राष्ट्रपति मुर्मु के जीवन संघर्ष को पूरे आदिवासी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया और कहा कि जमशेदपुर सांप्रदायिक सौहार्द और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक शहर है। राज्यपाल ने याद दिलाया कि वर्ष 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में संथाली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था और ओल चिकी लिपि हमारी अमूल्य सांस्कृतिक विरासत है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल भवन जनजातीय भाषाओं और संस्कृतियों के संरक्षण के लिए सदैव तत्पर रहेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का संथाली भाषा और ओल चिकी लिपि के विकास में योगदान ऐतिहासिक है। उन्होंने संविधान के संथाली अनुवाद को समाज के लिए मील का पत्थर बताते हुए कहा कि गुरु गोमके पंडित रघुनाथ मुर्मू ने संथाली समाज को लिपि देकर जो पहचान दी, उसके लिए पूरा समाज उनका ऋणी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भी जनजातीय भाषाओं और संस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है। समारोह के समापन अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संथाली साहित्य और ओल चिकी लिपि को समृद्ध करने वाले साहित्यकारों, शिक्षकों और साधकों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में शोभनाथ बेसरा, पद्मश्री डॉ. दमयंती बेसरा, मुचीराम हेम्ब्रॉम, भीमवार मुर्मू, साखी मुर्मू, रामदास मुर्मू, चुंडा सोरेन सिपाही, छोतराय बास्के, निरंजन हंसदा, बी.बी. सुंदरमन, सौरव, शिव शंकर कंडेयांग, सी.आर. माझी सहित कई अन्य नाम शामिल रहे।

ऑल टाइम फेवरिट वियर है डेनिम जैकेट

डेनिम जैकेट को कैरी करने का एक आसान और स्टाइलिश तरीका है, इसे जींस के साथ कैरी करना। यह एक ऐसा लुक है, जिसे केजुअल से लेकर आउटिंग में कैरी किया जा सकता है। आप व्हाइट या ब्लैक टी के साथ ब्लू जींस और डेनिम जैकेट पहन सकती हैं।

डेनिम जैकेट एक ऐसा वियर है, जो ऑल टाइम फेवरिट है। किसी भी मौसम में डेनिम जैकेट को बेहद आसानी से कैरी किया जा सकता है। इस कपड़े की खासियत यह है कि आप इसे कई तरह से कैरी कर सकती हैं और हर बार एक डिफरेंट लुक पा सकती हैं। अगर आपके वार्डरोब में भी ब्लू डेनिम जैकेट है और आप उसे हर बार एक ही तरह से स्टाइल करती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको डेनिम जैकेट को स्टाइल करने के अलग-अलग तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि डेनिम जैकेट को कैरी करने का एक आसान और स्टाइलिश तरीका है, इसे जींस के साथ कैरी करना। यह एक ऐसा लुक है, जिसे केजुअल से लेकर आउटिंग में कैरी किया जा सकता है। आप व्हाइट या ब्लैक टी के साथ ब्लू जींस और डेनिम जैकेट पहन सकती हैं। अगर आप थोड़ा एक्सपेरिमेंटल होना चाहती हैं तो ऐसे में जैकेट पर पैच वर्क भी किया जा सकता है। फेमिनिन लुक के लिए आप इसके साथ सैंडल्स को पेयर करें। वहीं अगर आप स्पोर्टी टच चाहती हैं तो ऐसे में आप स्नीकर्स को स्टाइल कर सकती हैं।

फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, यंग गर्ल्स पर इस तरह का स्टाइल काफी अच्छा लगता है। इसके लिए आप प्रिंटेड टीशर्ट के साथ शॉर्ट स्कर्ट पेयर करें। अपने आउटफिट की लेयरिंग के लिए आप डेनिम जैकेट को पहनें। इसके साथ लॉन्ग स्टेटमेंट ईयररिंग्स या बीड्स नेकपीस को स्टाइल करना अच्छा रहेगा।

लॉन्ग स्कर्ट के साथ करें स्टाइल

फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, यह स्टाइल हर उम्र की महिला पर अच्छा लगता है और इसमें आप काफी कुछ कर सकती हैं। मसलन, अगर आप कलर ब्लॉकिंग करना चाहती हैं तो ऐसे में आप व्हाइट या ब्लैक टॉप के साथ किसी ब्राइट कलर की लॉन्ग स्कर्ट को पेयर करें। वहीं अपने लुक में स्टक्चर एड करने के लिए आप बेल्ट का सहारा भी ले सकती हैं। आखिरी में आप क्रॉप स्टाइल डेनिम जैकेट को पेयर करें। यह लुक एकदम क्लासी लगता है और कभी भी टेंड से आउट नहीं होता।

अपने साथ कई सारी उम्मीदें, प्यार व एक्साइटमेंट लेकर आता है रिश्ता

एक रिश्ता अपने साथ कई सारी उम्मीदें, प्यार व एक्साइटमेंट लेकर आता है। किसी के साथ एक रिश्ते में जुड़ने पर यकीनन आप कुछ अलग व खास महसूस कर रही होंगी। लेकिन इस प्यार भरी फीलिंग के बीच जरूरी है एक-दूसरे को समझना। एक रिश्ते को मजबूत होने और आपसी समझ विकसित होने में थोड़ा वक्त लगता है और यह केवल तभी संभव है, जब आप एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते व समझते हों। जब आप ऐसा करने में सक्षम हो जाते हैं तो इससे आपके रिश्ते को एक मजबूती और स्थिरता मिलती है। अब सवाल यह उठता है कि एक नए रिलेशनशिप में अपने पार्टनर को बेहतर तरीके से समझने के लिए आप क्या करें। इसके लिए आपको कुछ कदम उठाने की जरूरत है। हालांकि यह उतना मुश्किल भी नहीं है। अगर आप अपने पार्टनर से कुछ सवाल पूछती हैं तो इससे आपको अपने पार्टनर को समझने में आसानी होती है। तो चलिए आज हम आपको ऐसे ही कुछ सवालों के बारे में बता रहे हैं, जो आपको एक न्यू रिलेशन में जरूर पूछने चाहिए

आपकी बकेट लिस्ट में क्या है?

हर किसी के पास उन चीजों की एक सूची होती है जिन्हें वे अपने जीवन में करना चाहते हैं। भले ही उन्होंने वास्तव में इसके लिए पहले से तैयारी की हो या नहीं। लेकिन फिर भी उनके कुछ सपने जरूर होते हैं। इस सवाल से आपको अपने पार्टनर के सपनों को समझने में आसानी होगी। आपको समझ में आएगा कि वह अपने जीवन से क्या चाहते हैं। इस तरह आप कहीं ना कहीं अपने और उनके सपनों की कम्पैटिबिलिटी को भी चेक कर सकती हैं।

आप हमेशा कहाँ घूमना चाहते हैं?

जब आप अपने पार्टनर से उनके ट्रेवल प्लॉन और ट्रेवल संबंधित पसंद के बारे में पूछती हैं तो इससे आपको समझ में आता है कि उन्हें कैसी जगहें अधिक पसंद है। मसलन, उन्हें गर्मी पसंद है या ठंड। क्या उन्हें शहरों में घूमना अच्छा लगता है या फिर बीच पसंद है या फिर वह वाइल्ड लाइफ को अधिक प्राथमिकता देते हैं। इससे आपको एक साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करने में भी मदद मिलती है। साथ ही आपको उनके व्यक्तित्व के बारे में भी पता चलता है।

अगर आप अपने बारे में एक चीज बदल सकते हैं, तो यह क्या होगा?

यह एक बेहद ही दिलचस्प सवाल है और जब आप अपने पार्टनर से यह सवाल पूछती हैं तो इससे आपको पता चलता है कि क्या वह खुद में बदलाव कर सकते हैं। दूसरे शब्दो में, आपके साथी में खुद के बारे में कुछ बदलने की शक्ति है या नहीं। दरअसल, एक रिलेशन को सक्सेसफुल बनाने के लिए कई बार खुद में कई बदलाव करने पड़ते हैं और यह तभी संभव है, जब आपमें वह शक्ति हो।

क्या आप भविष्य में बच्चे चाहते हैं?

यह एक बेहद ही सामान्य प्रश्न लगता है, लेकिन अगर आप अपने पार्टनर के साथ अपनी पूरी लाइफ देख रही हैं तो ऐसे में यह सवाल जरूर पूछना चाहिए। इससे आपको यह समझने में आसानी होगी कि अपनी फैमिली प्लानिंग और मैरिज के लेकर उनके क्या प्लॉन है या फिर जब आप उनसे शादी करेंगी तो आप दोनों का एक-दूसरे के करियर और फैमिली प्लॉनिंग के बीच क्या रवैया होगा।

किस चीज ने आपको सबसे पहले आकर्षित किया?

यह कोई संदेह नहीं है कि यह सवाल आपके पार्टनर को एक बार के लिए आश्चर्यचकित जरूर करेगा। हो सकता है कि आपके सवाल पूछने से वह हैरान हो जाएं। लेकिन इससे आपको अपनी छिपी हुई क्वालिटीज को जानने में मदद मिलेगी। वैसे हो सकता है कि आपका पार्टनर भी आपसे यह सवाल पूछ लें, इसलिए आप भी अपने पार्टनर को इसका जवाब देने के लिए तैयार रहें।

पौधों में चाहिए ज्यादा फल और फूल तो अपनाएं ये आसान गार्डनिंग हैक्स

अगर आप गार्डनिंग के बारे में सोचकर परेशान हो रहे हैं तो ये कुछ आसान टिप्स आपके गार्डन को इस मौसम में भी हरा-भरा रखेंगी।

इस मौसम में स्किन से लेकर गार्डन तक और किचन से लेकर बाथरूम तक हमें कई समस्याओं से जूझना पड़ता है। इस मौसम में हमारे गार्डन के पौधे भी खराब होने लगते हैं और ये वो समय है जब कई लोगों की शिकायत होती है कि कितनी भी मेहनत कर लें पर न तो पौधों में फल आते हैं, न ही फूल आते हैं। इस तरह की समस्या से बचने के लिए आप कुछ टिप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये टिप्स आपके पौधों को कई सारी समस्याओं से बचा सकती हैं। गर्डनिंग करते समय आपको इन बातों का ध्यान रखना होगा कि ये मौसम बहुत खराब होता है और पौधों को पूरी तरह से झुलसा सकता है इसलिए अगर कोई नया पौधा इस सीजन में लगाने के बारे में सोच रही हैं तो वो लगाएं जो इसी सीजन के हों। कैक्टस, समर फ्लावर, हर्ब्स, नींबू, लिली बल्ब्स आदि इस सीजन में लगाए जा सकते हैं। जो पौधे पहले से ही लगे हुए हैं उनके लिए कुछ खास टिप्स फॉलो करें।

पौधों के लिए शेड बनाएं

ये सबसे आसान और सबसे असरदार ट्रिक साबित हो सकती है जिससे आप अपने पौधों को बचा सकती हैं। ये आपके गार्डन के लिए एक अच्छा मौका हो सकता है। आप शेड क्लॉथ में इन्वेस्ट करें। ये ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों ही स्टोर्स पर उपलब्ध होते हैं। आपके गार्डन एरिया में कितनी और किस समय धूप आती है इसपर ध्यान देते हुए शेड क्लॉथ की थिकनेस और फैब्रिक का ध्यान रखें। ऐसे सभी पौधे जिन्हें बहुत ज्यादा धूप की जरूरत नहीं होती है उन्हें आप हमेशा शेड के अंदर ही रखें। मॉर्निंग में धूप लगे तो कोई बात नहीं, लेकिन दोपहर की कड़ी धूप में ये पौधे शेड के अंदर होने चाहिए। पौधों की पत्तियां अगर जल जाएंगी तो उनके फूल और फल नहीं आएंगे।

पौधों को पानी देने का समय ध्यान रखें

लोगों को लगता है कि जब बहुत धूप होती है तब पानी डालना चाहिए ताकि पौधों को ठंडक मिल सके, लेकिन ये सबसे खराब चीज़ है और इससे कई बार पौधे मर भी सकते हैं। दरअसल, पौधों को पानी देने का सही समय सुबह 10 बजे से पहले या फिर शाम को 4 बजे के बाद होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि दोपहर में अगर मिट्टी में पानी भरा हुआ रहेगा तो धूप से पानी के भाप बनने का प्रोसेस शुरू हो जाएगा। ऐसे समय में पौधे न तो पानी एब्जॉर्ब ठीक से कर पाते हैं और उनकी जड़ें सड़ने या फिर ज्यादा गर्मी के कारण उनके खराब होने की गुंजाइश ज्यादा रहती है।

पानी का शावर

ये समय सिर्फ रूट्स को ही पानी देने का नहीं होता बल्कि आपको पत्तियों को भी साफ करना होता है। ऐसे समय में आपको स्प्रिंकलर का इस्तेमाल करना चाहिए। ये न सिर्फ गर्मियों के कीड़ों को दूर रखता है बल्कि इससे आपके पौधों की पत्तियों की सफाई भी हो जाती है।

मिट्टी का मॉइश्चर बरकरार रखें

इसके लिए आप कोकोपीट, वर्मी कम्पोस्ट, रेत और गार्डन सॉइल का अच्छा मिक्सचर बनाएं। ये पानी में मॉइश्चर बनाकर रखने में कामयाब होगा और ये ज्यादा समय तक मिट्टी को पोषण दे पाएगा। आप मिट्टी में फास्फोरस और नाइट्रोजन रिच फर्टिलाइजर भी मिला सकती हैं। जिप्सम सॉल्ट आदि मिलाने के लिए भी ट्राई करें। साथ ही नीम पाउडर की मिलावट भी की जा सकती है जिससे कीड़े दूर रहें।

पानी की बोतलों को नया जैसा बनाने के लिए लें इन ट्रिक्स की मदद

घर की हर एक चीज समय-समय पर गंदी हो जाती है। इन दिनों गर्मियों का मौसम है। ऐसे में पानी की बोतल भी एक समय के बाद पुरानी और खराब दिखने लग जाती हैं। अगर आप गंदे पानी की बोतल को आसानी से साफ करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल में दिए गए हैक्स की मदद लें। इससे आपकी बोतल पर लगी गंदगी तो साफ होगी ही। साथ ही बोतलें चमक भी उठेंगी।

पानी की बोतल को साफ करने के लिए सिरके का घोल आपकी बहुत मदद कर सकता है। इससे बोतल पर लगे वो दाग भी हट जाते हैं जो साबुन से नहीं हटते हैं। सबसे पहले गुनगुना पानी लें और उसमें 3-4 चम्मच सिरका डालें। अब लिक्विड में 1 चम्मच बेकिंग पाउडर डालें और अच्छे से घोल तैयार कर लें। अब इस घोल को बोतल में डालें और कुछ देर के लिए रखा रहने दें। फिर बोतल को बाहर और अंदर से अच्छे से साफ करें। आपकी बोतल एक बार फिर चमक उठेगी।

डिटर्जेंट का बनाएं घोल

गंदी पानी की बोतलों को साफ करने के लिए आप डिटर्जेंट का घोल भी बना सकते हैं। डिटर्जेंट का घोल बहुत स्ट्रांग होती है जो बोतलों के जिद्दी दागों को आसानी से साफ कर देता है।

बोतल की बदबू कैसे करें दूर

कई बार बोतलों से बदबू आने लग जाती है जिसे साफ करने के लिए आपको बोतल में गर्मा-गर्म पानी डालना है। इससे बोतल की बदबू दूर हो जाती है और आप दोबारा बोतल को यूज कर सकते हैं।

किचन सिंक के नीचे ये चीजें स्टोर करने से बचें

अक्सर किचन के सिंक के नीचे मौजूद खाली जगह को लोग घर के बेकार समान को स्टोर करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। लेकिन किचन को ऑर्गेनाइज रखने और अनावश्यक नुकसान को रोकने के लिए कुछ खास चीजों को किचन सिंक के नीचे स्टोर करने से बचना चाहिए। किचन सिंक के नीचे ड्रिल्स, रिंचेस या फिर अन्य टूल्स को स्टोर करने की आदत आपकी चीजें खराब कर सकती हैं।

केमिकल प्रोडक्ट्स

किचन सिंक के नीचे लोग डस्टबीन के साथ अक्सर कैमिकल प्रोडक्ट्स जैसे ब्लीच, ड्रेन क्लीनर को भी स्टोर कर देते हैं। लेकिन ऐसा बिल्कुल न करें, इन कैमिकल प्रोडक्ट्स के गिरने से यह पूरे घर में फैलकर बच्चों, पेट्स या घर के बाकी सदस्यों को भी नुकसान पहुंच सकता है।

बैकअप आइटम

बैकअप आइटम रखने के लिए किचन सिंक के नीचे की ही जगह ज्यादातर इस्तेमाल की जाती है। लेकिन ऐसा करते समय लंबे समय तक लोग इस जगह की साफ-सफाई करना भूल जाते हैं। जिसकी वजह से यहां जर्म्स और बैक्टीरिया पनपने लगते हैं।

टूल्स

किचन सिंक के नीचे ड्रिल्स, रिंचेस या फिर अन्य टूल्स को स्टोर करने की आदत आपकी चीजें खराब कर सकती हैं। कई बार सिंक से पानी लीक होने पर नीचे रखे इन टूल्स में जंग लग सकता है, जिससे यह जल्दी खराब हो सकते हैं।

ऑयल रैग्स

आग लगने वाले आइटम जैसे थिनर, पॉलिश, पेंट या फर्नीचर पॉलिश आदि किचन सिंक के नीचे स्टोर न करें। ऐसा करने से कई बार आग लगने का खतरा बना रहता है। ऐसे में इन चीजों को ऐसी जगह पर रखें जहां इनके गिरने और फैलने का खतरा कम रहे।

पटना साहिब में गुरु गोविंद सिंह प्रकाश उत्सव संपन्न

तीन दिवसीय पर्व में देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु पहुंचे; राज्यपाल और सीएम ने भी टेका मत्था

पटना। पटना साहिब तख्त श्री हरमंदिर गुरुद्वारा में तीन दिवसीय प्रकाश उत्सव संपन्न हो गया। इस अवसर पर देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और गुरु महाराज की शिक्षाओं को आत्मसात किया। उत्सव के दौरान पूरे गुरुद्वारा परिसर को आकर्षक लाइटों और फूलों से सजाया गया था। सुबह से देर रात तक गुरबाणी, कीर्तन, अखंड पाठ साहिब और शब्द-कीर्तन का आयोजन किया गया। जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा। रागी जत्थों की ओर से प्रस्तुत मधुर कीर्तन ने संगत को भावविभोर कर दिया। कीर्तन मंडलियां और श्रद्धालु शामिल प्रकाश उत्सव के प्रथम दिन एक भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। इसमें पंज प्यारे, गतका दल, कीर्तन मंडलियां और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। नगर कीर्तन के दौरान 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के जयकारों से पूरा पटना साहिब गूंज उठा। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों की ओर से शरबत, फल और जल सेवा की गई। तख्त श्री हरमंदिर साहिब प्रबंधन समिति ने संगत की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए थे। प्रशासन की ओर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। चिकित्सा, आवास और लंगर की समुचित व्यवस्था थी। चौबीसों घंटे चलने वाले गुरु के लंगर में श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। जो सिख धर्म की समानता और सेवा भावना का प्रतीक है। सीएम और राज्यपाल गुरुद्वारा पहुंचे थे इस अवसर पर बिहार के राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित राज्य सरकार के कई मंत्री, विधायक, सांसद, संत-महापुरुषों और विभिन्न सिख संगठनों के पदाधिकारियों ने भी गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और संगत को शुभकामनाएं दीं। देश-विदेश से आए सिख समुदाय के वक्ताओं ने अपने संदेश में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन, त्याग, साहस और मानवता के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला। प्रकाश उत्सव के समापन पर अरदास की गई, जिसमें विश्व कल्याण, शांति और भाईचारे की कामना की गई। तीन दिवसीय यह पर्व श्रद्धा, सेवा और समर्पण की अनुपम मिसाल बनकर संपन्न हुआ। जिसने न केवल सिख समुदाय बल्कि सर्वधर्म समभाव की भावना को भी सुदृढ़ किया। इस मौके पर प्रबंधन कमेटी के लोगों ने बाहर से आए सभी श्रद्धालुओं को गुरु पर्व की शुभकामना दी।

नये साल से हथियार नहीं उठाएंगे ये तीन नक्सली, डीजीपी के सामने किया आत्मसमर्पण

मुंगेर। साल 2025 के अंत में कुख्यात नक्सलियों ने अपना हथियार डाल दिया. अब नए साल में समाज से जुड़कर सादगी के साथ जीवन बिताएंगे. रविवार को मुंगेर में बिहार डीजीपी विनय कुमार और एडीजी कुंदन कृष्णन के समक्ष 3-3 लाख का इनामी नक्सली नारायण कोड़ा और बहादुर कोड़ा सहित तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया. डीजीपी ने किया स्वागतः डीजीपी विनय कुमार ने तीनों का स्वागत करते हुए फूलों का माला पहनाया. यह नजारा मुंगेर जिला अंतर्गत नक्सल प्रभावित हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र के आरएसके कॉलेज परिसर में में देखने को मिला. इस कार्यक्रम में डीजीपी विनय कुमार, एडीजी हेड क्वाटर कुंदन कृष्णन, एसटीएफ एसपी संजय सिंह और कई वरीय पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे. इन नक्सलियों ने किया सरेंडरः पुलिस के अनुसार 23 नक्सली कांडों में फरार जोनल कमाण्डर नारायण पिता स्वर्गीय रतु कोड़ा ने आत्मसमर्पण किया है. वह लडैयाटांड़ थाना के पैसरा गांव का रहने वाला है. दूसरा भाकपा माओवादी 24 नक्सली कांडों में फरार जोनल कमाण्डर बहादुर कोड़ा पिता स्वर्गीय चुटर कोड़ा ने भी आत्मसमर्पण किया, जो हवेली खड़गपुर के बघेल का रहने वाला है. तीसरा 3 नक्सली कांडों में फरार दस्ता सदस्य बिनोद कोड़ा, पिता सोनेलाल कोड़ा ने सरेंडर किया. जो लखीसराय के ग्राम शीतला कोड़ासी निवासी है. हथियार और कारतूस सौंपेः इस अवसर पर पूर्व में आत्मसमर्पित नक्सली रावण कोड़ा एवं भोला कोड़ा के परिजन भी यहां उपस्थित रहे. नारायण एवं बहादुर कोड़ा के द्वारा अपने साथ 2 इन्सास रायफल, 4 एसएलआर राइफल, 500 चक्र गोली, 10 वॉकी-टॉकी भी प्रस्तुत किया गया है. डीजीपी ने बताया कि आत्मसमर्पण उपरान्त बिहार सरकार एवं मुंगेर जिला प्रशासन के तरफ से इन्हें तथा इनके परिवार को सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी. नक्सल मुक्त इलाकों में हो रहा विकासः बिहार में उग्रवाद दशकों से एक बड़ी समस्या रही है. जिसके कारण 38 जिलों एवं 2 पुलिस जिला में 23 जिलें उग्रवाद से पूर्णतः प्रभावित हुए थे. जिनमें मुंगेर जिला भी प्रारंभ से हीं शामिल रहा है. इन इलाकों में विकास के काम नहीं पो पाए, लेकिन अब सरकार की ओर से इन इलाकों के लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है.

समस्तीपुर में नए साल के लिए होटलों में एडवांस बुकिंग

लाइट से लेकर डीजे तक की तैयारी, शाम 7 से रात 12 बजे तक थिरक सकेंगे लोग

समस्तीपुर। समस्तीपुर में नए साल का जश्न मनाने के लिए अगर आप हिल स्टेशन या बड़े शहर में नहीं जा पाए हैं तो अपने शहर में भी परिवार के साथ न्यू ईयर को सेलिब्रेट कर सकते हैं। यहां के कुछ होटलों में नया साल को यादगार बनाने के लिए भव्य तैयारी की जा रही है। जहां लाइट म्यूजिक के साथ 31 की रात डिनर सेलिब्रेट कर सकते हैं। इसके लिए कुछ होटल में टेबल बुकिंग शुरू हो चुका है। लोग लगातार टेबल बुक करा रहे हैं। ताकि 31 की रात उन्हें बैठने के लिए अपनी बारी का इंतजार करना ना पड़े। होटल सागर इंटरनेशनल के मैनेजर बताते हैं कि 31 दिसंबर की रात सेलिब्रेट करने के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। होटल के रेस्टोरेंट में टेबल को बुक किया जा रहा है। बुकिंग के लिए अलग से कोई राशि नहीं ली जाती है। पहले बुक करने पर उनके लिए टेबल सुरक्षित रखी जाएगी, ताकि वह 31 की रात को सेलिब्रेट करने के लिए पहुंचे तो उन्हें टेबल उपलब्ध हो सके। 31 की शाम 7 बजे से शुरू होगा प्रोग्राम, 12 बजे तक चलेगा 31 दिसंबर की शाम यादगार बने इसके लिए डीजे फ्लोर, लाइट म्यूजिक के साथ ही कलाकारों को भी उसी दिन बुलाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 7 बजे से शुरू होगी जो रात के 12 बजे तक चलेगी। वेज, नॉन वेज सभी तरह के व्यंजन की भी व्यवस्था होगी। यह आयोजन पारिवारिक माहौल में होगा। वहीं, होटल ग्रैंड रॉयल में नए वर्ष के आगमन को लेकर उनके यहां भी भव्य तैयारी की गई है। 31 की रात को यादगार बनाने के लिए होटल के रेस्टोरेंट में वेज, नॉन वेज खाना के साथ ही लाइट म्यूजिक, डीजे म्यूजिक आदि की भी व्यवस्था की गई है। उधर,लोगों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न होटल संचालकों की ओर से ऑफर भी दिए जा रहे हैं। 31 दिसंबर की रात को यादगार बनाने के लिए कोलकाता आदि जगहों से कलाकारों को भी बुलाया गया है ताकि लोगों का झुकाव हो सकें।

मामा ने गर्लफ्रेंड के लिए कराई भांजे की हत्या, सिर-पैर काटा

अफेयर के बारे में मामी को बताने की धमकी देता था; दोस्तों को सुपारी दी

भागलपुर। भागलपुर के 30 साल के अभिषेक की हत्या मोबाइल की किस्त को लेकर नहीं, बल्कि मामा के अवैध संबंध के कारण हुई। दरअसल, मामा का किसी महिला से अफेयर था, जिसकी जानकारी अभिषेक को थी और वो अक्सर अपने मामा को धमकी देता था कि मामी को अफेयर की बात बता देगा। ब्लैकमेलिंग के कारण ही उसकी हत्या हुई। 23 दिसंबर से लापता अभिषेक की लाश 26 दिसंबर की देर रात आरोपियों की निशानदेही पर बरामद किया गया था। सिर और पैर गायब था, केवल धड़ मिला। हाथ प्लास्टिक की रस्सी से बंधे थे, फिर जैकेट में बांध कर प्लास्टिक के बोरे में बंद कर दफनाया गया था। तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मास्टरमाइंड की तलाश थी, जिसे रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मृतक के मामा और हत्या के मास्टरमाइंड संतोष को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी मामा संतोष ने पुलिस को हत्या के पीछे की पूरी कहानी बताई।

मामा की गर्लफ्रेंड से बात करता था अभिषेक– संतोष के मुताबिक, अभिषेक मेरी गर्लफ्रेंड से बातचीत करता था। वो मुझे बार-बार ब्लैकमेल करता था कि मैं मामी को इस बारे में सबकुछ बता दूंगा। संतोष ने ये भी बताया कि मैं अपने भांजा अभिषेक के साथ मिलकर साइबर फ्रॉड का काम भी करता था। इसमें पैसे के लेनदेन को लेकर अभिषेक मुझसे झगड़ा करता था। संतोष के मुताबिक, इन दोनों वजहों से मैंने 2 लाख रुपए में 3 लोगों को भांजे अभिषेक की हत्या की सुपारी दी, इसके बाद उसकी निर्मम तरीके से हत्या करा दी। पहले अभिषेक की जांघ में गोली मारी गई। फिर हेक्सा ब्लेड से उसके दोनों पैरों को घुटने से ऊपर से काटकर अलग किया, फिर सिर को धड़ से अलग कर दिया।

4 साल से मामा के साथ रहकर काम कर रहा था– अभिषेक कहलगांव थाना क्षेत्र के मकसपुर का रहने वाला था। वो नाथनगर के मसकन बरारीपुर में अपने मामा संतोष दास के यहां 4 साल से रहकर उसके कपड़े के कारोबार को संभाल रहा था। 23 दिसंबर की शाम 7 बजकर 35 मिनट पर अभिषेक अपने मामा संतोष के घर से निकला। घर से बाहर निकलने के बाद अभिषेक राधे और ऋतिक के बुलाने पर गया था। चूंकि हत्याकांड में शामिल राधे और ऋतिक से अभिषेक पहले से परिचित था। इसलिए उनके साथ ऑटो में बैठकर दोगच्छी की ओर चला गया। राधे और ऋतिक उसे ये कहकर ले गए थे कि एक बर्थडे पार्टी में जाना है। आरोपियों में शामिल राधे ऑटो ड्राइवर है, जबकि दूसरा ऋतिक पहले ऑटो चलाता था। बाद में छोड़ दिया था। अभिषेक की पहले ऋतिक से ही दोस्ती हुई थी।

पुलिस को ऑटो वाले को पैसे देने की झूठी कहानी बताई थी– हत्याकांड के सामने आने के बाद आरोपी के मामा ने पुलिस को दिए बयान में कहा भी था, '23 दिसंबर को भांजा अभिषेक कुमार घर से निकला था। जाते समय उसने कहा कि ऑटो वाले को पैसे देकर आ रहे हैं। उसका कुछ 150 रुपए बाकी था। जब वापस नहीं लौटा था तो उसको फोन किया तो उसने कहा कि थोड़ी देर में आ रहे हैं। ठंड का समय था मेरी आंख लग गई। सुबह 4 बजे नींद खुली तो देखा कि मेरा भांजा बेड पर नहीं है। तुरंत उसको फोन किया। उसने कहा कि मैं जमालपुर में हूं। मैंने बोला क्यों गए हो वहां। तो वो बोला कि नहीं हम आ जाएंगे। हमने कहा कि तुम जिसके पास गए हो बात कराओ। वो बोला को थोड़ी देर में कराता हूं। इसके बाद फोन बंद हो गया।'

24 दिसंबर को अभिषेक को गन पॉइंट पर रखकर मां, पिता और पत्नी से बात कराई– 23 की रात जब राधे और ऋतिक अपने साथ अभिषेक को लेकर गए तो पहले उसे शराब पिलाई। फिर उसके साथ मारपीट की। 24 दिसंबर को सुबह साढ़े 7 बजे अभिषेक के नंबर पर उसकी पत्नी का कॉल आया। इससे पहले पिता धर्मेंद्र दास ने भी अभिषेक को कॉल किया था, पूछा तो कहा कि जमालपुर में हूं। मैंने कहा कि क्यों गए हो तो बोला कि दोस्त का बर्थडे है। मां और पत्नी से भी यही बात कही थी। फिर तीनों आरोपियों ने गन पॉइंट पर अभिषेक को लिया और पत्नी से बात भी कराई। इसके बाद मास्टरमाइंड के कहने पर तीनों ने हेक्सा ब्लेड से काटकर अभिषेक की हत्या कर दी। आरोपियों ने अभिषेक की लाश को तीन टुकड़ों में काटा। पहले दोनों पैर फिर सिर को अलग किया। इसके बाद बोरे में डेडबॉडी के तीनों पार्ट को भरा और एक ऑटो में रखकर शाहपुर पुलिया के पास पानी से भरे गड्ढे में फेंक दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों की निशानदेही पर जमीन में छिपाकर रखे गए देसी कट्टा, अभिषेक का कड़ा और ब्लूटूथ बरामद किया है। पुलिस ने हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने में यूज किए गए ऑटो को भी जब्त कर लिया है।

20 दिसंबर को ही रची गई हत्या की साजिश, मामा ने कबूला गुनाह– पुलिस से पूछताछ में आरोपी मामा संतोष ने बताया कि अभिषेक की हत्या की साजिश 20 दिसंबर को ही रची गई थी। 2 लाख रुपए राधे को दिए थे, जिसने अभिषेक की जांघ में गोली मारी थी। इसके बाद मैं 24 को थाना गया था और मौखिक रूप से अभिषेक के लापता होने की जानकारी भी दी थी। पुलिस की ओर से लिखित आवेदन मांगे जाने पर मैं घबरा गया था। संतोष ने बताया कि अगले दो दिनों तक मैं अभिषेक के परिजन के साथ मिलकर अभिषेक को खोजता रहा। 26 दिसंबर को आखिरकार मैं परिजन के साथ नाथनगर थाने गया और खुद पुलिस को लिखित आवेदन दिया, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई।

आरोपी मामा तक कैसे पहुंची पुलिस– अभिषेक के गायब होने के अगले दिन यानी 24 दिसंबर तक उसका मोबाइल ऑन था। मोबाइल की लोकेशन निकाली गई। फिर सीडीआर खंगाला गया। जिस जगह अभिषेक का मोबाइल लोकेशन था, वहां राधे और ऋतिक का भी मोबाइल लोकेशन दिखा था। फिर संदेह के आधार पर दोनों को उठाकर पूछताछ की गई। मामले में मुंगेर के आदित्य के भी शामिल होने की जानकारी मिली। डीएसपी-2 राकेश कुमार ने बताया कि तीनों आरोपियों राधे, ऋतिक और आदित्य की मृतक अभिषेक के मामा संतोष से कई बार बात हुई थी। इसकी जानकारी सीडीआर के जरिए मिली। जब सख्ती से पूछताछ की गई तो तीनों ने पूरी कहानी बयां कर दी।

राजगीर में देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़ तीन गिरफ्तार, 15 लड़कियां मुक्त

नालंदा। बिहार के राजगीर में देह व्यापार का पुलिस ने भंडाफोड़ किया. पुलिस ने ऑर्केस्ट्रा की आड़ में देह व्यापार के धंधे में धकेली गई 15 लड़कियों को मुक्त करा लिया है. इस मामले में तीन धंधेबाज को गिरफ्तार किया गया है. राजगीर डीएसपी सुनील कुमार सिंह उसकी पुष्टि की. होटल में छापेमारीः राजगीर पुलिस ने मामले में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राजगीर थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के धुर्वा मोड़ के निकट स्थित एक रेसिडेंसी होटल में नाच गाना के नाम पर कुछ लड़कियों को जबरदस्ती देह व्यापार में के धंधे में धकेला जा रहा है. 15 लड़कियां मुक्तः राजगीर अनुमंडलीय डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने थानाध्यक्ष रमन कुमार के नेतृत्व टीम गठित कर जब होटल में छापेमारी की तो वहां से शामिल 3 दलालों को गिरफ्तार किया गया. कार्रवाई में कुल 15 लड़कियों को दलाल के चंगुल से मुक्त कराया गया. इन आरोपियों की गिरफ्तारीः गिरफ्तार आरोपियों में नवादा जिले के सीतामढ़ी थाना क्षेत्र रेपुरा गांव निवासी अशोक कुमार के 19 वर्षीय पुत्र गौरव कुमार, हिसुआ थाना क्षेत्र सोनसा गांव निवासी उमाशंकर सिंह के 20 वर्षीय पुत्र सुमन कुमार और नालंदा ज़िले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र अकबरपुर गांव निवासी विजय सिंह के 35 वर्षीय पुत्र मनोरंजन कुमार है. लड़कियों का आरोपः बरामद की गयी लड़कियों का आरोप है कि किसी का रुपये चोरी हो गया था. इसी को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद पुलिस को किसी ने सूचना दी. जिस वजह से हम लोगों को मेडिकल के लिए लाया गया है. बंगाल की लड़कियां मुक्तः उन्होंने आगे कहा कि पुलिस फ़िलहाल सभी बरामद की गई लड़कियों का मेडिकल करा उनके परिजनों को सौंपने की तैयारी की जा रही है. सभी बरामद लड़कियां बंगाल के अलग-लग जिले की रहने वाली बताई जाती है.

मुजफ्फरपुर में 10 डिग्री पहुंचा न्यूनतम तापमान, ठिठुरन बढ़ी

पहाड़ों पर हुई बर्फबारी का मौसम पर दिख रहा असर

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में लगातार ठंड बढ़ रही है। सुबह और रात में ठिठुरन बढ़ गई है मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को जिले का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। मंगलवार तक कोल्ड डे की स्थिति बनी रह सकती है। पहाड़ी इलाकों में हो रही लगातार बर्फबारी का असर मैदानी क्षेत्रों में साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। इसका सीधा प्रभाव मुजफ्फरपुर के मौसम पर पड़ा है, जहां कनकनी वाली पछुआ हवा सिहरन पैदा कर रही है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटे में तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन ठंड का असर अधिक महसूस किया जा रहा है।

सुबह के समय हल्की ठंड और ठंडी हवा के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश की कोई संभावना नहीं जताई गई है, लेकिन ठंड का प्रभाव फिलहाल बना रहने की संभावना है।

आज से 1 जनवरी तक 8वीं तक के सभी सरकारी, निजी स्कूल बंद बढ़ती ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाया है। जिलाधिकारी के आदेश पर 29 दिसंबर से 1 जनवरी तक जिले के सभी सरकारी, निजी और मान्यता प्राप्त स्कूलों में नर्सरी से आठवीं कक्षा तक की पढ़ाई पर रोक लगा दी गई है। आदेश का उद्देश्य छोटे बच्चों को ठंड से होने वाली बीमारियों से बचाना बताया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नौवीं कक्षा और उससे ऊपर की कक्षाएं पूर्व निर्धारित समय के अनुसार संचालित होंगी, जबकि स्कूल प्रबंधन को आदेश का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले कुछ दिनों तक सुबह-शाम ठंड का असर जारी रह सकता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से सुबह और रात में बाहर निकलने से बचें और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।

अभी कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को जिले का अधिकतम तापमान 13.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 7.7 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.2 डिग्री अधिक रहा। पछुआ हवा करीब 8 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल रही है, जिससे ठंड की तीव्रता और बढ़ गई है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में और गिरावट की संभावना जताई है। बुजुर्गों और बच्चों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। ऐसे में ठंड से बचाव के लिए सतर्कता बरतना जरूरी है।

स्थानीय बोले- ठंड है, लेकिन काम करना पड़ेगा, निकलना जरूरी है स्थानीय अरविंद कुमार ने बताया कि बहुत ठंड है, कड़ाके की ठंड है लेकिन ड्यूटी तो जाना पड़ेगा। अरविंद ने बताया कि सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है, कही भी चौक चौराहे पर अलाव की व्यवस्था नही दिख रहा है, लोग अपने स्तर से कही कही अलाव की व्यवस्था किए हुए हैं।

विकास तिवारी ने बताया कि ठंड की स्थित पांच-सात दिनों से बहुत खराब है और प्रत्येक दिन बढ़ ही रहा है। धूप तो निकल नहीं रही है। बच्चों के पढ़ाई-लिखाई सब बंद है। काम पर बुरा असर पड़ा है। गरीबों के लिए अलाव ही एक सहारा है। वहीं, संतोष कुमार ने बताया कि मुजफ्फरपुर की स्थिति खराब है, 9 से 10 डिग्री तक न्यूनतम तापमान चला जा रहा है।

नए साल से पहले मोतिहारी में शराब तस्करों पर कार्रवाई

नेपाली-देसी शराब बरामद, एक तस्कर अरेस्ट; न्यू ईयर सेलिब्रेशन से पहले डंप किया गया था

मोतिहारी। बिहार में लागू पूर्ण शराबबंदी के बावजूद नए साल को रंगीन बनाने की फिराक में जुटे शराब तस्करों पर पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। इसी कड़ी में मोतिहारी नगर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए भारी मात्रा में नेपाली और देसी शराब बरामद की है। इस दौरान पुलिस ने एक शराब तस्कर को भी मौके से गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद शराब तस्करों में हड़कंप मच गया है। गुप्त सूचना पर हुई तुरंत कार्रवाई मिली जानकारी के अनुसार नगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि नगर थाना क्षेत्र के बलुआ चिक पट्टी इलाके में शराब तस्करों द्वारा नए साल की बिक्री के लिए शराब की बड़ी खेप डम्प कर रखी गई है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष ने तत्काल इसकी जानकारी वरीय पुलिस अधिकारियों को दी। अधिकारियों के निर्देश के बाद बिना समय गंवाए एक विशेष टीम का गठन कर छापेमारी की गई। 112 पीस नेपाली शराब व 17 लीटर देसी चुआई बरामद छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने मौके से 112 पीस नेपाली शराब और लगभग 17 लीटर देसी चुआई शराब बरामद की। बरामद शराब को सुरक्षित रूप से जब्त कर लिया गया है। वहीं, एक तस्कर को भी पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि इतनी बड़ी मात्रा में शराब नए साल की खपत को ध्यान में रखकर जमा की गई थी। होम डिलीवरी की थी तैयारी पुलिस जांच में सामने आया है कि तस्कर नए साल के मौके पर शराब की मांग बढ़ने का इंतजार कर रहे थे। योजना थी कि ऊंचे दामों पर शराब की होम डिलीवरी कर मोटा मुनाफा कमाया जाए। हालांकि, समय रहते पुलिस की कार्रवाई से तस्करों की यह साजिश नाकाम हो गई। पूछताछ में जुटी पुलिस, नेटवर्क खंगालने की तैयारी गिरफ्तार तस्कर से नगर थाना पुलिस गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि शराब कहां से लाई गई थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि शराब किन-किन इलाकों में सप्लाई की जानी थी। पुलिस को आशंका है कि इस मामले में एक संगठित नेटवर्क काम कर रहा है, जिसकी कड़ियां जल्द सामने आ सकती हैं। नए साल पर बढ़ जाती है तस्करी पुलिस अधिकारियों के अनुसार नए साल, होली और अन्य त्योहारों के समय शराब तस्करी के मामलों में तेजी आ जाती है। तस्कर इस मौके को भुनाने के लिए पहले से ही शराब का स्टॉक जमा कर लेते हैं। इसी को देखते हुए जिले में लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

नालंदा में लापरवाही, दुर्व्यवहार के आरोप में 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड

जांच पड़ताल में शिकायतों को सही पाया गया, एसपी भारत सोनी तत्काल प्रभाव से किया निलंबित

नालंदा। नालंदा जिले में एसपी भारत सोनी ने कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने और जनता के साथ अनुचित व्यवहार करने के आरोपों में इस्लामपुर थाना के पांच पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में एक पुलिस उप निरीक्षक, तीन पुलिस सिपाही और एक चालक सिपाही शामिल हैं। नालंदा एसपी ऑफिस से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, जिला पुलिस बल को लगातार इस्लामपुर थाना के इन पुलिसकर्मियों के खिलाफ शिकायतें मिल रही थीं। जनता की ओर से आरोप लगाया जा रहा था कि ये पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों का निर्वहन ठीक से नहीं कर रहे हैं और आम नागरिकों के साथ उनका व्यवहार भी संतोषजनक नहीं है। गंभीर आरोपों की

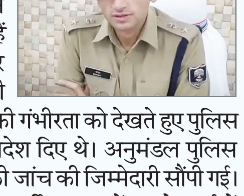

जांच में सही पाई गईं शिकायतें शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस विभाग ने मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए थे। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, हिलसा-02 को इस मामले की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई। जांच में यह पाया गया कि आरोपित पुलिसकर्मी वास्तव में अपने कार्य में लापरवाही बरत रहे थे और जनता के साथ उनका व्यवहार उचित मानकों के अनुरूप नहीं था।

बिहार के युवा अब लेंगे विदेशी ड्राइविंग ट्रेनिंग:परिवहन विभाग की पहल

5 जिलों में खुलेंगे आवासीय केंद्र, बढ़ेंगे रोजगार

कैमूर। नए साल में बिहार के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलने जा रहे हैं। राज्य सरकार ने विदेशों में ड्राइविंग के क्षेत्र में नौकरी की चाह रखने वाले युवाओं के लिए एक विशेष और महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इस योजना के तहत अब बिहार में ही बाएं हाथ की स्टीयरिंग (स्थ्रद्बह्ल-॥ड्डठ्ठस्र ष्ठह्म्द्ब1द्ग) वाली गाड़ियों को चलाने का पेशेवर और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे खासकर खाड़ी देशों और यूरोप जाने की तैयारी कर रहे युवाओं को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।

विदेशी सड़कों की चुनौती होगी आसान– अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान ने जानकारी देते हुए बताया कि खाड़ी देशों, यूरोप और कई अन्य देशों में वाहन सड़क के दाईं ओर चलते हैं और स्टीयरिंग बाईं ओर होता है। भारत में इससे ठीक उलट व्यवस्था होने के कारण यहां के अनुभवी ड्राइवरों को भी विदेश जाकर शुरुआत में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को दूर करने के लिए राज्य सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार ड्राइविंग प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया है, ताकि बिहार के युवा विदेश में भी आत्मविश्वास के साथ वाहन चला सकें।

पाँच जिलों में खुलेंगे मॉडर्न प्रशिक्षण केंद्र– इस योजना को केवल राजधानी पटना तक सीमित नहीं रखा गया है। राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि पटना के अलावा मोतिहारी, सुपौल, नालंदा और बांका में भी अत्याधुनिक आवासीय प्रशिक्षण केंद्र खोले जाएंगे। इन केंद्रों में युवाओं को न सिर्फ लेफ्ट हैंड ड्राइव वाहनों का अभ्यास कराया जाएगा, बल्कि उन्हें विदेशी यातायात नियम, सड़क सुरक्षा मानक और आधुनिक ड्राइविंग तकनीकों की भी जानकारी दी जाएगी।

आवासीय सुविधा के साथ संपूर्ण प्रशिक्षण– प्रशिक्षण केंद्रों को पूरी तरह आवासीय बनाया जाएगा, ताकि दूर-दराज के जिलों से आने वाले युवाओं को किसी तरह की परेशानी न हो। यहां रहने, खाने और प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था होगी।विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के माध्यम से युवाओं को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों तरह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही विदेशी ड्राइविंग लाइसेंस की प्रक्रिया, ट्रैफिक साइन, बीमा नियम और वाहन रखरखाव से जुड़ी जानकारी भी शामिल होगी।

रोजगार और बेहतर वेतन की उम्मीद इस योजना का मुख्य उद्देश्य बिहार के हुनरमंद युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद युवा विदेशों में ड्राइविंग लाइसेंस हासिल करने में सक्षम होंगे, जिससे उन्हें वहां आसानी से नौकरी मिल सकेगी।खाड़ी देशों और यूरोप में ड्राइवरों को मिलने वाला वेतन भारत की तुलना में कहीं अधिक होता है, ऐसे में यह योजना युवाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकती है। बिहार के लिए आर्थिक रूप से भी फायदेमंद विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल न केवल युवाओं को रोजगार देगी, बल्कि बिहार के लिए भी आर्थिक रूप से लाभकारी साबित होगी। विदेशों में काम करने वाले कुशल ड्राइवरों के माध्यम से राज्य में विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ेगा।साथ ही, यह योजना बिहार की पहचान एक कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाले राज्य के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी।

युवाओं में दिख रहा उत्साह इस घोषणा के बाद से ही युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। ड्राइविंग को पेशे के रूप में अपनाने वाले कई युवाओं का कहना है कि अब उन्हें विदेश जाने के लिए दूसरे राज्यों या निजी संस्थानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।राज्य में ही विश्वस्तरीय प्रशिक्षण मिलने से उनका समय और खर्च दोनों बचेगा। कुल मिलाकर, बिहार सरकार की यह पहल युवाओं के लिए नए साल का बड़ा तोहफा साबित हो सकती है। लेफ्ट हैंड ड्राइव प्रशिक्षण योजना न सिर्फ रोजगार के नए द्वार खोलेगी, बल्कि बिहार के युवाओं को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने की दिशा में एक मजबूत कदम मानी जा रही है।

विचार-मंथन

संपादकीय

50 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर?

देशभर में लाखों बच्चे अगर परीक्षाओं में विफल हो रहे हैं, तो इसकी वजह क्या है? क्या इसे गंभीर चुनौती मान लेने भर से इस समस्या का निवारण हो जाएगा? क्या यह जानने का प्रयास नहीं होना चाहिए कि शिक्षा में गुणवत्ता आखिर कहां कम रह गई और इसकी वजह क्या थी? विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा नहीं मिल पा रही है, तो जाहिर है कि पूरी व्यवस्था को अब दुरुस्त करने की जरूरत है। केवल चिंता जता देने और सतही कदम उठा लेने भर से काम नहीं चलेगा।फिलहाल तथ्य यही है कि देश में दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में हर वर्ष करीब पचास लाख विद्यार्थी विफल हो रहे हैं। इनमें अधिकतर विद्यार्थी पढ़ाई छोड़ देते हैं। खासतौर से लड़कियां विद्यालय नहीं लौटतीं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लड़के परिवार का बोझ उठाने के लिए काम करने लग जाते हैं। यह शिक्षा व्यवस्था की नाकामी तो है ही, वहीं शिक्षित भारत बनाने के लक्ष्य पर भी आघात है। इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की विफलता बताती है कि विद्यालयी शिक्षा को हम गंभीरता से नहीं ले रहे। अब केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इसे गंभीर चुनौती मानते हुए ऐसे विद्यार्थियों को दोबारा मुख्यधारा से जोड़ने की पहल की है। इसके तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह विद्यार्थियों तक पहुंचे और उन्हें पढ़ाई बीच में न छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करे। मगर सच यह है कि पिछले कई वर्षों से शिक्षा के दूरगामी लक्ष्यों पर ध्यान नहीं दिया गया है। सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों का अभाव किसी से छिपा नहीं है। कई राज्यों में तो कहीं-कहीं एक या दो शिक्षकों के भरोसे विद्यालय चलने की खबरें आई हैं। आए दिन शिक्षकों को शिक्षण कार्य से अलग दूसरे कार्यों में लगा दिया जाता है। मध्याह्न भोजन योजना से लेकर जनगणना, आधार सत्यापन और चुनावी कार्य में उन्हें उलझाए रखना कोई नई बात नहीं। ऐसे में बच्चों को शिक्षा देने का मूल कार्य प्राय- हाशिये पर चला जाता है। उनका पाठ्यक्रम तक पूरा नहीं होता और वे पढ़ाई में निरंतर पिछड़ते चले जाते हैं। देश में ऐसा परिदृश्य बन रहा है, तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है।

इंसाफ केवल होना नहीं, दिखना भी चाहिए

एक ओर महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर लगाम नहीं लग पाना आज भी एक बड़ी चुनौती है, वहीं कानूनी नुक्तों का फायदा उठा कर बलात्कार जैसे जघन्य अपराध के दोषी को भी कई बार रियायत दे दी जाती है। संभव है कि कानून की किसी व्याख्या के मुताबिक, अदालत में बलात्कार के दोषी सिद्ध हुए व्यक्ति को जमानत का पात्र समझा जाए, लेकिन इससे पीड़ित महिला के लिए न्याय सुनिश्चित किए जाने की प्रक्रिया गंभीर रूप से बाधित होती है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के उन्नाव में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार के मामले में वर्ष 2019 में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को उम्रकैद की सजा हुई थी। अदालत ने भारतीय दंड संहिता के तहत बलात्कार के मामले और बच्चे-बच्चियों के यौन शोषण से सुरक्षा के कानून 'पाक्सो' में गंभीर यौन हिंसा के प्रावधानों के मुताबिक सजा दी थी। तब यह घटना देश भर में व्यापक चिंता और आक्रोश का कारण बनी थी। मगर अब दिल्ली हाई कोर्ट ने सेंगर की सजा को निलंबित करने का आदेश दे दिया। इस संदर्भ में एक अहम तथ्य यह है कि दोषी सिद्ध होने के बाद निचली अदालत ने साफ कहा था कि सेंगर को जीवन भर जेल में रहना होगा। जाहिर है, अपराध की गंभीरता और प्रकृति के मद्देनजर निचली अदालत में सेंगर को मिली सजा को कानून के मुताबिक माना जा रहा था, लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय ने जिस आधार पर उस सजा को निलंबित करने का आदेश दिया, वह स्वाभाविक ही विवादों के घेरे में आ गया। अब सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई है। दरअसल, इस घटना के बाद पीड़िता को जिन हालात का सामना करना पड़ा और उसके जीवन तक पर जिस तरह के जोखिम खड़े हुए थे।

एक दावा यह भी है कि अहमद शाह ने अपने पीर हज़रत शेख़ अहमद खट्टू गंज बख़्श की सलाह पर अहमदाबाद शहर बसया। लेकिन एक और लेखक खान बहादुर ने अपनी पुस्तक 'हिस्ट्री ऑफ़ गुजरात' में लिखा है कि अहमद शाह ने चार अहमदों, जिनमें एक उनके गुरू भी थे, के नाम पर शहर का नाम अहमदाबाद रखा। गुजरात के जाने-माने पत्रकार अच्युत याज्ञनिक और उनकी साथी सुचित्रा सेठ ने अपनी किताब अहमदाबाद फ्रॉम रॉयल सिटी टू मेगा सिटी में अहमदाबाद, कर्णावती और असावल की चर्चा की है। अहमदाबाद को अरबी और फ़ारसी इतिहासकारों ने इसे असावल कहा है, जबकि संस्कृत और प्राकृत साहित्य में इसे आशापल्ली कहा गया है।

राष्ट्रमंडल खेलों के बहाने क्या अहमदाबाद बन पाएगा कर्णावती

(उमेश चतुर्वेदी)

गुजरात के इस प्रमुख नगर को पहले कर्णावती के ही नाम से जाना जाता था। दस्तावेजों के मुताबिक, इसकी स्थापना 11वीं सदी में सोलंकी शासक कर्णदेव ने की थी। उसी के नाम के चलते इसे कर्णावती कहा जाता था। लेकिन बाद में वहां सुल्तान अहमद शाह ने आक्रमण किया और कब्जे के बाद उसने इस शहर के बगल में 1411 में 'अहमदाबाद' बसाया। राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी वर्ष के आयोजन की जिम्मेदारी अहमदाबाद को मिलने के बाद एक बार फिर उसका नाम बदलकर कर्णावती करने को लेकर सोशल मीडिया पर मांग तेज हो गई है। तर्क दिया जा रहा है कि राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन यानी साल 2030 तक गुजरात की पहली राजधानी को कर्णावती के नाम से जाना चाहिए। यह पहला मौका नहीं है, जब इस शहर का नाम बदलने की मांग हो रही है। जब साल 2018 में गुजरात के सहोदर राज्य महाराष्ट्र की तत्कालीन सरकार ने कई शहरों के नाम बदले, तब भी यह मांग उठी थी। लेकिन तब इसे अस्वीकार कर दिया गया था। वैसे भी भारतीय जनता पार्टी का जोर भारत के प्राचीन रूप और नाम पर रहा है, फिर गुजरात की सत्ता पर भाजपा तकरीबन तीन दशक से काबिज है, इसकी वजह से शहर को पुराने नाम की पहचान दिलाने की चाहत रखने वाले रह-रहकर मांग करते रहे हैं। गुजरात के इस प्रमुख नगर को पहले कर्णावती के ही नाम से जाना जाता था। दस्तावेजों के मुताबिक, इसकी स्थापना 11वीं सदी में सोलंकी शासक कर्णदेव ने की थी। उसी के नाम के चलते इसे कर्णावती कहा जाता था। लेकिन बाद में वहां सुल्तान अहमद शाह ने आक्रमण किया और कब्जे के बाद उसने इस शहर के बगल में 1411 में 'अहमदाबाद' बसाया। कर्णावती नाम करने की मांग के पीछे इस शहर को उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जड़ों से फिर से जोड़ने की चाहत से प्रेरित है। कुछ वैसे ही, जैसे उत्तर प्रदेश में फैजाबाद को बदलकर अयोध्या, मुगलसराय को बदलकर दीनदयाल उपाध्याय नगर, इलाहाबाद को बदलकर प्रयागराज कर दिया गया है। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद गौरवशाली अतीत से जुड़ने और उसकी संज्ञाओं को बहाल करने का दौर तेज हो गया है। अयोध्या में राममंदिर, वाराणसी में काशी-विश्वनाथ कॉरीडोर और उज्जैन में महाकाल कॉरीडोर बनने के बाद पुनरूत्थानवादी सोच और प्रक्रिया को और बल मिला है। ऐसे में अहमदाबाद को पुराने कर्णावती नाम से जानने-पुकारने की इच्छा होना अचरज की बात नहीं है। कर्णावती नाम करने को लेकर कभी इसी शहर के एलिसब्रिज से विधायक और अब गांधीनगर से सांसद गृहमंत्री अमित शाह और अहमदाबाद पूर्व से लोकसभा सदस्य रहे हंसमुख भाई पटेल नकार चुके हैं। यह बात और है कि कभी हसमुख पटेल खुद भी कर्णावती नाम करने के लिए अभियान चला चुके थे। उन्होंने खुद 1995 और 2000 में नाम बदलने के लिए आवेदन भी दिया था, लेकिन इसे नकार दिया गया था। बाद में उन्होंने ही 2005 में शहर को हेरिटेज सिटी यानी विरासत शहर का दर्जा देने की मांग की थी। इसके बाद वे कर्णावती नाम किए जाने की मांग से पीछे हट गए थे। तब उन्होंने कहा था कि अब अगर अहमदाबाद शहर का नाम बदलकर कर्णावती किया गया तो उसे वर्ल्ड हेरीटेज सिटी का दर्जा मिलना मुश्किल हो जाएगा। साल 2018 में गुजरात के तत्कालीन उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा था कि राज्य सरकार अहमदाबाद का नाम बदलकर कर्णावती करने पर विचार कर रही है। राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी ऐसा कहते रहे। तब उनकी राय सामने आने के बाद अहमदाबाद के इतिहास को लेकर नई बहस छिड़ गई थी। इसी तरह जब से अहमदाबाद को 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन का जिम्मा मिला है, एक बार फिर यही बहस तेज हो गई है। अहमदाबाद ही कर्णावती था, इसकी जानकारी कई ऐतिहासिक पुस्तकों में मिलती है। ऐसी ही एक पुस्तक है, गुजरात विश्वविद्यालय में फ़ारसी के प्रमुख रहे छोटूभाई नायक की किताब 'हिस्ट्री ऑफ़ इस्लामिक सल्तनत इन गुजरात'। इसमें छोटू भाई नायक ने बताया है कि गुजरात के पहले स्वतंत्र शासक मुज़फ़्फ़रशाह ने अपने चार लड़कों को दरकिनार करते हुए अपने पोते अहमद शाह को अनहिलवाद के सिंहासन पर बैठा दिया था। जिसे आज हम पाटन के नाम से जानते हैं। इसी मुज़फ़्फ़र शाह के पांच बेटे थे, फ़िरोज़ ख़ान, हैबत ख़ान, सादत ख़ान, तातार ख़ान और शेर ख़ान। जिस अहमद शाह ने अहमदाबाद बसाया, वह तातार ख़ान का बेटा था। अहमद शाह के चाचाओं को इस बात का मलाल रहा कि राज्य में उन्हें हिस्सा नहीं मिला। गुजरात के इतिहास पर अंग्रेज लेखक एडवर्ड क्लाइव बेले की मशहूर किताब है, 'द लोकल मौह्मडन डायनेस्टीज़- गुज़रात'। इसमें उन्होंने मुजफ्फरशाह परिवार के संघर्ष पर प्रकाश डाला है। इस पुस्तक में बताया गया है कि फ़िरोज़ ख़ान का बेटा और अहमद शाह का चचेरा भाई मौदूद तब बड़ोदा का गवर्नर था। मौदूद ने अपने पिता फ़िरोज़ ख़ान के साथ मिलकर अहमद शाह के ख़िलाफ़ बग़ावत छेड़ने की तैयारी की और अपने साथ अमीर मुसलमानों को मिलाना शुरू किया। इस पुस्तक के मुताबिक, तत्कालीन दो हिंदू सरदारों, जीवनदास खत्री और प्रयागदास ने भी फ़िरोज़ ख़ान का साथ दिया। छोटू भाई शाह की पुस्तक के अनुसार, मालवा के सुल्तान हुशांग शाह ने भी अहमद शाह के ख़िलाफ़ बग़ावत में फ़िरोज़ ख़ान का साथ दिया था। अहमद शाह के ख़िलाफ़ खड़ी हो रही सेना की अगुआई मौदूद के हाथ थी, उसने जीवनदास को अपना वज़ीर घोषित कर दिया। जीवनदास ने पाटन पर हमले की सलाह दी। लेकिन कई ने इसका विरोध किया। कुछ लोग ऐसे भी रहे, जिन्होंने समझौते का प्रस्ताव रखा था। लेकिन दोनों पक्षों में विवाद इतना बढ़ा कि कुछ लोगों ने पलट कर अहमद शाह से मिल गए। बहरहाल बाद में संघर्ष हुआ, जिसमें जीवनदास खत्री मारा गया। इसके बाद मौदूद को मजबूरी में खंबात का रूख करना पड़ा। वहां सूरत के शेख मलिक और रेंडर से उसकी मुलाकात हई। इस बीच अहमद शाह उसका पीछा करता रहा और उसने जल्द ही मौदूद को गिरफ्तार करके भरूच किले को घेर लिया। बाद में सुल्तान को मौदूद पर दया आ गई और उसने मौदूद को रिहा करके वापस लौट गए। पाटन लौटते वक्त अहमदशाह ने साबरमती के किनारे असावल नामक कस्बे के पास डेरा डाला था। जिसके प्रमुख आशा भील थे। इसका जिक्र फारसी भाषा में लिखी अली मुहम्मद ख़ान की किताब मिरात-ए-अहमदी में जिक्र मिलता है। छोटूभाई नायक भी अपनी किताब में यही बात लिखते हैं। जहां सुल्तान रुका था, वहीं उसने नया शहर बसाने का फ़ैसला किया। इसके बाद सुल्तान अपनी सेना लेकर आए जिसके बाद असावल के सरदार आशा भील को अपना क़स्बा छोड़कर भागना पड़ा। लेकिन आशा भील इसका विरोध कर रहे थे। लेकिन अहमदशाह की सेना के सामने वह टिक नहीं पाए और उन्हें पलायन करना पड़ा। फिर अहमदाबाद शहर की नींव 1411 के फरवरी-मार्च महीने में रखी गई।

गुरु की गर्जना, सभ्यता की शपथ- सवा लाख से एक लड़ाने वाला महासंत

(प्रणय विक्रम सिंह)

इतिहास के कुछ क्षण ऐसे होते हैं, जब कोई व्यक्ति नहीं, पूरी सभ्यता बोलती है। गुरु श्री गोबिन्द सिंह जी महाराज ऐसे ही क्षणों की आवाज हैं। वे किसी युग के साधु नहीं, सभ्यता के सेनापति थे। वे उस समय खड़े हुए, जब सनातन संस्कृति को मिटाने की योजनाएं तलवार से कम और विश्वासघात से अधिक रची जा रही थीं। उस समय गुरु ने समझौता नहीं किया, संघर्ष का शंखनाद किया।उस अंधकार में गुरु का जीवन दीपशिखा बनकर जला, न केवल सिख पंथ के लिए, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय चेतना के लिए। गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज ने धर्म को पूजा की परिधि से निकालकर जीवन का साहस बनाया। उनके लिए स्वधर्म का अर्थ आत्मरक्षा भर नहीं था, बल्कि समाज और संस्कृति की रक्षा था। वे जानते थे कि जब अन्याय संगठित हो जाए, तो सत्य को भी संगठित होना पड़ता है। ऐसे समय पर धर्म का मौन अपराध बन जाता है। यही कारण है कि गुरु ने शास्त्र से शील और शस्त्र से शौर्य दोनों को एक ही श्वास में साधा। यही संत-सैनिक परंपरा है। यही खालसा है। और यही सनातन की वह चेतना है, जो संकट में तपकर और तेजस्वी होती है। इसी कारण इतिहास में वह गर्जना गूंजती है कि सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं। यह पंक्ति कविता नहीं, घोषणा है। यह अहंकार नहीं, आत्मविश्वास है। यह संख्या की चुनौती नहीं, चरित्र की कसौटी है। गुरु कहते हैं कि मैं तब ही गुरु कहलाऊंगा, जब भयभीत भी वीर बनें, जब कमज़ोर भी शेर बनें, जब दमन के आकाश में उड़ती चिड़िया भी बाज से भिड़ने का साहस करे। यही खालसा का संकल्प हैः गिनती से नहीं, गुण से लड़ना। सिख पंथ कोई पृथक मार्ग नहीं, सनातन चेतना का ओजस्वी, उज्ज्वल और निर्भीक विस्तार है।सनातन परंपरा के पुनरुत्थान की उद्घोषणा है। गुरु गोबिन्द सिंह जी की वाणी में वेदों का विवेक है, गीता का कर्मयोग है और शक्ति-उपासना का ओज है। चंडी चरित्र में वे महाशक्ति का आह्वाहन करते हैं, चौबीस अवतार में विष्णु परंपरा का विस्तार करते हैं और 'शुभ करमन से कबहुँ न टरौं' में उसी सनातन प्रतिज्ञा को स्वर देते हैं, जिसने भारत को कभी पराजित नहीं होने दिया। गुरु के लिए राम, कृष्ण, दुर्गा प्रतीक नहीं संस्कार हैं। युद्धभूमि की प्रेरणा हैं। उनका जीवन सुविधाओं का नहीं, संघर्षों का सिंहनाद है। बलिदानों की बरछी है। आनंदपुर की घेराबंदी, चमकौर का रण, सरहिंद का रक्तरंजित अध्याय ये सब बताते हैं कि गुरु ने धर्म के लिए केवल प्रवचन नहीं दिए, वंश अर्पित कर दिया। 'जफरनामा' कोई शिकायत नहीं, बल्कि विजय-पत्र है। उस सत्य की विजय, जो सत्ता के सिंहासन से भी ऊंचा होता है। जब गुरु कहते हैं कि अब झूठी कसमों पर भरोसा नहीं, तो वह केवल औरंगज़ेब को नहीं, पूरी इस्लामी छल-परंपरा को ललकार रहे होते हैं। चार साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास का वह शिखर है, जहां काल भी नतमस्तक हो जाता है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5958

	9	6		4			3	
	5	7	8	2				
1			9			5		
		9		1				8
5								2
4				9		6		
		4			3			1
				7	9	2	6	
	2			5		9	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5957

2	3	5	6	4	7	9	8	1
1	8	9	5	3	2	4	7	6
7	4	6	8	9	1	2	5	3
4	5	1	9	7	8	3	6	2
3	6	8	1	2	5	7	9	4
9	7	2	3	6	4	5	1	8
6	9	7	4	1	3	8	2	5
8	1	3	2	5	9	6	4	7
5	2	4	7	8	6	1	3	9

वर्ग पहेली 5958

संकेत: बाएं से दाएं

1. 5 मई 1916 को भारत के इस पूर्व राष्ट्रपति (25 जुलाई 1987) ने जन्म लिया था (6)
7. अंधकार, तमोगुण, विषय वासना रूपी अज्ञान (2)
8. अगाध, गहन, घनिष्ठ (3)
9. चक्षु, नेत्र, आंख (3)
11. पावती, पहुंच पत्र (3)
14. राष्ट्र, देश, मुल्क (3)
15. कुली से करोड़पति बनने की अमिताभ बच्चन की एक फिल्म (3)
17. स्वांग, आउटफिट, ड्रैस (2)
18. अक्षदंड, आक का पौधा, गंध द्रव्य (3)
20. अनुनय, नम्र व्यवहार (3)
21. पेट के बल, अनुत्तान, यवनिका (2)
22. घोड़ा, कीकान, रथ वाहक (2)
23. समूह, गुट, फूल की पंखुडी (2)

ऊपर से नीचे

1. मालूम, जो जानकारी में हो (2)
2. नीरोग, चंगा, तंदरूस्त (3)
3. वे दिन जिसमें विवाह आदि संपन्न कराऐ जाते हो (3)
4. शेर, फलित ज्योतिष की बारह राशियों में से एक (2)
5. हल्का बुखार आने की अवस्था यह कहलाती है (4)
6. एक प्रसिद्ध विस्फोटक चूर्ण (3)
10. हजरत मूसा के धर्म का अनुयायी (3)
12. फ्रांस कीयह नदी इंग्लिश चैनल में जाकर गिरती है, पेरिस शहर इस नदी के किनारे स्थित है (2)
13. भारतीय आर्यों के सर्वप्रधान धार्मिक ग्रंथों में से एक जिसकी एक संहिता है जिसमें 1810 ऋचाऐं है भारतीय संगीत शास्त्र का आरंभ इसी से होता है (4)
14. वरदाता, वर देने वाला (5)
16. विष्णु का पांचवां अवतार जो राजा बलि को छलने के लिए हुआ था (3)
19. जिसे टाला न जा सके, स्थाई (3)
20. जगत, संसार, दुनिया (2)
21. ओहदा, पदवी (2)

वर्ग पहेली 5957 का हल

ब्रि	टे	न		र	घु	वं	श
ज	ल	ज			न		ल
	र	फ	बु	क		न	भ
सु			डा	ल	दा	र	
ख	रा		पे	श	गी		क
दा		पे	स्ट				र्ना
य	म	ज		क	र	व	ट
क	ला		भ्र	ष्ट		ह	क

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन परिवारजनों के साथ गुजरेगा। शाम से लेकर रात तक पत्नी व बच्चों के साथ आस-पास की यात्रा का योग बन रहा है। आज व्यापार में भी आरको प्रगति देखने को मिलेगी। इससे आप प्रसन्न रहेंगे और आपका दिन अच्छा बीतेगा। वैवाहिक जीवन भी आज आनन्द दायक दिख रहा है। छात्रों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा महसूस होगा।

वृष
आज दिन शुभ दिखाई दे रहा है। राशि स्वामी शुक्र की अष्टम आयु भाव में स्थिति और चन्द्रमा का मीन राशि में संचार आश्चर्य और मन को संतोष का देने वाला रहेगा। इस दौरान लंबे समय से इंतजार कर रहे किसी शुभ समाचार को सुनकर मन प्रसन्न हो जाएगा। वही, रात का समय घर-परिवार के लोगों के साथ हास्य विनोद में व्यतीत होगा।

कर्क
आज आपके स्वभाव, कार्यक्षेत्र और मानसिक स्थिति पर दिखाई देगा। आज जो भी काम आप करेंगे सरलता बनते चले जाएएंगे। व्यर्थ के कार्यों में समय बर्बाद न करें। खर्च में कटौती करना बहुत आवश्यक है। जायदाद या किसी अन्य मूल्यवान वस्तु की सौदेबाजी करने से पहले उसके सारे वैधानिक दस्तावेजों का अच्छी तरह अध्ययन कर लें।

सिंह
आज का दिन अत्यंत शुभ फल देने वाला संयोग बना रहे हैं। इसके प्रभाव से आपके किए गए प्रयासों में सफलता मिलने की संभावना प्रबल रहती है। वहीं, आपके पराक्रम में वृद्धि से शत्रुओं का मनोबल गिरेगा। बच्चे खेल कूद में व्यस्त रहेंगे। दूसरों की मदद करने से आपको सुकून मिलेगा। शाम के समय में किसी विद्वान व्यक्ति से मिलने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

मिथुन
आज आपको सांसारिक सुखों की प्राप्ति होगी, मान-सम्मान में वृद्धि होगी और भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। इस दौरान नई खोजों में भी आपकी रुचि बढ़ेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात के योग बन रहे हैं। इससे आपके अंदर नई आशाओं का संचार होगा।

कन्या
आज संतान पक्ष से हर्ष और लक्ष्मी की बड़ी मात्रा में प्राप्ति के संकेत दे रहा है। अपनी उत्तम कार्यशैली व विनम्र स्वभाव का आज भी आपको लाभ मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा।

तुला
आज आपकी अपने साथियों के बीच लोकप्रियता बढ़ेगी। किसी राजनयिक से निकटता व दोस्ती होगी। आगे चलकर उसके अनुभव का लाभ भी आपको होगा। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। छात्रों को सलाह है कि अपना अधिक से अधिक समय अध्ययन में लगाएं। सायंकाल से लेकर रात्रि का समय पूजा व किसी धार्मिक अनुष्ठान में व्यतीत होगा।

वृश्चिक
आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। हालांकि, आपको थोड़ा सतर्क भी रहना होगा। किसी भी मामले में जल्दबाजी में लिया फैसला नुकसान का कारण बन सकता है। व्यक्तिगत मतभेदों को व्यावसायिक मामलों के बीच में लाने से हानि हो सकती है। प्रेमी या किसी अन्य निकट के व्यक्ति से कोई कहासुनी हो सकती है। ऐसे में बातचीत से मामले को सुलझाना बेहतर रहेगा।

मकर
आज विरोधियों पर जीत मिलेगी। आज आपके विरोधी परास्त होते चले जाएंगे। पारिवारिक जीवन भी सुखमय रहेगा। राजनीतिक सहयोग से सफलता का मार्ग प्रशस्त होगा। हालांकि, इस दौरान वाणी पर संयम रखना आपके लिए जरूरी होगा। रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें। सायंकाल से लेकर रात्रि तक जीवनसाथी के साथ स प्रगाढ़ होंगे। यात्रा में सावधान रहें।

कुंभ
आज आपके ग्रह आपकी प्रगति कर रहे हैं। हालांकि, सुबह से ही आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है। किसी मंगलमय या धार्मिक आयोजन की व्यवस्था में व्यस्त रहेंगे। पिता व उच्चाधिकारियों से शाबाशी मिलेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि देर तक जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। थकान से थोड़ी परेशानी हो सकती है। इससे आपके दिमाग को भी रिलेक्स मिलेगा।

धनु
आज अपने स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान देना होगा। आज किसी प्रिय व्यक्ति के स्वास्थ्य को लेकर भी आप चिंतित रह सकते हैं। काम का भार भी आज कुछ ज्यादा देखने को मिलेगा। अपने जूनियर से काम निकालने के लिए प्यार से काम लेना आपके लिए बेहतर होगा। घर में भी वातावरण हल्का फुल्का बना रहेगा। आपके सभी काम खुशी-खुशी बनते जाएंगे।

मीन
आज का दिन शुभ समाचार लेकर आया है। आज आपको कोई उपहार या सम्मान मिल सकता है। कोई पुरानी महिला मित्र से अकस्मात् धन लाभ होने के योग बनते दिख रहे हैं। रोजी-रोजगार की दिशा में भी आपको अप्रत्याशित सफलता मिलेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक अनचाही यात्रा का योग है। यह यात्रा आपके लिए लाभप्रद सिद्ध होगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

डेंटल सर्जन से अभिनेत्री बनी श्रेया शर्मा, धैर्य और विश्वास के बल पर मस्ती 4 में बनाई जगह

डेंटल सर्जन से अभिनेत्री बनने तक श्रेया शर्मा का सफ़र किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। हरियाणा के एक मेडिकल परिवार से निकलकर उन्होंने अपने सुरक्षित करियर को छोड़ अभिनय के सपने को चुना। बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के मुंबई आकर श्रेया शर्मा ने संघर्ष, ऑडिशन और अस्वीकृतियों का सामना किया। मेहनत, धैर्य और अपने सपनों पर अटूट विश्वास के बल पर उन्होंने मस्ती 4 जैसी बड़ी फिल्म में अपनी जगह बनाई।

कितने ऑडिशन दिए और किसी प्रोजेक्ट को करने से पहले कितनी बार रिजेक्ट हुईं?
जब मैं पहली बार मुंबई पहुंची, तो सबसे बड़ी दिक्कत ये थी कि आखिर रहूं कहां। घर ढूंढने में ही एक महीना लग गया। फिर तीन महीने बाद मैंने काम की तलाश शुरू की। मेरा मेडिकल बैकग्राउंड था, इसलिए इंडस्ट्री के बारे में उतना आइडिया नहीं था। मैंने एक लिस्ट बना ली थी कि इंडस्ट्री में किन-किन लोगों से मुझे मिलना है। मैंने अपना एक अच्छा-सा पोर्टफोलियो भी तैयार किया, ताकि ये दिखा सकूं कि मैं किस तरह के काम करना चाहती हूं। मैंने काफी सारे वर्कशॉप्स भी किए हैं। मैं एक वुमन आर्मी हूं और इंडस्ट्री में मैंने थोड़ा लेट कदम रखा है, लेकिन मुझे एक्टिंग से प्यार है और वो मुकाम मैं जरूर हासिल करूंगी।

मस्ती 4 फिल्म कैसे मिली आपको? कितना पापड़ बेलना पड़ा इस फिल्म को हासिल करने के लिए?
मैंने एक फिल्म की शूटिंग खत्म की थी। उस फिल्म के बाद मैं एक प्रोड्यूसर के ज़रिए मिलान मिलाप जावेरी सर से मिली। उस वक्त मस्ती 4 के ऑडिशन चल रहे थे। मैंने अपनी फिल्म के किरदार 'आंचल' नाम की लड़की के लिए ऑडिशन दिया। जब मिलाप सर मुझे उस किरदार के बारे में बता रहे थे कि वो लड़की अपने हसबैंड का फोन चेक करती है, लोकेशन मंगवाती है, तो मैंने उनसे कहा कि सर, मैं तो रियल लाइफ में भी ऐसी ही हूं। ऑडिशन देने के बाद मैंने बहुत लंबा इंतज़ार किया और डेली कॉल करके पूछा करती थी। मैं किसी भी हाल में ये फिल्म करना चाहती थी, क्योंकि इसी फिल्म से मुझे इंडस्ट्री में ब्रेक मिलता। और कौन नहीं चाहता है आफताब शिवदासानी, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख और अरशद वारसी जैसे एक्टर्स के अपोजिट काम करना, मेरे लिए ये एक बहुत बड़ी ऑपर्च्युनिटी थी।

शरारत मेरे लिए सपने सच होने जैसा

सुपरहिट फिल्म धुरंधर इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हर दिन शानदार कमाई कर रही है। एक तरफ जहां लोगों को इसकी कहानी पसंद आ रही है, तो वहीं इसके एक चर्चित गाने शरारत को भी काफी पसंद कर रहे हैं। इस गाने में टीवी की मशहूर एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा ने अपने शानदार डांस और स्टाइलिश अंदाज से दर्शकों का दिल जीत लिया है। शरारत में उनके डांस मूव्स को न सिर्फ पसंद किया जा रहा है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी यह गाना जमकर वायरल हो रहा है। इस गाने में उनके साथ बिग बॉस 17 फेम आयशा खान भी नजर आई और दोनों की केमिस्ट्री को दर्शक खूब सराह रहे हैं। आईएएनएस से बातचीत के दौरान क्रिस्टल डिसूजा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, 卐शरारत जैसे गाने के जरिए धुरंधर जैसी बड़ी फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। जब मुझे इस गाने का ऑफर मिला, तब मेरे लिए गाने से ज्यादा फिल्म की स्टारकास्ट मायने रखती थीं, क्योंकि इसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। ऐसे बड़े नामों के साथ जुड़ना ही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी।

क्रिस्टल ने बताया, जब मैंने गाने की शूटिंग शुरू की, तब मुझे इसका कोई अंदाजा नहीं था कि शरारत गाने को कितना फुटेज मिलेगा, कितनी स्क्रीन टाइम होगी, या यह गाना कितना पॉपुलर होगा। मैंने बिना किसी उम्मीद के इस प्रोजेक्ट को हां किया था, क्योंकि मैं बस इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी। आज जब यह गाना दुनियाभर में पसंद किया जा रहा है, तो यह देखकर बेहद खुशी महसूस हो रही है। उन्होंने बताया कि इस गाने की शूटिंग महज तीन दिनों में पूरी की गई थी, लेकिन मेहनत और एनर्जी पूरी टीम ने भरपूर लगाई। जब उनसे कोरियोग्राफर विजय गांगुली के एक इंटरव्यू के बयान को लेकर पूछा गया, जिसमें उन्होंने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने सबसे पहला नाम तमन्ना भाटिया का दिया था, तो इस सवाल पर क्रिस्टल ने बेहद सादगी के साथ जवाब देते हुए कहा, तमन्ना बेहद खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं और उनका अंदाज सबसे अलग है। लेकिन मेरा मानना है कि जो चीज आपकी किस्मत में होती है, वही आपको मिलती है। यह गाना मेरी और आयशा खान की किस्मत में लिखा था और इसलिए यह हमें मिला।

सलमान की फिल्म से क्लैश नहीं करेगी आलिया की फिल्म, अल्फा की रिलीज डेट आगे बढ़ाई गई

आलिया भट्ट और सलमान खान की फिल्मों के बीच होने वाली बॉक्स ऑफिस टक्कर अब नहीं होगी। यह टक्कर अगले साल अप्रैल के महीने में होने वाली थी। आलिया की आने वाली फिल्म अल्फा की रिलीज तारीख बदल दी गई है। यह फिल्म पहले 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली थी। अब मेकर्स नई रिलीज तारीख जल्द बताएंगे। इस फैसले की जानकारी ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने शनिवार को अपने एक्स अकाउंट पर दी।

उन्होंने लिखा कि यह फैसला सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान से सीधी टक्कर से बचने के लिए लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रोडक्शन हाउस यश राज फिल्म्स अब थिएटर कैलेंडर देखकर नई तारीख तय करेगा। पोस्ट में उन्होंने लिखा कि पहले 2 अप्रैल 2026 की तारीख तय थी, लेकिन अब उस तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है। आने वाले कुछ महीनों में नई रिलीज तारीख का ऐलान होगा। यह दूसरी बार है जब अल्फा की रिलीज टली है। इससे पहले यह फिल्म क्रिसमस 2025 पर रिलीज होनी थी। बाद में पोस्ट-प्रोडक्शन के लिए ज्यादा समय देने के चलते इसकी रिलीज डेट 2 अप्रैल 2026 तय की गई। फिल्म में आलिया भट्ट के साथ शरवरी और बॉबी देओल अहम रोल में हैं। हाल ही में फिल्म वार 2 के पोस्ट क्रेडिट सीन में अल्फा से जुड़ा एक सीन दिखाया गया था। उस सीन में बॉबी देओल की एंट्री दिखाई गई। सीन में वह एक लड़की के हाथ पर एजेंसी का लोगो लगाते हैं। लड़की पूछती है कि इसका क्या मतलब है। वह जवाब देते हैं कि अल्फा ग्रीक अल्फाबेट का पहला अक्षर है। यह उनके प्रोग्राम का मोटो है। इसका मतलब है, सबसे पहला, सबसे तेज और सबसे मजबूत।

बैटल ऑफ गलवान में नजर आएंगे सलमान

वहीं सलमान खान स्टारर बैटल ऑफ गलवान की बात करें, तो इसे अपूर्व लाखिया डायरेक्ट कर रहे हैं। यह फिल्म साल 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर आधारित है, जो बिना एक भी गोली चलाए लड़ी गई थी।

किच्चा सुदीप ने कैमियो कल्चर पर निकाली भड़ास

साउथ एक्टर किच्चा सुदीप की फिल्म मार्क 25 दिसंबर, 2025 को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इसमें उन्होंने अजय मार्कंडेय का किरदार निभाया है, जो सस्पेंडेड पुलिस ऑफिस है। अब इस मूवी को जहां क्रिटिक्स का पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। वहीं, एक्टर ने एक इंटरव्यू में कैमियो को लेकर कुछ विवादित कह दिया है। एक इंटरव्यू में किच्चा सुदीप ने कहा कि एक्टर के तौर पर उन्होंने दूसरी भाषाओं की फिल्मों में कैमियो रोल किया है लेकिन एक्टर्स साउथ की फिल्मों में एक्ट करने नहीं आ रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि उन्होंने कुछ कलाकारों को पर्सलनी भी कहा था। उनसे गुजारिश की थी लेकिन कुछ नहीं हुआ।

किच्चा सुदीप ने दूसरी इंडस्ट्रीज पर निकली भड़ास

एक्टर ने कहा, हम दूसरी भाषाओं की फिल्मों में कैमियो रोल कर रहे हैं, लेकिन कलाकार हमारी फिल्मों में आकर अभिनय नहीं कर रहे हैं। मैंने कुछ आर्टिस्ट्स से व्यक्तिगत रूप से अनुरोध भी किया, लेकिन बात नहीं बनी। यह दोनों पक्षों के सहयोग से होना चाहिए, लेकिन मुझे अभी ऐसा होता नहीं दिख रहा है। यहां तक कि शिवराजकुमार सर ने भी जेलर में अभिनय किया था, जिससे ये साफ दिखता है कि दूसरी इंडस्ट्रीज के बीच आपसी सहयोग कैसा होना चाहिए।

किच्चा सुदीप ने फ्री में की थी दबंग 3

पैसे से ज्यादा दोस्ती को अहमियत देने की बात करते हुए एक्टर ने दबंग 3 के बारे में कहा, मैंने दूसरी भाषाओं में फिल्में दोस्ती के लिए कीं, पैसे के लिए नहीं। मैंने दबंग 3 में इसलिए काम किया क्योंकि सलमान भाई ने मुझसे खुद गुजारिश की थी, और मैंने इसके लिए कोई फीस नहीं ली। मैंने पुली भी थलपति विजय की वजह से की। वो कभी किसी के बारे में बुरा नहीं बोलते, और मुझे ये बात अच्छी लगती है। लेकिन नानी की स्क्रिप्ट ऐसी थी, जिसने मुझे सच में इम्प्रेस किया।

नागिन 7 में प्रियंका जैसी सच्ची दोस्त मिलने के लिए शुक्रगुजार हूं

बिग बॉस 18 से निकलकर नागिन फ्रैंचाइजी में एंट्री करने वाली टीवी एक्ट्रेस ईशा सिंह ने बातचीत के दौरान अपनी जर्नी, फैमिली सपोर्ट, प्रियंका और नमिक जैसे को-स्टार्स से बॉन्डिंग, मुंबई-भोपाल के फर्क और नेगेटिविटी से दूर रहने की सीख शेयर कीं।

नागिन इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी है। बिग बॉस 18 में रहते हुए ही इसकी बात पता चल गई थी। उस वक्त तो बता नहीं सकती थीं। पहली बार जब पता चला, तो क्या फीलिंग हुई?

कलर्स मेरे लिए घर जैसा है। इतना बड़ा फ्रेंचाइजी, ऊपर से एकता मैम का शो और बालाजी टेलीफिल्म्स,सब कुछ परफेक्ट। ऑफर आया तो सोचा क्यों न ट्राई करें, कैरेक्टर बिल्कुल अलग था। नागिन शूटिंग ने नए मौके खोले।

फैंस सोच रहे हैं कि आप खतरों के खिलाड़ी करेंगी?

पिछले साल खतरों के खिलाड़ी में बहुत बुरा अनुभव हुआ था। अभी कोई प्लान नहीं है, लेकिन कभी-कभी नेवर कहकर भी कर लिया जाता है। बिग बॉस से पहले भी मैंने मना किया था, लेकिन कर लिया। हो सकता है अगले साल सांप-बिच्छू वाले स्टंट्स कर रही हूं।

बहुत शानदार शुरुआत हुई है। प्रियंका भी बिग बॉस में रह चुकी हैं, नामिक पॉल भी हैं, ये कमाल के कलाकार हैं। इनके साथ आपकी बॉन्डिंग कैसी रही? शूटिंग का आपका अनुभव कैसा रहा?

बहुत अच्छा रहा। सिर्फ ये दो नहीं, बाकी सारे कलाकार भी बहुत अच्छे लोग थे। प्रियंका तो मेरी बहन जैसी लगने लगी है, शो में भी सिस्टर-सिस्टर का बॉन्ड है और ऑफ-स्क्रीन भी। वो फैमिली जैसी हैं, बहुत खूबसूरत इंसान हैं, प्यारी लड़की। हम दोनों बहुत अटैच्ड हैं। इस शो से मुझे कई अच्छे दोस्त मिले, और नागिन 7 में प्रियंका जैसी सच्ची दोस्त मिलने के लिए हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी।

आप कमाल लग रही हैं। प्रियंका का लुक भी शानदार है, क्योंकि उन्हें डबल रोल निभाना है। पेरेंट्स, भाई और रुद्राक्ष का रिएक्शन कैसा रहा?

अभी उनका रिएक्शन देखना बाकी है। मैंने सिर्फ फर्स्ट एपिसोड की कुछ क्लिप्स देखी हैं, लेकिन वो लोग देख चुके हैं। इंतजार कर रही हूं कि उन्हें कैसा लगा। रुद्राक्ष तो हमेशा मेरा मजाक उड़ाता है, बिग बॉस में भी उड़ाया था। लेकिन वो बहुत सपोर्टिव है और ऑनेस्ट फीडबैक देता है। कैसी लग रही हो, वैसी लग रही हो। उसका रिएक्शन बहुत मायने रखता है।

बिग बॉस से भी बहुत कुछ सीखा होगा आपने?

हां, बहुत कुछ सीखा। उस शो ने 3 महीनों में जितना सिखाया, वैसा शायद कहीं और न मिले। वहां सिचुएशन, लोगों और स्ट्रेस को मैनेज करना सीख जाते हो। बाहर आते वक्त इतना कॉन्फिडेंट हो जाते हो कि एक शील्ड लग जाती है। अब फर्क नहीं पड़ता। पहले जो चीजें अफेक्ट करती थीं, रुलाती थीं, अब वो कुछ नहीं करतीं।

वीकेंड पर आपके दो शोज बैक-टू-बैक आ रहे हैं। लाफ्टर शेफ्स तो कमाल चल रहा है, और नागिन की जोड़ी भी। ये एक्सपीरियंस कैसा रहा? कभी सोचा था कि प्राइम टाइम पर ऐसा होगा?

भगवान ने सपनों से कहीं ज्यादा दिया है। इसके लिए हमेशा आभारी हूं। लाफ्टर शेफ्स को इतना प्यार मिला, नागिन को भी मिलेगा। शनिवार-रविवार 8 से 9 बजे नागिन में मिलूंगी, 9 से 10 बजे लास्ट शेफ्स में।

आपकी लॉयल्टी कमाल की है, पुराने को-स्टार्स के साथ बार-बार काम करते रहते हो?

अविनाश के साथ मेरी जोड़ी इतनी जबरदस्त है कि जब तक बाल नोचते नहीं, दुनिया हमें अलग नहीं कर सकती। शायद लास्ट शेफ्स के आखिरी शॉट्स में ही बाल नोचने वाले होंगे।

संक्षिप्त समाचार

भूमाफिया पर कठोर कार्रवाई हो, समय से की जाए जमीन की पैमाइश

गोरखपुर, एजेंसी। यूपी के गोरखपुर में कड़ाके की ठंड के बावजूद सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनता दरबार में पहुंचे। उन्होंने फरियादियों से मुलाकात की। करीब 150 फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि भूमाफियाओं पर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही जमीन की पैमाइश सही समय पर हो। सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में फरियादी भूमि विवाद लेकर पहुंचे थे। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि कोई दबंग, माफिया किसी जमीन पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कत्तई बख्शे नहीं जाएंगे। जहां पैमाइश की जरूरत हो वहां समय से पैमाइश हो। विवाद का निस्तारण कराया जाए। जनता दर्शन में बीमारी को लेकर तीमारदार भी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि इलाज में अस्पताल से इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूरा कर कर शासन भेजें। विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी।

महात्मा गांधी और नेहरू का भारत लिंचिस्तान में तब्दील हो रहा: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार जारी हैं और दावा किया कि सांप्रदायिक सद्भाव का सबसे अच्छा उदाहरण जम्मू कश्मीर है। अनंतनाग में 'कठ बात' नामक एक सार्वजनिक संवाद के बाद पत्रकारों से महबूबा ने कहा, 'अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बेरोकटोक जारी हैं। गांधी (महात्मा गांधी) और नेहरू (जवाहरलाल नेहरू) का भारत लिंचिस्तान में तब्दील होता जा रहा है।' जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंसा की घटनाओं का अंत होना चाहिए और सभी समुदायों को पहले की तरह एक साथ रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'सांप्रदायिक सद्भाव का सबसे अच्छा उदाहरण जम्मू कश्मीर है, जहां लोग कंधे से कंधा मिलाकर रहते हैं।' महबूबा ने कहा कि 'कठ बात' लोगों, विशेषकर युवाओं के लिए एक ऐसा मंच है, जहां वे अपने सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'जम्मू कश्मीर के लोग एक कठिन दौर से गुजर रहे हैं क्योंकि वे घुटन महसूस कर रहे हैं और अपनी राय व्यक्त करने में असमर्थ हैं। यह उनके लिए अपनी आवाज उठाने का एक मंच है।' सामान्य वर्ग के छात्रों द्वारा आरक्षण नीति के विरोध में आयोजित प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया है। उन्होंने पूछा, 'उन्हें (छात्रों को) शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति क्यों नहीं दी जा रही है?'

ग्रेट खली को राहत, उनकी पुश्तैनी जमीन पर कब्जे का दावा सही

शिमला, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई के पूर्व चैंपियन ग्रेट खली को हिमाचल प्रदेश में लंबे समय से चल रहे पुश्तैनी जमीन विवाद में जीत मिली है। उनकी पैतृक जमीन पर दूसरे पक्ष के अवैध तरीके से कब्जे की जांच की मांग स्वीकार ली गई है। इसके लिए एक विशेष जांच दल बनाया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, तत्कालीन तहसीलदार और अधीनस्थ राजस्व कर्मचारियों ने राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर कर यह जमीन दूसरे पक्ष को सौंप दी थी। शिकायतों के बाद जिला प्रशासन ने जमीन ट्रांसफर करने की वैधता का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) ने निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक अवकाश प्राप्त नायब तहसीलदार और एक अवकाश प्राप्त कानूनगो के साथ-साथ दूसरे राजस्व मंडल के एक सेवारत कानूनगो और एक पटवारी को मिलाकर विशेष जांच दल बनाया है।

हिमाचल में डॉक्टरों ने वापस ली हड़ताल

सीएम सुक्खू ने दिया बर्खास्त डॉक्टर को बहाल करने का आश्वासन

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश में पिछले दो दिनों से जारी रेजिडेंट डॉक्टरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त हो गई है। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) शिमला की रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने रविवार देर शाम एक प्रेस रिलीज जारी कर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से मिले आश्वासन के बाद हड़ताल तत्काल प्रभाव से वापस लेने की घोषणा की। हड़ताल समाप्त होने से प्रदेश के अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंचे मरीजों और उनके परिजनों को बड़ी राहत मिली है।

रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन आईजीएमसी शिमला की ओर से कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने एसोसिएशन को आश्वासन दिया है कि डॉ. राघव नरूला की टर्मिनेशन से जुड़े मामले में विस्तृत जांच शुरू की जाएगी और उनकी सेवाएं समाप्त करने के आदेश को रद्द किया जाएगा। एसोसिएशन ने कहा कि मुख्यमंत्री के आश्वासन पर भरोसा जताते हुए व बड़े जनहित को ध्यान में रखते हुए रेजिडेंट डॉक्टरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल को तत्काल समाप्त किया जा रहा है। प्रेस विज्ञप्ति में यह भी स्पष्ट किया गया है कि रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन पूरी तरह से इस जांच प्रक्रिया से जुड़ी रहेगी, जब तक कि डॉ. राघव नरूला की टर्मिनेशन को औपचारिक रूप से रद्द नहीं किया जाता। एसोसिएशन की अगली रणनीति और आगे की कार्रवाई को लेकर 3 जनवरी 2026 को बैठक आयोजित की जाएगी। आरडीए ने प्रदेश और देशभर की सभी रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशनों, हिमाचल मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन, मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन और अन्य संगठनों का समर्थन के लिए आभार जताया है।

दिलचस्प ये है कि हड़ताल वापसी की घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू दिल्ली से शिमला लौटे और उन्होंने रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल को लेकर सख्त बयान दिया। मुख्यमंत्री ने हड़ताल को गलत बताते हुए डॉक्टरों से 'अहंकार छोड़कर' ड्यूटी पर लौटने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने स्वयं डॉक्टरों को उनके मामले में दोबारा जांच का आश्वासन दिया था, इसके बावजूद हड़ताल पर जाना उचित नहीं था। मुख्यमंत्री सुक्खू ने बयान दिया था कि सरकार 75 लाख प्रदेशवासियों के हित में काम कर रही है और किसी एक पक्ष के साथ खड़ी नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार मरीजों के साथ भी है और डॉक्टर भी सरकार के परिवार का हिस्सा

सीएम की सख्ती के बाद आदेश जारी

12वीं तक के स्कूल बंद

लखनऊ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश में मौसम के बदले मिजाज और पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं ने मैदानी इलाकों में ठिठुरन बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भीषण शीतलहर और घने कोहरे की चेतावनी जारी किए जाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों की सेहत और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्कूलों को बंद करने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री के इस निर्देश के तत्काल बाद माध्यमिक और बेसिक शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी बोर्डों के कक्षा 12वीं तक के स्कूलों को बंद करने का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश के अधिकतर जिलों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे जाने की संभावना है। वाराणसी, लखनऊ, कानपुर और मेरठ समेत कई जिलों में दिन का तापमान भी सामान्य से काफी नीचे दर्ज किया गया है। घने कोहरे के कारण दृश्यता शून्य होने से स्कूली वाहनों के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया था। अभिभावकों और शिक्षक संगठनों की ओर से भी लगातार छुट्टियां घोषित करने की मांग की जा रही थी। शिक्षा निदेशक (बेसिक) प्रताप सिंह बघेल ने आदेश जारी करते हुए कहा कि मौसम विभाग ने प्रदेश में शीतलहर और भीषण कोहरे का अनुमान जताया है। इसे देखते हुए कक्षा एक से 12वीं तक के सभी स्कूलों को 29 दिसंबर सोमवार से 1 जनवरी गुरुवार तक अवकाश घोषित किया जाता है। यह भी कहा कि यह आदेश यूपी बोर्ड के साथ ही सभी बोर्ड सीबीएसई, आईसीएसई और सहायता प्राप्त सभी निजी व सरकारी स्कूलों पर समान रूप से लागू होगा। वहीं, इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि शीतलहर के दौरान किसी भी स्कूल को न खोला जाए। यदि कोई विद्यालय आदेश का उल्लंघन करता पाया जाता है तो उसकी मान्यता रद्द करने तक की कार्रवाई की जा सकती है।

मणिपुर में उग्रवादियों के नाम पर सड़क, बिना इजाजत के बना दी 'रिंग रोड', एनजीटी ने लगाई रोक

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर से एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने राज्य सरकार की नींद उड़ा दी है। यहां पर एक ऐसी 'रिंग रोड' का पता चला है, जिसे कथित तौर पर बिना राज्य सरकार की इजाजत के बनाया जा रहा था। यह रोड कुल मिलाकर छह जिलों से होकर गुजरती है। हैरानी की बात यह है कि रिपोर्ट के मुताबिक इसके कुछ हिस्से को स्थानीय तौर पर जर्मन रोड या टाइगर रोड कहा जाता है, जो यहां के कुकी उग्रवादियों के उपनाम के आधार पर हैं। फिलहाल एनजीटी ने इस पर रोक लगा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला तब सामने आया जब राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने 23 दिसंबर को मणिपुर सरकार को इस रिंग रोड पर किसी भी तरह के काम को आगे बढ़ाने से रोक दिया है। इसके अलावा एनजीटी ने मणिपुर के मुख्य सचिव को भी निर्देश दिया है कि वह इससे प्रभावित छह जिलों के जिलाधिकारियों और पुलिस अधिक्षकों को आदेश के पालन के लिए निर्देश दें। आपको बता दें कि स्थानीय वन क्षेत्र से गुजरने वाली यह रिंग रोड, राज्य की राजधानी इम्फाल में एशियाई बैंक की मदद से बन रही रिंग रोड से अलग है। उसे सरकार की मान्यता प्राप्त है। रिपोर्ट के मुताबिक कोलकाता स्थित एनजीटी कार्यालय का यह आदेश मणिपुर के मैतेई समुदाय के नागरिक संगठन सीओसीओएमआई की तरफ से दायर याचिका पर आया। याचिका में कहा गया कि यह सड़क जंगल क्षेत्र में बिना किसी पर्यावरणीय और भू-वैज्ञानिक सुरक्षा आंकलन के बनाई जा रही है। इसे ऐसे जारी नहीं रेहने दिया जा सकता। इसलिए इस पर तुरंत रोक लगाई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके बाद एनजीटी ने कार्रवाई करते हुए इसके बारे में जानकारी निकालनी शुरू की। अदालत में बताया कि चुराचांदपुर, कांगपोकपी,नोनी और उखरूल जिलों के वन और पहाड़ी इलाकों से गुजरने वाली इस सड़क का निर्माण कुकी समुदाय के लोगों द्वारा किया जा रहा है।

क्या वेणुगोपाल हैं सुपर सीएम? कर्नाटक सरकार में हस्तक्षेप पर भड़की भाजपा

बेंगलुरू, एजेंसी।
कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार द्वारा बेंगलुरू में किया गया बुलडोजर ऐक्शन उनके लिए गले की फांस बनता जा रहा है। पार्टी हाई कमान की आलोचना झेल रही सिद्धा सरकार पर अब विपक्षी पार्टी भी हमलावर हो गई है। दरअसल, भाजपा ने राज्य में हुए बेदखली के मामले में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल पर प्रशासन में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए रविवार को सवाल किया कि क्या वह राज्य के ''सुपर सीएम'' हैं।

कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने कहा कि कर्नाटक सम्मान, स्वायत्तता और ईमानदार शासन का हकदार है, न कि हाई कमान के ''नाटक'' का। उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा, ''कर्नाटक राहुल गांधी और उनकी मंडली की कॉलोनी नहीं है।''

अशोक ने सवाल किया, ''कर्नाटक के प्रशासन में दखल देने वाले केसी वेणुगोपाल कौन होते हैं? क्या वह कोई सुपर सीएम (मुख्यमंत्री) हैं, या क्या कांग्रेस आलाकमान मानता ??है कि चुनी हुई राज्य सरकारें दिल्ली के इशारों पर चलती हैं?'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक में संवैधानिक रूप से निर्वाचित मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल का शासन है, न कि एआईसीसी महासचिव का। भाजपा नेता ने कहा कि किसी पार्टी की राय व्यक्त करना एक बात है, लेकिन राज्य सरकार पर नैतिक उपदेश देना और दबाव बनाने की रणनीति अपनाना ''स्पष्ट रूप से अपनी सीमा से बाहर जाना'' और संघवाद का अपमान है।

अशोक ने सवाल किया, ''सबसे चिंताजनक बात तो दोहरी नीति है। क्या केसी वेणुगोपाल ने कभी उतनी ही तत्परता दिखाई है जब केरल से चिकित्सा और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को अवैध रूप से कर्नाटक की सीमाओं पर फेंका गया था, जिससे बांदीपुर वन क्षेत्र, जन स्वास्थ्य और वन्यजीवों को खतरा पैदा हो रहा है? क्या उन्होंने कर्नाटक के पर्यावरण, किसानों या सीमावर्ती जिलों के लिए उसी चिंता और सहानुभूति के साथ आवाज उठाई है?'' उन्होंने कहा, ''वहां चुप्पी साधे हुए हैं और यहां उपदेश दे रहे हैं।''

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा अशोक कोगिलु गांव में अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के लिए किए गए बुलडोजर ऐक्शन को लेकर विवाद बढ़ा हुआ है।

अडानी की जीवन यात्रा मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणा है, शरद पवार ने की जमकर तारीफ

मुंबई, एजेंसी।
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को तारीफ करते हुए कहा कि उद्योगपति गौतम अडानी की जीवन यात्रा बड़े सपने देखने वाले मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। पवार ने पुणे जिले के बारामती में शरदचंद्र पवार कृत्रिम मेधा उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित किया। अडानी समूह के अध्यक्ष द्वारा वित्त-पोषित यह उत्कृष्टता केंद्र पवार परिवार द्वारा संचालित शिक्षण संस्थान विद्या प्रतिष्ठान के अंतर्गत स्थापित किया गया है। शरद पवार ने कहा कि अडानी गुजरात के सूखा-प्रभावित बनासकांठा जिले से आते हैं। वह मुंबई आए और बिल्कुल शून्य से शुरुआत की तथा आज उनका व्यवसाय देश के 23 राज्यों में फैला हुआ है।

उन्होंने कहा, ''अडानी का यह सफर मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो बड़े सपने देखते हैं।'' अडानी ने शरद पवार को अपना मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि वरिष्ठ नेता ने जमीनी हकीकत को राष्ट्रीय एजेंडे के साथ सफलतापूर्वक जोड़ा है। अडानी ने कहा, ''मुझे पवार साहब को तीन दशक से अधिक समय से जानने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैंने उनसे जो कुछ सीखा है, उसकी कोई तुलना नहीं है, लेकिन ज्ञान से परे उनकी बुद्धिमत्ता और गहरी सहानुभूति ही है, जिसने मुझ पर गहरा प्रभाव डाला है।''

उद्योगपति ने कहा, ''बारामती परिवर्तन और असीम संभावनाओं का प्रतीक है, जो उनके दूरदर्शी नेतृत्व के कारण संभव हुआ है। यहां दर्जनों बार आने के बाद, उन्होंने यहां जो हासिल किया है वह स्थानीय विकास से कहीं बढ़कर है।'' पवार के लिए बारामती इस बात का प्रतिबिंब है कि भारत को किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। अडानी ने कहा कि पवार चाहे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे हों या केंद्रीय मंत्री रहे हों, उन्होंने दलगत सीमाओं से ऊपर देश की कृषि नीति, सहकारी संस्थाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आकार दिया है। उन्होंने कहा, ''उनके जैसे नेता हमें यह याद दिलाते हैं कि अच्छी राजनीति केवल नारों तक सीमित नहीं होती, बल्कि इस समझ पर आधारित होती है कि हमारा देश अकेली जीत से नहीं, बल्कि जनता और संस्थाओं के निरंतर और संतुलित सहयोग से आगे बढ़ता है।''

इस दौर में तमाम भारत विरोधी ताकतें बांग्लादेश में हैं: असदुद्दीन ओवैसी

हैदराबाद, एजेंसी।
दीपू चंद्र दास और अमृत मंडल की मॉब लिंचिंग पर एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी का बयान आया है। उन्होंने कहा कि हम इन दोनों की मौत पर चिंतित हैं। साथ ही उन्होंने बांग्लादेश के हालात को लेकर भी चिंता जताई। साथ ही यह चेतावनी भी दी कि इस दौर में तमाम भारत विरोधी ताकतें बांग्लादेश में हैं। इसके अलावा उन्होंने देश में लिंचिंग की घटनाओं पर भी चिंता जताई। ओवैसी ने कहा कि हम भी भारत सरकार के हर उस कदम का समर्थन करते हैं, जो बांग्लादेश के साथ संबंधों को मजबूत बनाने के लिए उठाया जाएगा। असदुद्दीन औवैसी ने कहा कि बांग्लादेश का निर्माण सेक्युलर बांग्ला राष्ट्रवाद पर हुआ था। बांग्लादेश में 20 मिलियन अल्पसंख्यक रहते हैं जो मुस्लिम नहीं हैं।

सांसद ने आगे कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव नहीं बढ़ेगा। दीपू चंद्र दास और अमृत मंडल के साथ जो कुछ हुआ वह बेहद दुखद है। यह चीजें बांग्लादेश के संविधान के अनुकूल नहीं हैं। ओवैसी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मोहम्मद यूनुस यह सुनिश्चित करेंगे कि बांग्लादेश में रहने वाले सभी अल्पसंख्यक सुरक्षित रहें।

उन्होंने आगे कहा कि साथ ही मैं यह भी चाहूं कि बांग्लादेश में स्थिरता भी बनी रहे। यह भारत, खासतौर पर नॉर्थ-ईस्ट की सुरक्षा के लिए बेहद अहम होगा। ओवैसी ने कहा कि बांग्लादेश में एक मशहूर क्रांति हुई है। हम उम्मीद करते हैं कि जब फरवरी में चुनाव होंगे तो भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में सुधार होगा और यह बेहतर भी होंगे। इसके साथ ही ओवैसी ने चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि हमें याद रखना चाहिए कि आईएसआई, चीन और भारत विरोधी अन्य ताकतें अब बांग्लादेश में हैं। ओवैसी ने कहा कि लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि भारत में क्या हो रहा है।

56 गांव होकर से गुजरेगा लिंक एक्सप्रेसवे, भूमि अधिग्रहण को योगी सरकार ने दिए 995 करोड़

ग्रेटर नोएडा/मेरठ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश में 56 गांवों की भूमि पर नया लिंक एक्सप्रेसवे बनेगा, जो मेरठ-प्रयागराज गंगा एक्सप्रेसवे से वाया बुलंदशहर अब जेवर एयरपोर्ट भी लिंक होगा। इस लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए अब जल्द भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई शुरू होगी। इसके लिए योगी सरकार ने 995 करोड़ की राशि जारी कर दी है। इस लिंक एक्सप्रेसवे निर्माण से मेरठ से लोगों को गंगा एक्सप्रेसवे होते हुए जेवर एयरपोर्ट पहुंचना आसान हो जाएगा। शासन की ओर से गंगा एक्सप्रेसवे से जेवर एयरपोर्ट को कनेक्ट करने के लिए बुलंदशहर लिंक एक्सप्रेसवे की घोषणा की गई थी। अब इस लिंक एक्सप्रेसवे के भूमि अधिग्रहण, निर्माण को लेकर 1734 करोड़ के अनुमानित लागत को मंजूरी देते हुए पहली किस्त के तौर पर 995 करोड़ रुपये जारी कर दिए गए हैं। शासन ने बुलंदशहर जिले को 995 करोड़ रुपये जारी करते हुए शीघ्र भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई प्रारंभ करने को कहा है। उक्त राशि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए दी गई है। मार्च-2026 तक भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया करने को कहा गया है। माना जा रहा है गंगा एक्सप्रेसवे के इस लिंक से मेरठ से वाया बुलंदशहर जेवर एयरपोर्ट जाना आसान हो जाएगा। एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ सेक्टर बसेंगेः गंगा को यमुना से जोड़ने वाले 74 किलोमीटर लंबा लिंक एक्सप्रेसवे नोएडा-ग्रेनो की तर्ज पर बनेगा। एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ दस से ज्यादा आवासीय और औद्योगिक सेक्टरों को बसाया जाएगा। यमुना एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए 74.3 किलोमीटर लंबा ग्रीन फिल्ड लिंक एक्सप्रेसवे बनाएगा।

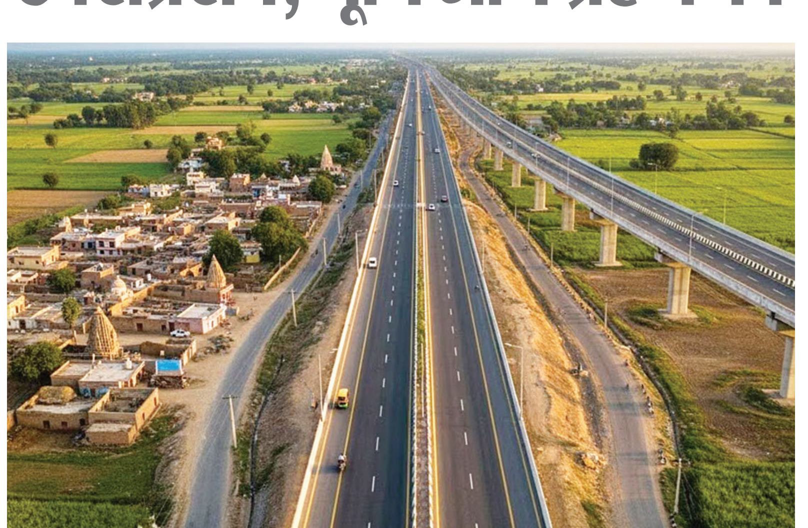

यमुना सिटी के इन सेक्टरों को फायदा

यह लिंक एक्सप्रेसवे यमुना सिटी के सेक्टर-4, 4ए, 5, 5ए, 10, 11, 21, 28, 33, 34 और अन्य सेक्टरों को जोड़ेगा। इनमें सेक्टर 5ए जापानी सिटी, 4ए कोरियन, 11 फिनटेक और 21 फिल्म सिटी के लिए प्रस्तावित है। सेक्टर-5 शहर का सबसे प्राइम आवासीय सेक्टर होगा। सेक्टर-10 में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, 28 में सेमीकंडक्टर और मेडिकल डिवाइस पार्क, 33 व 34 में अन्य सामान्य औद्योगिक गतिविधियां होगी। 56 गांवों की भूमि पर बनेगा : लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण यूपीडा करेगा। कुल 56 गांवों की भूमि पर इसका विकास होगा। इनमें गौतमबुद्धनगर के आठ और बुलंदशहर के 48 गांव हैं। इनमें 14 गांव खुर्जा तहसील के हैं। बाकी बुलंदशहर, सियाना और शिकारपुर तहसील के रहेंगे। यह परियोजना करीब 4000 करोड़ रुपये में पूरी होगी। जमीन खरीद से लेकर एक्सप्रेसवे के निर्माण तक पूरा खर्च यूपीडा उठाएगा। लिंक एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे पर 44.3 किलोमीटर यानी बुलंदशहर के सियाना क्षेत्र से शुरू होगा और यमुना एक्सप्रेसवे के 24.8 किलोमीटर यानी सेक्टर-21 फिल्म सिटी के पास आकर जुड़ेगा। प्रयागराज तक बन रहे गंगा एक्सप्रेसवे के यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ने के बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर आगरा से ग्रेटर नोएडा तक की राह आसान हो जाएगी।

एमपी और मुंबई की लगातार तीसरी जीत

मुंबई (एजेंसी)। मध्य प्रदेश और मुंबई ने विजय हजारे ट्रॉफी के मौजूदा सीरीज में लगातार तीसरी जीत हासिल की है। मप्र ने सोमवार को अहमदाबाद में केरल पर 47 रन की जीत दर्ज की। जबकि, मुंबई ने छत्तीसगढ़ को 9 विकेट से हराया। दोनों टीमें 12-12 अंक के साथ अपने-अपने ग्रुप के टॉप पर हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में केरल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। मध्य प्रदेश ने 46.1 ओवर में सभी विकेट खोकर 214 रन बनाए। जवाब में केरल की टीम 41.1 ओवर में 167 रन पर ऑलआउट हो गई। 93 रनों की पारी खेलने वाले हिमांशु मंत्री को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इधर, जयपुर में मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। टीम ने पहले तो छत्तीसगढ़ को 39.1 ओवर में 142 रन पर समेट दिया। उसके बाद 24 ओवर में एक विकेट पर 144 रन बनाते हुए जीत दर्ज की। कप्तान शार्दूल ठाकुर प्लेयर ऑफ द मैच हुए। उन्होंने 4 विकेट झटके। शम्स मुलानी ने 5 विकेट लिए।

6 वेन्यू पर खेले जा रहे हैं तीसरे राउंड के मैच

विजय हजारे ट्रॉफी के तीसरे राउंड के मुकाबले सोमवार को अलग-अलग 6 वेन्यू पर खेले जा रहे हैं। इनमें अहमदाबाद, राजकोट, सौराष्ट्र, जयपुर, अलूर, बेंगलुरु और रांची शामिल हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा इस राउंड में नहीं खेल रहे हैं।

दिल्ली के 5 बैटर्स आउट, पंत ने 22 रन बनाए- सौराष्ट्र के खिलाफ 320 रन का टारगेट चेज कर रही दिल्ली ने 36 ओवर में 5 विकेट पर 236 रन बना लिए हैं। तेजस्वी फिफ्टी बना चुके हैं। जबकि, कप्तान ऋषभ पंत 22 और प्रियांश आर्या 78 रन बनाकर आउट हुए। यहां एक अन्य मैच में पंजाब ने उत्तराखंड को 270 रन का टारगेट दिया है।

इधर, राजकोट में उत्तर प्रदेश ने ध्रुव जुरेल के नाबाद 160 रन के सहारे बड़ौदा को 370 रन का टारगेट दिया। रिंकू सिंह ने 63 और अभिषेक गोस्वामी ने 51 रन बनाए।

शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी, मुंबई ने छत्तीसगढ़ को रौंदा

कप्तान शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी से मुंबई ने विजय हजारे वनडे ट्रॉफी के ग्रुप सी मैच में सोमवार को यहां छत्तीसगढ़ को 9 विकेट से हराकर अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की। टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद शार्दुल ने सुबह में तेज गेंदबाजों की मददगार परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए पांच ओवर के अंदर छत्तीसगढ़ का स्कोर चार विकेट पर 10 रन कर दिया।

फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में कोनेरू हम्पी ने जीता ब्रॉन्ज

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने बधाई दी

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कोनेरू हम्पी को फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'चैंपियन एक नतीजे से नहीं, बल्कि बार-बार उच्चतम स्तर पर मुकाबला करने के साहस से परिभाषित होते हैं। विश्व मंच पर कांस्य पदक सच्ची उत्कृष्टता को दर्शाता है। आपकी यात्रा, निरंतरता और आप भारत को जिस तरह गौरवान्वित करती हैं। वह लाखों लोगों को प्रेरित करता है।' इसके साथ ही सीएम ने वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने पर अर्जुन एरिगैसी को भी बधाई दी। सीएम नायडू ने लिखा, 'पोडियम फिनिश करना उन्हें ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाला एकमात्र भारतीय पुरुष बनाता है। तेलंगाना के बेटे अर्जुन ने भारत की शानदार शतरंज विरासत में गौरव का एक और अध्याय जोड़ा है। इस मौके पर खेल मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी ने कहा, 'हम्पी पहले ही फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में 5 पदक जीत चुकी हैं। भारत को उनकी इन उपलब्धियों पर गर्व है।' खेल मंत्री ने कोनेरू हम्पी को सभी महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बताते हुए कामना की है कि वह भविष्य में और भी पदक अपने नाम करें। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने अर्जुन एरिगैसी को बधाई देते हुए लिखा, 'फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल हासिल करने पर धरती के बेटे को बधाई। इस उपलब्धि के साथ, वह विश्वनाथन आनंद के बाद इस इवेंट में पोडियम तक पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। तेलंगाना को आपकी उपलब्धियों पर गर्व है।' इसके साथ उन्होंने फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने पर कोनेरू हम्पी को भी बधाई देते हुए कहा है कि वह भारत को गौरवान्वित करती रहेंगी। आंध्र प्रदेश खेल प्राधिकरण (एसएएपी) के अध्यक्ष ए. रवि नायडू ने कहा है कि हम्पी ने फिडे चैंपियनशिप में 5 मेडल जीतकर भारत को गौरवान्वित किया है।

हर खिलाड़ी को जीरो से करनी होती है शुरुआत

तिरुवनंतपुरम (केरल) (एजेंसी)। स्मृति मंधाना इंटरनेशनल क्रिकेट में 10,000 रन बनाने वाली दूसरी भारतीय और कुल मिलाकर चौथी महिला खिलाड़ी बन गई हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में 10,000 रन का मील का पत्थर हासिल करने के बाद मंधाना ने कहा कि एक खिलाड़ी को जीरो से शुरुआत करनी होती है, और ऐसा कभी नहीं होता कि किसी खिलाड़ी ने पिछले मैच या पिछली सीरीज में क्या किया है।

मंधाना ने कहा, मेरा मतलब है, ऐसा कभी नहीं होता कि हम सोचें कि हमने यह पहले भी किया है। मुझे लगता है कि क्रिकेट में आपको फिर से जीरो से शुरुआत करनी होती है। स्कोरबोर्ड हमेशा जीरो पर होता है। यह कभी भी ऐसा नहीं होता कि आपने पिछले मैच या पिछली सीरीज में क्या किया है। भारतीय क्रिकेटर ने कहा, तीनों फॉर्मेट के लिए मेरी अंदरूनी उम्मीदें बहुत अलग हैं। बेशक टी-20 थोड़ा ऐसा है जहां आप आउट होने के बाद खुद पर बहुत ज़्यादा सख्त नहीं हो सकते क्योंकि आप ऐसी गति से खेल रहे हैं जहां कुछ दिन ऐसे होंगे जब आप अच्छा खेलेंगे, कुछ दिन ऐसे होंगे जब आप अच्छा नहीं खेल पाएंगे।

बाएं हाथ की बल्लेबाज ने आउट होने के बाद या मैदान पर अच्छा दिन न होने पर ज्यादा न सोचने के बारे में बात की। मंधाना ने कहा, मैं वनडे क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट में खुद पर बहुत, बहुत सख्त रहती हूं क्योंकि बेशक आपके पास बहुत समय होता है। अगर मैं वहां आउट हो जाती हूं, तो यह मेरे लिए एक पाप जैसा लगता है। लेकिन कुछ दिन ऐसे होते हैं जब आप देश के लिए मैच जीतते हैं, लेकिन कुछ दिन ऐसे भी होते हैं जब आप रन नहीं बना पाते। लेकिन मुझे लगता है कि आपको दोनों चीज़ों को स्वीकार करना होगा क्योंकि आप ज्यादा सोच नहीं सकते। यह बस जल्दी-जल्दी होता है। जैसे अगर मैंने पहले तीन मैचों के बारे में बहुत सोचा होता, तो हमारे पास इस मैच से पहले सिर्फ एक दिन था।

मंधाना ने आगे कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट के लिए सबसे बड़ी बात आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 का खिताब जीतना था। उन्होंने इस साल के उतार-चढ़ाव और युवा भारतीय टीम के हर दिन काम करने के तरीके पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, तो यह सब इस बारे में है कि आप अपने क्रिकेट को कैसे आगे बढ़ाना चाहते हैं। एक दिवसीय विश्व कप जीत महिला क्रिकेट के लिए सबसे बड़ी बात थी और हमने उसकी शुरुआत की। तो यह एक बहुत बड़ी जीत है। लेकिन फिर से आप सिर्फ सफलताओं के बारे में नहीं सोच सकते। ऐसे भी समय आए हैं जब हम मैच जीत सकते थे, लेकिन हम इस साल नहीं जीत पाए। फिर से, मुझे लगता है कि यह टीम इतनी युवा है, हम हमेशा काम कर रहे हैं।

बाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने रविवार को ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के चौथे टी-20 के दौरान यह मुकाम हासिल किया। बाएं हाथ की यह बल्लेबाज मिताली राज, सूजी बेट्स, चार्लोट एडवर्ड्स के बाद 10000 रन तक पहुंचने वाली चौथी महिला बल्लेबाज और मिताली के बाद दूसरी भारतीय बनीं।

मंधाना ने टेस्ट क्रिकेट में मंधाना ने सात मैचों और 12 पारियों में 57.18 की औसत से 629 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। 117 वनडे और पारियों में 48.38 की औसत से 5,322 रन, जिसमें 14 शतक और 34 अर्धशतक शामिल हैं, के साथ मंधाना वनडे फॉर्मेट में छठी सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। मंधाना ने टी-20में 157 मैचों और 151 पारियों में 29.94 की औसत, 124.22 के स्ट्राइक रेट, एक शतक और 32 अर्धशतकों के साथ 4,102 रन बनाए हैं। वह इस फॉर्मेट में दूसरी सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं।

महिला हॉकी इंडिया लीग का शानदार आगाज

SG पाइपर्स ने रांची रॉयल्स को 2-0 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला हॉकी इंडिया लीग 2025-26 सीजन के पहले मुकाबले में स्त्र पाइपर्स ने दमदार प्रदर्शन करते हुए रांची रॉयल्स को 2-0 से शिकस्त दी। यह मुकाबला रविवार को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में खेला गया। स्त्र पाइपर्स की जीत में कप्तान नवनीत कौर और टेरेसा वियाना के गोल निर्णायक साबित हुए।

रांची की कोशिशें नाकाम, पाइपर्स का दबदबा कायम

तीसरे क्वार्टर में रांची रॉयल्स ने तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन वे बराबरी का गोल नहीं कर सके। दूसरे हाफ की शुरुआत में नवनीत कौर और सुनेलिता टोप्पो ने शानदार तालमेल दिखाया, हालांकि गोलकीपर बिचू देवी खारीबाम ने अहम बचाव किया। रांची की ओर से लुसिना वॉन डेर हेडे का पेनल्टी कॉर्नर शॉट भी गोल में तब्दील नहीं हो सका, जिसे स्त्र पाइपर्स की डिफेंडर लोला रिएरा ने लाइन पर रोक लिया।

टेरेसा वियाना ने जीत पर लगाई मुहर

अंतिम क्वार्टर के पहले ही मिनट में टेरेसा वियाना (46') ने बाएं फ्लैंक से शानदार ड्रिबल करते हुए गोलकीपर को छकाया और गेंद को जाल में डालकर स्त्र पाइपर्स की बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद पाइपर्स ने सधे हुए खेल का प्रदर्शन किया और मुकाबला 2-0 से अपने नाम किया।

पहले हाफ में कड़ा मुकाबला, नवनीत ने दिलाई बढ़त

मैच की शुरुआत दोनों टीमों के बीच काफ़ी तेज और संतुलित रही। पहले क्वार्टर में दोनों ओर से जबरदस्त मूवमेंट देखने को मिला, लेकिन मजबूत डिफेंस के चलते कोई भी टीम पेनल्टी कॉर्नर हासिल नहीं कर सकी। रांची रॉयल्स की ओर से हैना कॉटर बाएं फ्लैंक से लगातार दबाव बना रही थीं, जबकि स्त्र पाइपर्स के लिए नवनीत कौर और दीपिका ने सर्कल में सबसे ज्यादा एंट्री ली। दूसरे क्वार्टर में रांची रॉयल्स को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन मारिया ऑर्टिज़ का ड्रैग फ्लिक गोलकीपर ने रोक दिया। इसके बाद स्त्र पाइपर्स को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, मगर लोला रिएरा के प्रयास नाकाम रहे। आखिरकार 27वें मिनट में कप्तान नवनीत कौर ने जोरदार शॉट के साथ पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए लीग के पहले मैच का पहला गोल दागा।

विजय हजारे ट्रॉफी

वैभव सूर्यवंशी का कहर, 310 की स्ट्राइक रेट से खेली तूफानी पारी

नई दिल्ली, एजेंसी। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में बिहार के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाज़ी से सभी का ध्यान खींचा है। महज 14 साल की उम्र में वैभव ने मेघालय के खिलाफ प्लेट ग्रुप मुकाबले में तूफानी अंदाज दिखाते हुए 10 गेंदों में 31 रन बनाए और 310.00 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज़ी की।

पारी की शुरुआत में ही आक्रामक तेवर

सोमवार (29 दिसंबर) को रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में खेले गए इस मुकाबले में वैभव ने बिहार के लिए पारी की शुरुआत की। 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बाएं हाथ के इस बल्लेबाज़ ने मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट्स लगाए।

अपनी छोटी लेकिन प्रभावशाली पारी में उन्होंने 6 चौके और 1 छक्का जड़ा और विपक्षी गेंदबाज़ों पर दबाव बना दिया। हालांकि, पांचवें ओवर की पहली गेंद पर आकाश कुमार ने वैभव को आउट कर दिया, जबकि डिप्पू ने उनका कैच लपका। अच्छी शुरुआत के बावजूद वह इस पारी को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर सके।

पहले ही मैच में रचा था इतिहास

वैभव सूर्यवंशी से इस मैच में भी बड़ी पारी की उम्मीदें थीं, खासकर इसलिए क्योंकि टूर्नामेंट के पहले ही मुकाबले में उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 84 गेंदों में 190 रन की ऐतिहासिक पारी खेली थी। उस मैच में वैभव ने महज 36 गेंदों में शतक पूरा किया, जो किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा चौथा सबसे तेज़ लिस्ट-ए शतक है। यही नहीं, उन्होंने 59 गेंदों में 150 रन पूरे कर दुनिया का सबसे तेज 150 रन का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया और एबी डिविलियर्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डग ब्रेसवेल ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डग ब्रेसवेल ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने का ऐलान किया है। 35 साल के ब्रेसवेल ने अपने करियर के दौरान 2011 से 2023 तक 28 टेस्ट, 21 वनडे और 20 टी20 मैच खेले। ब्रेसवेल ने कुल 74 टेस्ट विकेट लेकर रिटायरमेंट लिया है। अपने तीसरे ही टेस्ट मैच में उन्होंने होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया को हराने में न्यूजीलैंड की मदद की थी, जिसमें उन्होंने मैन ऑफ द मैच परफॉर्मेंस देते हुए रोमांचक आखिरी पारी में 6-40 विकेट लेकर सात रन से जीत दिलाई थी। यह आखिरी बार था जब न्यूजीलैंड ने टेस्ट लेवल पर ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपने ट्रांस-तस्मान प्रतिद्वंद्वियों को हराया था। ब्रेसवेल ने न्यूजीलैंड के लिए व्हाइट-बॉल मैचों में भी 46 विकेट लिए। उनका आखिरी इंटरनेशनल मैच 2023 में वेलिंगटन में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैच था, लेकिन हाल ही में पसली में चोट लगने के कारण ब्रेसवेल को न्यूजीलैंड की घरेलू टीम सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के साथ अपना करियर खत्म करना पड़ा। ब्रेसवेल ने एक बयान में कहा, 'यह मेरी जिंदगी का एक गौरवपूर्ण हिस्सा रहा है। एक युवा क्रिकेटर के तौर पर मैं हमेशा से यही चाहता था। मैं क्रिकेट के जरिए मिले मौकों और अपने देश के लिए खेलने के मौके के लिए हमेशा आभारी रहूंगा। साथ ही, अपने पूरे घरेलू करियर में सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के लिए खेलने के मौके के लिए भी। उन्होंने कहा, 'मैं इस मौके पर उन सभी टीम के साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिनके साथ मैं खेला हूं। मैं उन कोच और मैनेजमेंट को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जो इस सफर में मेरे साथ रहे और मेरे लिए कुछ किए। ब्रेसवेल ने आगे कहा कि फर्स्ट-क्लास और इंटरनेशनल क्रिकेट खेलना एक सौभाग्य की बात है।

ग्लोब सॉकर अवॉर्ड्स फुटबॉलर का जलवा

ग्लोब सॉकर अवॉर्ड्स : रोनाल्डो-डेम्बेले या यमाल? विजेताओं की सूची

दुबई , एजेंसी। ग्लोब सॉकर अवॉर्ड्स 2025 में पेरिस सेंट जर्मेन का वर्चस्व स्पष्ट रहा। डेम्बेले ने सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर, क्लब ने सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्लब और एनरिके ने सर्वश्रेष्ठ कोच का खिताब जीता। रोनाल्डो ने मिडिल ईस्ट में अपनी बादशाहत बरकरार रखी, जबकि लामिन यमाल जैसे युवा सितारों ने भविष्य की झलक दिखाई। दुबई में आयोजित ग्लोब सॉकर अवॉर्ड्स 2025 ने वैश्विक फुटबॉल के सर्वश्रेष्ठ चेहरों को एक मंच पर सम्मानित किया। इस भव्य समारोह में जहां क्रिस्टियानो रोनाल्डो की निरंतर प्रभावशाली मौजूदगी चर्चा में रही, वहीं रात का सबसे बड़ा पुरस्कार ओस्मान डेम्बेले ने अपने नाम किया। समारोह ने एक बार फिर दिखाया कि बीते सीजन में पेरिस सेंट-जर्मेन का दबदबा कितना मजबूत रहा।

- **डेम्बेले बने सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर-** पीएसजी के लिए शानदार और निर्णायक सीजन खेलने वाले ओस्मान डेम्बेले को बेस्ट मेल प्लेयर चुना गया। उन्होंने किलियन एम्बाप्पे, लामिन यमाल, विटिन्हा और राफिन्हा जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ा। पूरे सीजन में उनकी निरंतरता और मैच जिताने वाली भूमिका ने उन्हें इस अवॉर्ड का प्रबल दावेदार बना दिया।
- **पीएसजी का वर्चस्व : क्लब से कोच तक-** समारोह में पीएसजी की छाप हर स्तर पर दिखी। क्लब को बेस्ट मेल क्लब चुना गया, जबकि लुइस एनरिके को बेस्ट कोच का अवॉर्ड मिला। एनरिके को उन रणनीतियों के लिए अवॉर्ड मिला, जिनसे टीम ने घरेलू और यूरोपीय स्तर पर सफलता हासिल की। मिडफील्ड में नियंत्रण के लिए विटिन्हा को बेस्ट मिडफील्डर चुना गया।

रोनाल्डो का मिडिल ईस्ट में दबदबा बरकरार

40 वर्ष की उम्र में भी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक और अवॉर्ड अपने साथ जोड़ा। अल-नस्र के लिए खेलते हुए उन्हें बेस्ट मिडिल ईस्टर्न प्लेयर का सम्मान मिला। मैदान पर प्रदर्शन के साथ-साथ सऊदी अरब में उनके खेल और व्यावसायिक प्रभाव को भी इस अवॉर्ड में सराहा गया। इस श्रेणी में उन्होंने करीम बेंजेमा, रियाद महरेज और सालेम अल-दवसारी को पछाड़ा।

युवा सितारों की चमक

बार्सिलोना के युवा फॉरवर्ड लामिन यमाल ने बेस्ट फॉरवर्ड का खिताब जीता और अपने तेज उभार की पुष्टि की। वहीं पीएसजी के डेसायर डूए को इमर्जिंग प्लेयर चुना गया।

2 दिन में निपटा टेस्ट फिर भी 'गुड' पिच!

ICC के डबल स्टैंडर्ड पर भड़के सुनील गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज 2025-26 का चौथा मुकाबला मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया था. यह मुकाबला दो दिनों में ही खत्म हो गया था, जिसमें इंग्लैंड ने चार विकेट से जीत हासिल की थी. देखा जाए तो मौजूदा सीरीज में चारों टेस्ट मैच लगभग 13 दिनों में खत्म हुए हैं, ऐसे में पिच को लेकर काफी शोर मचा है. भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल पर पिच रेटिंग को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है. गावस्कर का कहना है कि हाल ही में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेला गया चौथा एशेज टेस्ट महज दो दिन के अंदर खत्म हो गया, इसके बावजूद एमसीजी की पिच को 'गुड' रेटिंग मिल सकती है. मेलबर्न टेस्ट के पहले दिन ही 20 विकेट गिर गए, जो ऑस्ट्रेलिया में 1951 के बाद किसी टेस्ट मैच के पहले दिन गिरे सबसे ज्यादा विकेट हैं. दूसरे दिन भी 16 विकेट गिरे और पूरा टेस्ट मुकाबला महज 142 ओवर में समाप्त हो गया. गावस्कर ने याद दिलाया कि इसी एशेज सीरीज के पहले टेस्ट (पर्थ) में भी मुकाबला दो दिन में खत्म हो गया था, लेकिन उस पिच को आईसीसी ने 'वेरी गुड' रेटिंग दी थी.

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

छेड़खानी आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इस्तेहार

रानेश्वर (दुमका)(नि. सं.)। रानेश्वर थाना क्षेत्र के रंगालिया गांव में छेड़खानी के आरोपी बड़जहांन मियां के घर मे सोमवार को रानेश्वर पुलिस की और से इस्तेहार चिपकाया गया। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। गत दिन बड़जहांन मियां इसी थाना क्षेत्र के एक युवती के साथ छेड़खानी किया था। युवती के द्वारा रानेश्वर थाना में युवक के विरुद्ध नामजद एफआईआर दर्ज कराई गई थी। एफआईआर दर्ज के बाद से ही युवक गांव से फरार है। न्यायालय से युवक के विरुद्ध वारंट निर्गत की गई है। वाबजूद युवक न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं किया है। थाना प्रभारी बलराम कुमार सिंह ने बताया न्यायालय के आदेश पर फरार आरोपी के घर पर इस्तेहार चिपकाया गया है। इस्तेहार चिपकाने के एक महीना के अंदर अगर आरोपी आत्मसमर्पण नहीं करता है । तो कुर्की जब्ती की कार्रवाई के जाएगी।

आंगनबाड़ी केंद्रों में अनियमितता पर बीडीओ का औचक निरीक्षण

रानेश्वर (दुमका)(नि. सं.)। आंगनबाड़ी केंद्र की अनियमित संचालन एवं मनमानी रवैया को लेकर उपायुक्त दुमका के निर्देशानुसार सोमवार को बीडीओ राजेश कुमार सिन्हा हरिपुर पंचायत के राणाबांध एवं कादईपड़ा आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र में काफी अनियमितता पाया गया। राणाबांध आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका अनुपस्थित थी। बीडीओ के द्वारा सहायिका से पूछताछ करने पर सहायिका द्वारा बताया गया कि सेविका प्रखंड की बैठक में गई है। जबकि प्रखंड में सेविका की कोई बैठक नहीं थी। बीडीओ ने इसे गंभीरता से लिया। और सेविका से शोकॉज तलब किया। जबकि कादईपाड़ा आंगनबाड़ी केंद्र बंद पाया गया। बीडीओ के केंद्र पहुंचने की सूचना पर सेविका भागती हुई केंद्र पहुंची । बीडीओ ने सेविका की इस हरकत पर कड़ी फटकार लगाया। एवं ससमय केंद्र खोलने एवं बंद करने की चेतावनी सेविका को दिया। अन्यथा कड़ी कार्रवाई की बात कही गई।

दो अलग-अलग गांव के डायरिया व लुज मोशन से आक्रांत भर्ती.

गोपीकांदर (दुमका)(नि. सं.)। गोपीकांदर थाना क्षेत्र की दो अलग-अलग गांव कटवीडंगाल ओर गड़ियापानी आदिवासी टोला के दो मरिज डायरिया व लूज मोशन से आक्रांत हो गये है. दोनों के परिजन ने सोमवार को तीन पहिया टेम्पू व जुगाड़ गाड़ी से गोपीकांदर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया. डायरिया लुज मोशन पीड़ित मरीजों की पहचान गाड़ियापानी श्रीमती सोरेन 60 वर्षीय, दूसरा कटवीडंगाल बाबूलाल मुर्मू 61 वर्षीय के रुप में हुई है. डॉक्टर हेमंत मुर्मू , एनएम अनीता मरांडी, रीना मुर्मू, ने प्राथमिक इलाज कर दोनों मरिज को इंजेक्शन जॉन 1 ग्राम, जेन्टा, रेनटेक, ऑन डेम टैबलेट, आरएल, सलाइन दी है. बताया कि बदलते मौसम और खान-पान पर विशेष ध्यान न देने के कारण ऐसे मामले सामने आते है. डायरिया व लूज मोशन 72 घंटे के बाद ही इलाज के बाद खत्म होता है. 2 दिन तक इलाज करने के बाद इलाज में सुधार नहीं होने पर दोनों मरीज को बेहतर इलाज के लिए दुमका फूलों झानो मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया जायेगा।

नए साल के स्वागत में दुमका के पिकनिक स्पॉट पर उमड़ी भीड़

दुमका (नि. सं.)। उपराजधानी दुमका में नए साल के आगमन का लेकर लोगों में उत्साह देखा जा रहा हैं। लोग दुमका के विभिन्न स्थनों में जाकर अपने परिवार के साथ पिकनिक मना रहे हैं। सैलानियों के जुटने से जिले के पर्यटन स्थल गुलजार होने लगे हैं। नए साल 2026 आने में अभी दो दिन ही बचे हैं जहां लोग धूमने आते हैं। पश्चिम बंगाल से सटे होने के कारण सैलानी काफी संख्या में दुमका जिला स्थित पर्यटन स्थल घूमने आते हैं। दुमका जिला में पर्यटन के लिए मुख्य आकर्षक का केंद्र मसानजोर डैम, मलूटी108 मंदिरों का गांव, बासुकीनाथ धाम, तातलोई गर्म जलकुंड, के साथ सेल्फी ब्रिज, बास्कीचक के अलावा कई ऐसे स्थल हैं जहां काफी संख्या में लोग घूमने आ रहे हैं। जिसकों देखते हुए पुलिस विभाग अलर्ट मोड पर आ चुकी हैं। दुमका के पर्यटन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस फोर्स की तैनाती के साथ-साथ सादे लिवास में पुलिस बल तैनात रहते हैं। वहीं सीसीटीवी कैमरा से नजर रखी जा रही हैं। पुलिस बाहर से आने वाले गाड़ियों की भी जांच कर रही हैं। लोग अपने परिवार के साथ नए साल के आने की खुशी अच्छे से मना सकें। सैलानियों को कोई परेशानी न हो इसको लेकर दुमका जिला प्रशसन अलर्ट मोड पर हैं। सेल्फी ब्रिज पर लोगों का हो रहा जुटान नए साल के आगमन के पूर्व ही दुमका के अलावे अन्य जिला से पिकनिक के लिए जिले के विभिन्न स्थल पहुंच रहे सैलानियों का सेल्फी ब्रिज पर आना शुरू हो गया हैं। काफी संख्या में लोग यहां पहुंचकर झारखंड के सबसे लंबे पुल का अनंद उठा रहे हैं। पुल के बीच बने सेल्फी प्वाइंट पर पहुंच कर घंटों आनंद उठा रहे हैं। दुमका के कुमड़ाबाद मुख्य पथ पर शहर के 18 किमी की दुरी पर हैं। यहां पर लोग अपने परिवार के साथ पिकनिक का आनंद लेने पहुंचते हैं। नव वर्ष के अवसर पर पयर्टक को देखते हुए कई दुमाने भी लगाई गई हैं। पुसारो नदी के तट पर पिकनिक मनाने के लिए जुटते हैं सैलानी दुमका शहर से बिल्कुल सटा हुआ पुसारो नदी के किनारे व इर्द-गिर्द कई सूबसूरत वादियां हैं जहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में आसपास के लोग पिकनिक का आनंद उठाते हैं। यहां पहजंचने के लिए दुमका-देवघर मुख्य पथ पर शहर के तकरीबन पांच किलोमीटर की दूरी पर हैं। दुमका रेलवे स्टेशन के नजदीक से भी होकर यह नदी गुजरती हैं। जो साहिबगंज-गोविंदपुर मुख्य पथ से सटा हैं। विजयपुर नदी घाट के पास भी लोग पिकनिक मनाने के लिए जुटते हैं। दुमका से तकरीबन चार किलोमीटर की दूरी पर स्थित विजयपुर घाट मयूराक्षीनदी पर खूबसूरत स्थल हैं। दसी नदी के किनारे दुमका का मिनी गोवा कहलाने वाला भी एक तट हैं, जहां बड़ी संख्या में लोग पिकनिक का आंनद लेने पहुंचते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए सड़क मार्ग हैं।

युवती अपहरण मामले को लेकर बैठक, कार्रवाई की मांग

दुमकारानेश्वर(दुमका) (नि. सं.)। रानेश्वर थाना क्षेत्र के एक गांव से अन्य समुदाय के युवक द्वारा एक अन्य समुदाय की युवती को भगाने के मामले को लेकर सोमवार को आसनबनी गांव स्थित बाबा बूढ़ानाथ शिव मंदिर परिसर में सत्य सनातन हिन्दू एकता मंच के बैनर तले एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रकाश नारायण पांडेय ने की। बैठक में आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शामिल हुए, जिससे मंदिर परिसर खचाखच भरा रहा। बैठक के दौरान वक्ताओं ने उक्त घटना को गंभीर और निंदनीय बताते हुए पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए। उपस्थित लोगों ने कहा कि घटना के बाद से अब तक युवती की बरामदगी नहीं होना चिंता का विषय है। पुलिस की ओर से त्वरित और ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने को लेकर नाराजगी व्यक्त की गई। ग्रामीणों ने एक स्वर में मांग की कि अपहृत युवती को शीघ्र बरामद किया जाए, ताकि किसी भी तरह का धर्म परिवर्तन या अन्य अप्रिय घटना होने से पहले उसे सुरक्षित उसके परिजनों के हवाले किया जा सके। बैठक में मौजूद लोगों ने कहा कि इस तरह की घटनाओं से क्षेत्र का सामाजिक सौहार्द बिगड़ता है और समाज में असुरक्षा की भावना पैदा होती है। वक्ताओं ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषी युवक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलनात्मक कदम उठाने पर विचार किया जाएगा। ग्रामीणों ने एकजुटता दिखाते हुए समाज की बेटियों की सुरक्षा को सर्वोपरि बताया और कहा कि इस तरह की घटनाओं को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में बबलू दत्ता, निताई भंडारी, गणेश दास, लखाई मंडल, पूरन राय समेत कई अन्य लोग मौजूद थे। बैठक शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई, लेकिन लोगों के आक्रोश और चिंता साफ तौर

अभाविप झारखंड के 26वें प्रदेश अधिवेशन का भव्य समापन

दुमका के कार्यकर्ताओं को मिली नई कमान, राष्ट्र पुनर्निर्माण का संकल्प

डॉ कुमार सौरभ

मनोज सोरेन

संजय पाल

मिलन रजक

अमन शाह

यश राज

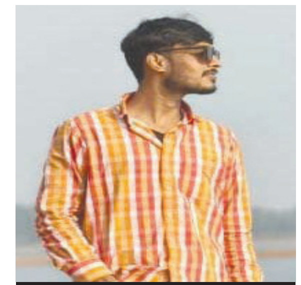

अभिषेक तिवारी

निज संवाददाता | दुमका

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड का 26वां प्रदेश अधिवेशन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस चार दिवसीय समागम में शैक्षणिक सुधारों और सांगठनिक मजबूती पर मंथन के साथ-साथ नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें दुमका जिले के कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपकर उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया गया है।

दिग्गजों की उपस्थिति में हुआ शुभारंभ

अधिवेशन का उद्घाटन मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री माननीय विजय शर्मा, अभाविप के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मौसमी पॉल और प्रदेश मंत्री प्रकाश टूटी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कु. मालोती हेम्ब्रम, अधिवेशन संयोजक धनंजय सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

अधिवेशन का मूल मंत्र: ज्ञान, शील और एकता

चार दिनों तक चले इस अधिवेशन में विभिन्न सत्रों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को विद्यार्थी परिषद के सिद्धांतों और कार्यपद्धति से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने "ज्ञान, शील और एकता" के मूल मंत्र के साथ राष्ट्र पुनर्निर्माण के संकल्प को दोहराया।

नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा

अधिवेशन के अंतिम दिन प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मौसमी पॉल ने संगठन के नए दायित्वों की घोषणा की। नई टीम में हिमांशु दुबे झारखंड प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, मनोज सोरेन प्रदेश जनजातीय छात्र कार्य प्रमुख, अभिषेक तिवारी शोध प्रदेश सह संयोजक, मिलन रजक राष्ट्रीय कला मंच प्रदेश सह संयोजक,यश राज मैडिविजन प्रदेश संयोजक, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. कुमार सौरभ, अमन शाह, और संजय पाल का नाम शामिल है। दुमका को मिला विशेष प्रतिनिधित्व इस बार की प्रदेश टीम में दुमका जिले के सक्रिय कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। स्थानीय कार्यकर्ताओं को मिली इन नई जिम्मेदारियों से जिले में अभाविप की गतिविधियों को न केवल नई दिशा मिलेगी, बल्कि छात्र राजनीति में जिले का प्रभाव भी बढ़ेगा।

वरीय अधिवक्ता और प्रखर जेपी सेनानी अवधेश सिंह का निधन

- 1974 के छात्र आंदोलन में निभाई थी सक्रिय भूमिका, रहे प्रखर जेपी सेनानी।
- कानून के क्षेत्र में लगभग पांच दशक का लंबा और सम्मानित अनुभव।

निज संवाददाता | दुमका

दुमका के विधि जगत और सामाजिक सरोकारों के एक मजबूत स्तंभ, वरीय अधिवक्ता अवधेश कुमार सिंह अब हमारे बीच नहीं रहे। लगभग दो दशकों तक अपर लोक अभियोजक के रूप में अपनी सेवाएं देने वाले श्री सिंह का 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया। शनिवार देर शाम उन्होंने अपने नया पाड़ा स्थित आवास पर अंतिम सांस ली। वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे।

नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

सोमवार की सुबह बिहार के सुल्तानगंज स्थित उत्तरवाहिणी गंगा तट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके पुत्र मनीष कुमार सिंह ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान परिवार के सदस्यों और शुभचिंतकों ने नम आंखों से उन्हें विदाई दी। वह अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र, तीन पुत्रियां, दो भाई और दो बहनों सहित पोते-नातियों से भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

एक प्रखर सेनानी और कुशल अधिवक्ता का सफर

अवधेश सिंह का व्यक्तित्व बहुआयामी था। उन्होंने 1974 के

छात्र आंदोलन (जेपी आंदोलन) में अग्रणी भूमिका निभाई थी। कानून के क्षेत्र में उनका पांच दशक लंबा अनुभव रहा, जिसमें से 20 साल से अधिक समय तक उन्होंने अपर लोक अभियोजक के रूप में न्यायपालिका को अपनी सेवाएं दीं। उनके निधन की खबर मिलते ही शहर के प्रबुद्ध नागरिकों और अधिवक्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। उनके पार्थिव शरीर पर पूर्व सांसद सुनील सोरेन, पूर्व संसदीय सचिव कमलाकांत सिन्हा, झारखंड बार एसोसिएशन के सदस्य गोपेश्वर प्रसाद झा, सरकारी अधिवक्ता अरुण कुमार सिन्हा, और सेवानिवृत्त न्यायिक पदाधिकारी रामसिया सिंह सहित कई दिग्गजों ने पुष्प अर्पित किए। श्रद्धांजलि देने वालों में जेपी सेनानी विजय कुमार सोनी, सिविल सोसाइटी के अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा, भाजपा नेता अमरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. संजीव कुमार सिंहा और शहर के कई गणमान्य लोग शामिल थे। सभी ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत का दो दिवसीय प्रांत अभ्यास वर्ग संपन्न

निज संवाददाता | दुमका

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा दुमका में आयोजित दो दिवसीय 'प्रांत अभ्यास वर्ग' का सोमवार को उत्साहपूर्ण वैचारिक मंथन के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम के अंतिम दिन संगठन की मजबूती और समाज में उपभोक्ता अधिकारों के प्रति चेतना जगाने पर विशेष जोर दिया गया।

5P के मंत्र से कार्यकर्ताओं में भरा जोश

समापन सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सचिव जयंत कथारीया जी ने संगठनात्मक कार्यों और सामाजिक दायित्वों की विस्तृत व्याख्या की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सफलता के लिए '5P' का मूल मंत्र दिया:प्रयास (निरंतर चेष्टा), प्रवास (क्षेत्रीय भ्रमण),प्रयोग (नवाचार),प्रबोधन (जागरूकता फैलाना), प्रोटेक्ट (उपभोक्ता संरक्षण), उन्होंने कहा कि एक कार्यकर्ता को बहती नदी के समान होना चाहिए, जो बिना रुके समाज के हर वर्ग तक लाभ पहुँचाए।

सोशल मीडिया और स्थानीयता पर जोर

क्षेत्रीय संगठन मंत्री शिवाजी क्रांति ने आधुनिक दौर में सोशल मीडिया फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बारीकी से समझाया कि कैसे इन डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर ग्राहक पंचायत के कार्यों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुँचाया जा सकता है। वहीं, प्रांत उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने स्थानीयता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता संगठन की आत्मा हैं। उन्होंने आह्वान किया कि स्थानीय समस्याओं को समझकर उनका समाधान निकालने से ही अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचेगा।

वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

इस अभ्यास वर्ग के सफल आयोजन में प्रांत संगठन मंत्री वी प्रभु, प्रांत सचिव डॉ. अमूल्य कुमार पाल, सह सचिव अरविंद राणा और महिला आयाम से रूबी लाल की प्रमुख भूमिका रही।

दुमका गूंजा कला-संस्कृति की मधुर धुन से

झंकार 2025' में 200 छिपी प्रतिभाओं ने बिखेरे रंग, नवांकुरों को मिला चमकने का सुनहरा मौका

निज संवाददाता | दुमका

कला संस्कृति संघ, दुमका द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव 'झंकार 2025' ने सोमवार को स्थानीय इनडोर स्टेडियम को कला-संस्कृति की जीवंत ऊर्जा से भर दिया। झारखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने की थीम पर आधारित इस भव्य आयोजन में गायन, वादन, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला, फोटोग्राफी, आर्ट एंड क्राफ्ट, पुस्तक प्रदर्शनी, कवि सम्मेलन और आर्केस्ट्रा जैसी विविध विधाओं में करीब 200 कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा। दर्शक इन प्रदर्शनों से इतने मंत्रमुग्ध हुए कि तालियों की गड़गड़ाहट थमने का नाम ही न ले। कार्यक्रम की शुरुआत संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जिला खेल पदाधिकारी तूफान पोद्दार, जिला खेलकूद संघ अध्यक्ष उमा शंकर चौबे एवं अन्य गणमान्य नागरिकों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। इस मौके पर संयोजक अरुण सिन्हा एवं महेंद्र प्रसाद साह ने अतिथियों का झारखंडी पारंपरिक परिधान 'पंची' और शॉल भेंटकर हार्दिक स्वागत किया। दुमका के बाल कलाकारों के नृत्य और गायन ने तो जैसे स्टेज पर जादू बिखेर दिया, वहीं युवा चित्रकारों की प्रदर्शनी ने भी खूब वाहवाही लूटी। खास तौर पर आदित्य राज की पेंटिंग ने दर्शकों के दिल जीत लिए। संघ के सचिव अशोक सिंह ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि पिछले पांच वर्षों से नववर्ष पर ऐसे आयोजनों के जरिए दुमका के कलाकारों को मंच प्रदान किया जा रहा है। संघ का लक्ष्य ग्रामीण और लोक कलाकारों को प्रोत्साहन देना तथा नई पीढ़ी में सांस्कृतिक जागरूकता जगाना है।

संघ के संरक्षक उमा शंकर चौबे ने जोर देकर कहा कि 'झंकार 2025' का मकसद उन गुमनाम प्रतिभाओं को सामने लाना है, जो अब तक मंच और सम्मान से वंचित रहीं। कोषाध्यक्ष डॉ. मधुर कुमार सिंह ने जानकारी दी कि सभी प्रतिभागियों को समान अवसर देकर प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। संयोजक अरुण सिन्हा ने दुमका को साहित्य, संगीत और कला की उर्वर भूमि करार देते हुए संघ अध्यक्ष शिशिर कुमार घोष के समर्पण को याद किया तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी सहयोगियों और सामाजिक संगठनों का आभार जताया। दोपहर में साहित्य संयोजक अंजनी शरण के नेतृत्व में कवि सम्मेलन ने माहौल को काव्य की सुगंध से महका दिया, जहां युवा-वरिष्ठ कवियों की रचनाओं ने श्रोताओं को बांध लिया। शाम को बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद रात भर चले आर्केस्ट्रा में जॉय बागची, दिलीप मिर्धा, संदीप कुमार, निरंजन कुमार, देबोलीना तपस्वी और आशुतोष नाग ने एक से एक हिट गीतों से धमाल मचा दिया। कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण के दौरान उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने कहा, "दुमका अपनी अनमोल प्रतिभाओं पर गर्व करता है। ये कलाकार और साहित्यकार पूरे जिले का मान बढ़ाते हैं।" विशेष रूप से, दिवंगत कला संस्कृति कर्मी स्वर्गीय गौर कांत झा की स्मृति में सर्वश्रेष्ठ युवा कत्थक नर्तक को 'पं. गौर कांत झा स्मृति सम्मान' भेंट किया गया।

महर्षि मेंही आश्रम में ध्यान बिंदु पर केंद्रित रहा शिविर का चौथा दिन

निज संवाददाता | दुमका

महर्षि मेंही आश्रम, कुप्पाघाट में आयोजित सप्त दिवस साधना शिविर के चौथे दिन प्रातः काल से ही आध्यात्मिक उल्लास की लहर दौड़ पड़ी। ध्यान, भजन और पवित्र ग्रंथों के पाठ से परिपूर्ण इस दिन ने भक्तों को परम शांति और आत्म-जागरण का अनुभव कराया। शिविर का यह चौथा चरण 'ध्यान बिंदु' पर केंद्रित रहा, जहां संत महात्माओं के मार्गदर्शन में साधकों ने गहन साधना की ओर कदम बढ़ाए। प्रातःकालीन सत्र में भूषण जी के नेतृत्व में संत स्तुति, गुरु विनती और कृष्ण यजुर्वेद के पाठ का आयोजन किया गया। वेद मंत्रों की गूंज से आकाश गुंजायमान हो उठाः इस मंत्र के माध्यम से भक्तों को समझाया गया कि जीव जाग्रत् अवस्था में नेत्रों में, स्वप्न में कंठ में, सुषुप्ति में हृदय में और तुरीय अवस्था में मस्तक में निवास करता है। यह पाठ न केवल बौद्धिक स्तर पर प्रेरित करने वाला था, बल्कि साधकों को अपनी चेतना के विभिन्न स्तरों की गहराई में उतरने का संदेश देता था।

अपराह्न सत्र में ज्ञान, भजन-कीर्तन का दौर चला, जहां दिनेश जी और भूषण जी ने संत स्तुति प्रस्तुत की। तबले की संगत देते हुए आर्य जी ने पवित्र रामचरितमानस का भावपूर्ण पाठ किया, जो भक्तों के हृदय को गोस्वामी तुलसीदास की भक्ति रस से सराबोर कर गया। कीर्तन की मधुर धुनें आश्रम परिसर में घुल-मिल गईं, मानो स्वयं राम नाम की ज्योति प्रज्वलित हो रही हो। शिविर के विशेष अतिथि, महर्षि मेंही आश्रम कुप्पाघाट से पधारे पूज्य स्वामी सत्य प्रकाश जी महाराज ने भक्तों को संबोधित करते हुए 'ध्यान बिंदु' की महिमा का वर्णन किया। उन्होंने कहा, "ध्यान बिंदु मुख्य रूप से 'ध्यानबिंदु उपनिषद' से जुड़ा है, जो योग और आध्यात्मिक ज्ञान का केंद्र है।

यह 'ॐ' के नाद और सूक्ष्म बिंदु के माध्यम से परम सत्य (ब्रह्म) को जानने का द्वार है, जहां सभी चेतनाएं विलीन हो जाती हैं। इससे पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति संभव है।" शरीर को स्थिर करें आराम से बैठें, शरीर ढीला छोड़ें और गहरी सांसें लें। मन को एकाग्र करें सांस या शरीर के किसी अंग पर फोकस करें, विचारों को आने-जाने दें। बिंदु की ओर बढ़ें भौंहों के बीच (आज्ञा चक्र) या सिर के केंद्र (ब्रह्मरंध्र) पर ध्यान लगाएं, जहां सूक्ष्म प्रकाश या बिंदु महसूस हो। नाद सुनें उस बिंदु पर टिककर आंतरिक ध्वनि (नाद) में लीन हो जाएं। निरंतरता प्रतिदिन सुबह-शाम कम से कम 30 मिनट अभ्यास करें। इस साधना से गहरा मानसिक-भावनात्मक आराम, आत्म-जागरूकता, आध्यात्मिक उन्नति और परम शांति की प्राप्ति होती है। स्वामी जी ने जोर देकर कहा, "यह विधि ब्रह्मांड से जुड़ने और जीवन के गहन रहस्यों को समझने का माध्यम है।" कार्यक्रम के व्यवस्थापक पूज्य स्वामी अरण्यानंद भिक्षु जी ने बताया कि यह शिविर 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक चल रहा है। विभिन्न स्थानों से संत महात्माओं का आगमन हो चुका है, जिनमें स्वामी दिव्यानंद जी, स्वामी ओमप्रकाश जी महाराज, स्वामी परमानंद जी महाराज सहित अन्य साधु-संत शामिल हैं।

राष्ट्रीय सामाजिक सहायता पेंशन का सामाजिक अंकेक्षण

निज संवाददाता | शिकारीपाड़ा (दुमका)

उपायुक्त दुमका के निर्देश पर सोमवार को शिकारीपाड़ा पंचायत भवन में राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत पेंशन योजना के लाभुकों का सामाजिक अंकेक्षण किया गया|

जिसमे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, विकलांग पेंशन योजना, राष्ट्रीय परिवारिक लाभ योजना का सामाजिक अंकेक्षण सुगमता एवं सफलता पूर्वक लगभग 100 लाभुकों का किया गया। मौके पर पंचायत के मुखिया,सचिव सहित अन्य मौजूद थे।

मो. उमर के दम पर एलएजी कैंप क्लब की 7 रन से रोमांचक जीत

निज संवाददाता | दुमका

वीणा मेमोरियल डिस्ट्रिक्ट लीग ए डिवीजन 2025-26 के दूसरे मैच में एलएजी कैंप क्लब ने एलएजी एकेडमी बी को अंतिम ओवरों में कड़ी टक्कर देकर 7 रनों से रोमांचक जीत हासिल की। मो. उमर की शानदार बल्लेबाजी और घातक गेंदबाजी ने मैच का रुख पलट दिया, जिसके दम पर वे मैन ऑफ द मैच बने। पहले बल्लेबाजी करते हुए एलएजी कैंप क्लब ने 30.3 ओवरों में 10 विकेट खोकर 193 रन बनाए। टीम की ओर से मो. उमर ने चमकदार 54 रनों की पारी खेली, जो मैच की जान बनी। वहीं, एलएजी एकेडमी बी के गेंदबाज देवराज गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट हथियाए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी एलएजी एकेडमी बी की पारी 186 रनों पर सिमट गई। देवराज गुप्ता ने बल्ले से 36 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन टीम अंतिम गेंदों तक दौड़ती रही। एलएजी कैंप क्लब के मो. उमर ने गेंदबाजी में कमाल दिखाते हुए 5 विकेट झटके, जो विपक्षी बल्लेबाजों के लिए बुरा सपना साबित हुए।

इस जीत के साथ एलएजी कैंप क्लब ने लीग में मजबूत शुरुआत की। शानदार प्रदर्शन के लिए मो. उमर को मैन ऑफ द मैच चुना गया, जिसकी ट्रॉफी जिला क्रिकेट संघ दुमका के अध्यक्ष भास्कर अजीत सिंह ने प्रदान की।

सिद्धू कान्हू टूर्नामेंट में जूनियर जागुआर की हुई जीत

निज संवाददाता | रामगढ़ (दुमका)

प्रखण्ड के कौआम पंचायत अन्तर्गत ढोलपाथर मैदान में सिद्धू कान्हू फुटबॉल चैम्पियन क्लब ढोलपाथर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का सोमवार को भव्य शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में कुल 80 हजार रुपए का प्रथम पुरस्कार रखा गया है।

प्रतियोगिता का उद्घाटन झामुमो नेता छोटे लाल मंडल, ग्राम प्रधान पलटन मरांडी, महिला नेत्री सुशांति सोरेन, क्लब के अध्यक्ष सामियल सोरेन तथा कमल किशोर सोरेन ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

उद्घाटन मैच का रोमांच

उद्घाटन मैच जूनियर जागुआर क्लब मजडीहा और JHO4 इलेवन ब्रदर्स दुमका के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। अंततः, मजडीहा की टीम ने पेनल्टी शूटआउट में JHO4 इलेवन ब्रदर्स को 5-4 गोल से हराकर दूसरे चक्र में प्रवेश किया।

पुरस्कार राशि और फाइनल की तारीख

यह तीन दिवसीय प्रतियोगिता 31 दिसंबर को फाइनल मैच के साथ समाप्त होगी, जिसमें जामा विधानसभा की विधायक डॉ. लुईस मरांडी मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगी। विजेता टीम को 80 हजार रुपए और उपविजेता टीम को 60 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। तृतीय और चतुर्थ स्थान पर रहने वाली टीमों को 18-18 हजार रुपए मिलेंगे। पुरुषों के साथ-साथ, लड़कियों के लिए भी आठ टीमों की फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई है, जिसमें प्रथम पुरस्कार 5000 और द्वितीय पुरस्कार 4000 रुपए है।